नई दिल्ली । शनिवार , 18 अप्रैल, 2026
बैशाख कृष्ण पक्ष नवमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :102 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल वीर चोटरानी हैम्बर्ग स्क्वैश क्वार्टर फाइनल...
@ विचार वैश्विक तनाव के बीच भारत की सधी हुई चाल...
@ व्यापार मार्च में इक्विटी फंड में निवेश 11 प्रतिशत बढ़ा...

महिला आरक्षण बिल 54 वोट से गिरा

मोदी सरकार बिल पास कराने में पहली बार नाकाम

पास होने के लिए चाहिए थे 352, मिले 298

एजेंसी ■ नई दिल्ली

महिला आरक्षण बिल से जुड़ा संविधान (131वां) संशोधन बिल सरकार लोकसभा में पास नहीं करा पाई। इसमें संसद की 543 सीटों से बढ़ाकर 850 सीटें करने का प्रावधान था। 21 घंटे की चर्चा के बाद इस पर वोटिंग हुई। लोकसभा में मौजूद 528 सांसदों ने वोट डाले। पक्ष में 298, विपक्ष में 230 वोट पड़े।

बिल पास कराने के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत थी। 528 का दो तिहाई 352 होता है। इस तरह ये बिल 54 वोट से गिर गया। लोकसभा में कुल 543 सीटें हैं, लेकिन 3 सीटें खाली होने की वजह से मौजूदा सांसदों की संख्या 540 है।

सरकार ने इन पर वोटिंग कराने से इनकार कर दिया। कहा कि ये बिल एक-दूसरे से लिंक है इसलिए वोटिंग की जरूरत नहीं है।12 साल के शासन में यह पहला मौका जब मोदी सरकार सदन में कोई बिल पास नहीं करा पाई। इससे पहले अमित शाह ने एक घंटा स्पीच दी थी। कहा कि अगर ये बिल पास नहीं होते हैं तो इसकी जिम्मेदारी विपक्ष की होगी। देश की महिलाएं देख रही हैं कि उनकी राह का रोड़ा कौन है।

बिल गिरने के बाद विपक्ष ने कहा- हमने हरा दिया

राहुल गांधी ने कहा- हमने संविधान पर हुए हमले को हरा दिया है। हमने साफ तौर पर कहा है कि यह महिला आरक्षण बिल नहीं है, बल्कि यह भारत की राजनीतिक संरचना को बदलने का एक तरीका है। प्रियंका ने कहा- यह हमारे लोकतंत्र और हमारे देश की एकता के लिए एक बड़ी जीत है। जैसा कि मैंने अंदर कहा, यह संविधान पर हमला था, और हमने इसे विफल कर दिया है, जो कि एक अच्छी बात है। शशि थरूर ने कहा- हमने हमेशा कहा है कि हम महिला आरक्षण का पूर्ण समर्थन करते हैं और आज भी इसके पक्ष में मतदान करने को तैयार हैं। हालांकि, इसे परिसीमन से नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

एमके स्टालिन ने कहा- 23 अप्रैल को हम दिल्ली का अहंकार और उस अहंकार का समर्थन करने वाले गुलामों को हराएंगे।सरकार जानती थी कि उसके पक्ष में लोकसभा में नंबर नहीं है, इसीलिए सरकार बार-बार सभी सांसदों से समर्थन की मांग कर रही थी।

भारत ने देखा, इंडिया ने हराया: राहुल गांधी

लोकसभा में शुक्रवार को संविधान का 131वां संशोधन विधेयक पारित नहीं हो सका। इस बिल को पास कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता थी, लेकिन सरकार आवश्यक समर्थन जुटाने में विफल रही।

मतदान के दौरान बिल के पक्ष में 298 सांसदों ने वोट किया, जबकि 230 सांसदों ने इसके विरोध में मतदान किया, जिसके चलते यह विधेयक पास नहीं हो पाया। इस अहम विधेयक के गिरने के बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा की प्रतिक्रिया सामने आई है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि हमने संविधान पर हुए इस हमले को हरा दिया है। हमने साफ तौर पर कहा है कि यह महिला आरक्षण बिल नहीं है, बल्कि यह भारत की राजनीतिक संरचना को बदलने का एक तरीका है। हमने इसे रोक दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील करते हुए उन्होंने आगे कहा कि 2023 में लाए गए महिला बिल को लागू किया जाए, जिस पर पूरा विपक्ष समर्थन देने को तैयार है।

वहीं, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह केवल महिला आरक्षण का सवाल नहीं था, बल्कि देश के लोकतंत्र और अखंडता से जुड़ा विषय था। उन्होंने कहा कि हम कभी इससे सहमत नहीं हो सकते कि महिला आरक्षण को परिसीमन से इस तरह जोड़ा जाए कि वह पुरानी जनगणना पर आधारित हो, जिसमें ओबीसी वर्ग शामिल ही नहीं है। पेज नं -2

ईरान ने पूरी तरह खोला होर्मुज स्ट्रेट

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा- धन्यवाद

एजेंसी ■ तेहरान

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने लेबनान में जारी सीजफायर के संदर्भ में एक अहम घोषणा की है। उन्होंने बताया कि सीजफायर की अवधि के दौरान होर्मुज स्ट्रेट सभी कमर्शियल जहाजों के लिए पूरी तरह खोल दिया गया है, जिससे क्षेत्रीय व्यापार और समुद्री आवाजाही को राहत मिलेगी।

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए लिखा, ''लेबनान में सीजफायर के हिसाब से ईरान के इस्लामिक रिपब्लिक के पोर्ट्स एंड मैरीटाइम ऑर्गेनाइजेशन ने पहले ही जो कोऑर्डिनेटेड रूट अनाउंस किया है, उसी हिसाब से सीजफायर के बाकी समय के लिए होर्मुज स्ट्रेट से सभी कमर्शियल जहाजों के लिए रास्ता पूरी तरह से खोल दिया गया है।''

ईरान के इस फैसले की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी सराहना की। ट्रंप ने होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोलने के लिए ईरान को धन्यवाद किया।ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर जानकारी साझा करते हुए लिखा , ''ईरान ने अभी-अभी घोषणा की है कि ईरान का स्ट्रेट पूरी तरह से खुल गया है और पूरी तरह से आने-जाने के लिए तैयार है। धन्यवाद।''

इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संघर्ष विराम (सीजफायर) को आगे बढ़ाए जाने का संकेत दिया था।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान अब समझौता होने के काफी करीब पहुंच गए हैं। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि परमाणु समझौते पर प्रगति जारी है। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ी तो संघर्ष विराम (सीजफायर) को आगे बढ़ाया जा सकता है।

ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'ईरान समझौता करना चाहता है और हम उनसे बहुत अच्छे तरीके से बातचीत कर रहे हैं। पेज नं -2

भारत और चीन के मध्य हुई द्विपक्षीय वार्ता

एससीओ ढांचे के भीतर दोनों देशों के रुख में तालमेल बिठाने पर दिया जोर

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत और चीन ने लंबी सैन्य और कूटनीतिक बातचीत के बाद (वास्तविक नियंत्रण रेखा) पर मौजूद तनाव वाले मुख्य बिंदुओं से अपने सैनिकों को पीछे हटा लिया था। सैनिकों को पीछे हटाने की यह प्रक्रिया—खास तौर पर डेपसांग और डेमचोक जैसे इलाकों में—2020 में गलवान घटना के बाद शुरू हुए सैन्य संकट के बाद पहली ठोस सफलता थी। तब से लेकर अब तक, दोनों पक्षों ने सैन्य कमांडर-स्तर की बातचीत और 'परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र' के ज़रिए अपना संवाद जारी रखा है, जिससे सीमा पर धीरे-धीरे एक हद तक स्थिरता और पूर्वानुमान की स्थिति बहाल हुई है।

भारत और चीन ने आपसी जुड़ाव को फिर से बनाने की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ाया है। दोनों देशों ने नई दिल्ली में शंघाई सहयोग संगठन जुड़े मामलों पर अपनी पहली द्विपक्षीय बातचीत की। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर लंबे समय से चले आ रहे विवाद को सुलझाने की दिशा में जारी प्रयासों के बीच, यह एक और उच्च-स्तरीय बातचीत है। भारत के एससीओ राष्ट्रीय समन्वयक, राजदूत आलोक ए. डिमरी, और उनके चीनी समकक्ष, राजदूत यान वेनबिन, के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडलों के बीच हुई दो-दिवसीय बातचीत का मुख्य ज़ोर एससीओ के ढांचे के भीतर दोनों देशों के रुख में तालमेल बिठाने पर था; लेकिन इस बातचीत का समय एक बड़े रणनीतिक बदलाव की ओर भी इशारा करता है। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है, जब पश्चिम एशिया संकट को लेकर चर्चाएँ जारी हैं। इसके अलावा, यह बात भी महत्वपूर्ण है कि पूर्वी लद्दाख में वर्षों तक चले सैन्य गतिरोध के बाद, भारत और चीन किस तरह सावधानीपूर्वक टकराव की स्थिति से हटकर, एक संतुलित सहयोग की ओर आगे बढ़ रहे हैं।

इन परामर्शों में एससीओ नेताओं के निर्णयों के कार्यान्वयन की समीक्षा की गई और सुरक्षा, व्यापार, कनेक्टिविटी तथा लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में भविष्य के सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। पेज नं -2

पंजाब : मंत्री संजीव अरोड़ा के आवास पर ईडी की छापेमारी, पार्टी ने जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का लगाया आरोप

एजेंसी ■ चंडीगढ़

पंजाब सरकार के कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के आवास पर शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी हुई, जिसको लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज है। इस बीच पंजाब आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं ने ईडी की कार्रवाई की निंदा की।

पंजाब सरकार के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'जिस भी राज्य में चुनाव होता है और जिस राज्य में विपक्षी पार्टियों की सरकार है, वहां भाजपा दूसरी पार्टी के चुने हुए नेताओं को एक-एक करके निशाना बनाती है, ताकि लोगों में डर फैल जाए। भाजपा इसके लिए ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग करती है।'

चीमा ने कहा, 'पंजाब के लोग शूरवीर हैं। यह बहादुरों की धरती है। हम भाजपा की ईडी-सीबीआई से नहीं डरेंगे। देश के लोकतंत्र को बचाने के लिए जो भी संघर्ष होगा, उसे करेंगे। भीमराव अंबेडकर ने जो संविधान बनाया था, उसे बचाने के लिए 'आप' पंजाब के तीन करोड़ लोगों के साथ मिलकर लड़ेगी। सभी को पता है कि जिस भी राज्य में चुनाव होता है, भाजपा वहां ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग करती है। जिसने भी पंजाब में गलत काम किया है, उसके ऊपर संविधान के तहत कार्रवाई होनी चाहिए। कानून से बड़ा कोई भी नहीं होता।'

'आप' नेता अनुराग ढांडा ने कहा, 'पिछले तीन दिन में 'आप' नेताओं पर यह दूसरी रेड है। आज संजीव अरोड़ा पर रेड हुआ। इससे पहले 'आप' नेताओं पर सैकड़ों रेड ईडी और सीबीआई की पड़ चुकी है। सरकार देश को यह भी बताए कि रेड से उनकी एजेंसी को कितना काला धन मिला। उन रेड में कुछ मिलना तो चाहिए। एजेंसी और उसके अधिकारियों पर खर्चा होता है। यह लोगों के टैक्स का पैसा है। भाजपा सिर्फ लोगों के टैक्स के पैसों को बर्बाद करती है। ईडी और सीबीआई का एक केस कोर्ट में नहीं मिलता।'

'आप' नेता ने कहा, 'उन्होंने खुलेआम तानाशाही करनी शुरू कर दी है। जिस भी राज्य में चुनाव होता है, वहां पर भाजपा पहले ईडी-सीबीआई को भेजती है और दूसरी पार्टियों के नेताओं पर दबाव बनाना शुरू कर देती है। पेज नं -2

दोहरी नागरिकता मामले में हाई कोर्ट ने राहुल गांधी पर एफआईआर दर्ज करने का दिया आदेश

एजेंसी ■ लखनऊ

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की कथित दोहरी (ब्रिटिश) नागरिकता से जुड़े मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने अहम आदेश जारी किया है। कोर्ट ने रायबरेली जिले के कोतवाली थाना पुलिस को राहुल गांधी के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करने का निर्देश दिया है। साथ ही उत्तर प्रदेश पुलिस को पूरे मामले की जांच करने के आदेश भी दिए गए हैं।यह आदेश न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की पीठ ने पारित किया। अदालत ने याचिका को स्वीकार करते हुए मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया है। इस मामले में याचिकाकर्ता विग्नेश शिशिर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसे 'ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण फैसला' बताते हुए कहा कि माननीय इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने उनकी याचिका को स्वीकार करते हुए रायबरेली के कोतवाली थाना को राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि यह मामला राष्ट्रीय सुरक्षा और व्यापक जनहित से जुड़ा हुआ है। विग्नेश शिशिर ने अपने पोस्ट में यह भी दावा किया कि अदालत के समक्ष प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों में कथित तौर पर ब्रिटिश नागरिकता से जुड़े तथ्यों को रखा गया। पेज नं -2

'विपक्ष को 2029 में महिलाओं का आक्रोश झेलना पड़ेगा', संविधान संशोधन बिल गिरने पर अमित शाह

नई दिल्ली। लोकसभा में शुक्रवार को संविधान का 131वां संशोधन विधेयक पारित नहीं हो सका। मतदान के दौरान बिल के पक्ष में 298 सांसदों ने वोट किया, जबकि 230 सांसदों ने इसके विरोध में मतदान किया, जिसके चलते यह विधेयक पास नहीं हो पाया। विधेयक के गिरने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई एनडीए नेताओं ने विपक्ष पर निशाना साधा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आज लोकसभा में बहुत अजीब दृश्य दिखा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए जरूरी संविधान संशोधन बिल को कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके और समाजवादी पार्टी ने पारित नहीं होने दिया।'

उन्होंने आगे कहा, 'महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने के बिल को गिरा देना, उसका उत्साह मनाना और जयनाद करना सचमुच निंदनीय और कल्पना से परे है। अब देश की महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में 33 फीसदी आरक्षण, जो उनका अधिकार था, वह नहीं मिल पाएगा। कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने यह पहली बार नहीं किया, बल्कि बार-बार किया है। उनकी यह सोच न महिलाओं के हित में है और न देश के। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि नारी शक्ति के अपमान की यह बात यहां नहीं रुकेगी, दूर तक जाएगी। विपक्ष को 'महिलाओं का आक्रोश' न सिर्फ 2029 लोकसभा चुनाव में, बल्कि हर स्तर, हर चुनाव और हर स्थान पर झेलना पड़ेगा।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने लिखा, 'आज लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक-2026 का पारित नहीं होना कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके, समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन की महिला विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। आज का दिन हमारे देश के लोकतंत्र के लिए एक काला अध्याय है। यह केवल एक बिल का गिरना नहीं है, बल्कि करोड़ों बहनों के उस भरोसे का टूटना है जो उन्होंने एक बेहतर भविष्य के लिए संजोया था। जहां एक ओर हम महिलाओं को 'शक्ति' मानकर उनके सशक्तीकरण का सपना देख रहे हैं, वहीं विपक्ष की संकीर्ण सोच ने उनकी प्रगति की राह में दीवार खड़ी कर दी। यह उनके सपनों और उनके सामर्थ्य का अपमान है।

उन्होंने आगे लिखा, 'नारी शक्ति का अपमान विपक्ष को बहुत भारी पड़ेगा! यह आक्रोश अब रुकने वाला नहीं है। 2029 के लोकसभा चुनाव से लेकर हर छोटे-बड़े चुनाव तक, देश की बहनें अपने सपनों को रौंदने वालों को कड़ा सबक सिखाएंगी। याद रखिए, शक्ति का यह क्रोध आपके राजनीतिक अंत की शुरुआत है।

ईरान संघर्ष : 2,361 भारतीय नागरिक सुरक्षित लौटे

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया संघर्ष के शुरू होने के बाद से अब तक 2,361 लोगों को सुरक्षित वापस भारत लाया जा चुका है। इनमें भारतीय छात्र, मछुआरे और तीन विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

नई दिल्ली में हुई साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि संघर्ष शुरू होने के बाद से हमने 2,361 भारतीय नागरिकों को ईरान से सुरक्षित भारत लाने में मदद की है। इनमें से 2,060 लोग आर्मेनिया के रास्ते और 301 लोग अजरबैजान के रास्ते आए। इन 2,361 लोगों में 1,041 भारतीय छात्र भी शामिल हैं, साथ ही तीन छात्र विदेशी (बांग्लादेश, श्रीलंका और गुयाना से एक-एक) हैं। ईरान और अमेरिका के बीच दो हफ्ते का सीजफायर 8 अप्रैल से लागू हुआ था। 11 अप्रैल को विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बताया था कि 312 भारतीय मछुआरों को भी ईरान से सुरक्षित भारत लाया गया और यह काम आर्मेनिया के रास्ते हुआ। उन्होंने इसके लिए आर्मेनिया सरकार का धन्यवाद भी किया। जयशंकर ने सोशल मीडि?या अकाउंट एक्स पर लिखा, '312 भारतीय मछुआरों को ईरान से आर्मेनिया के रास्ते सुरक्षित भारत लाया गया। इसके लिए आर्मेनिया सरकार और मेरे मित्र अराता मिर्ज़ोयान को धन्यवाद। आर्मेनिया ईरान में फंसे भारतीयों की निकासी में मदद कर रहा है।

आठ अप्रैल को ईरान में भारतीय दूतावास ने वहां मौजूद भारतीयों को सलाह दी थी कि वे जल्द से जल्द देश छोड़ दें और इसके लिए दूतावास के साथ संपर्क में रहें और बताए गए रास्तों का ही इस्तेमाल करें। दूतावास ने यह भी चेतावनी दी थी कि बिना संपर्क और समन्वय के किसी भी अंतरराष्ट्रीय सीमा की ओर जाने की कोशिश न करें। साथ ही, आपातकालीन संपर्क नंबर भी जारी किए गए थे।

इससे पहले 28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका ने मिलकर तेहरान और ईरान के कई अन्य शहरों पर हमले किए थे, जिनमें ईरान के तत्कालीन सुप्रीम लीडर अली खामेनेई, कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी और आम नागरिक मारे गए थे।

रिनिकी सरमा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पवन खेड़ा को नहीं दी राहत, ट्रांजिट बेल बढ़ाने की मांग खारिज

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी सरमा द्वारा दर्ज कराए गए मामले में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली। खेड़ा की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार तक उनकी ट्रांजिट बेल बढ़ाने से इनकार कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत के लिए असम के गुवाहाटी हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करनी चाहिए। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि गुवाहाटी हाईकोर्ट इस मामले की सुनवाई करते समय सुप्रीम कोर्ट की किसी भी टिप्पणी से प्रभावित न हो।

मामला असम पुलिस में दर्ज एफआईआर से जुड़ा है, जिसमें पवन खेड़ा पर मुख्यमंत्री की पत्नी पर कई पासपोर्ट रखने और विदेशी संपत्ति छिपाने का आरोप लगाने का मामला है। इस एफआईआर में धोखाधड़ी, बदनामी और आपराधिक साजिश के आरोप लगे हैं।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पवन खेड़ा की तरफ से दाखिल किए गए दस्तावेजों पर सख्त फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि तेलंगाना हाईकोर्ट में आधार कार्ड का गलत दस्तावेज पेश करके कोर्ट को गुमराह किया गया। खेड़ा के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि तेलंगाना में याचिका जल्दबाजी में दाखिल की गई थी। उन्होंने कहा कि खेड़ा की पत्नी तेलंगाना में विधायक उम्मीदवार रह चुकी हैं और उनका परिवार हैदराबाद में रहता है, इसलिए वहां याचिका दाखिल की गई।

सिंघवी ने कहा कि जब सीबीआई ने दस्तावेजों पर सवाल उठाया तो तुरंत सही दस्तावेज दाखिल कर दिए गए थे। उन्होंने मांग की कि खेड़ा को मंगलवार तक ट्रांजिट बेल दी जाए, ताकि वह असम जाकर वहां की अदालत में अग्रिम जमानत की याचिका दाखिल कर सकें।सुप्रीम कोर्ट ने इन दलीलों को नहीं माना। कोर्ट ने कहा कि गलत और बनावटी दस्तावेज पेश करके क्षेत्राधिकार बनाने की कोशिश की गई।

जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और अतुल एस. चंदूरकर की बेंच ने टिप्पणी की कि यह छोटी गलती नहीं है। कोर्ट ने कहा कि खेड़ा को असम की अदालत में ही जाना चाहिए, क्योंकि एफआईआर असम में दर्ज हुई है।असम सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि तेलंगाना हाईकोर्ट में गलत दस्तावेज देकर क्षेत्राधिकार का दावा किया गया, जो फोरम शॉपिंग है।सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना हाईकोर्ट के एक सप्ताह की ट्रांजिट अग्रिम जमानत वाले आदेश पर रोक लगा दी है।

देश में रसोई गैस की आपूर्ति सामान्य, एक दिन में 50.5 लाख से ज्यादा गैस सिलेंडर की आपूर्ति

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट संकट के बावजूद देश में रसोई गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि गुरुवार को देशभर में 50.5 लाख से अधिक घरेलू गैस सिलेंडर उपभोक्ताओं तक पहुंचाए गए।

मंत्रालय के अनुसार, मार्च से अब तक 4.68 लाख पाइप से गैस (घरेलू पाइप गैस) कनेक्शन चालू किए गए हैं और 5.23 लाख नए उपभोक्ताओं ने कनेक्शन के लिए पंजीकरण कराया है। लोगों को पाइप गैस और बिजली या इंडक्शन चूल्हों जैसे वैकल्पिक ईंधनों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्यों को भी घरेलू और व्यावसायिक उपभोक्ताओं के लिए नए पाइप गैस कनेक्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

रसोई गैस की ऑनलाइन बुकिंग अब करीब 98 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जबकि पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्राप्त सत्यापन कोड के जरिए होने वाली आपूर्ति लगभग 93 प्रतिशत हो गई है, जिससे गैस की कालाबाजारी पर रोक लगाने में मदद मिल रही है।

मंत्रालय ने कहा कि देशभर में पेट्रोलियम उत्पादों और रसोई गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। नागरिकों से अपील की गई है कि वे पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की घबराहट में खरीदारी न करें, अफवाहों से बचें और केवल आधिकारिक स्रोतों पर भरोसा करें। उपभोक्ताओं से डिजिटल माध्यमों के जरिए बुकिंग करने और वितरकों के पास जाने से बचने को भी कहा गया है।

सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। पेट्रोल और डीजल का भी पर्याप्त भंडार बनाए रखा गया है। घरेलू खपत को पूरा करने के लिए रिफाइनरियों से स्थानीय रसोई गैस उत्पादन बढ़ाया गया है।सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने निगरानी बढ़ाते हुए 255 गैस वितरकों पर जुर्माना लगाया है, जबकि 65 वितरकों की लाइसेंसशिप निलंबित की गई है।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद घरेलू रसोई गैस, पाइप गैस और वाहनों के लिए संपीड़ित प्राकृतिक गैस की 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

शेष पेज - 01

महिला आरक्षण से जुड़ा बिल 54 वोट से गिरा...

पीएम नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू समेत बीजेपी और NDA के तमाम सांसदों और नेताओं ने विपक्ष से बिल को सपोर्ट करने की अपील की।

पीएम की 3 अपील

13 अप्रैल एक कार्यक्रम में: मैं आपसे आग्रह करता हूं कि अपने स्थानीय सांसदों को पत्र लिखें और इस ऐतिहासिक संसद सत्र में हिस्सा लेते समय उनका हौसला बढ़ाएं।

16 अप्रैल लोकसभा में: 'हमें क्रेडिट नहीं चाहिए, जैसे ही पारित हो जाए तो मैं एड देकर सबको धन्यवाद देने को तैयार हूं। सामने से क्रेडिट का ब्लैंक चेक आपको दे रहा हूं।'

17 अप्रैल सोशल मीडिया में: सभी सांसद वोटिंग से पहले अपनी अंतर्रात्मा की आवाज सुनें।

शाह ने कहा- महिलाएं माफ नहीं करेंगी

17 अप्रैल लोकसभा में अमित शाह ने कहा कि इस देश की महिलाएं देख रही हैं कि उनके रास्ते का रोड़ा कौन है। यहां पर तो शोर शराबा करके बच जाओगे लेकिन माताओं -बहनों का आक्रोश बाहर पता चलेगा। जब चुनाव में वोट मांगने जाएंगे तो मातृशक्ति हिसाब मांगेगी।

भारत ने देखा, इंडिया ने हराया: राहुल गांधी ...

ऐसे में इस बिल का पारित होना संभव नहीं था।

बिल के गिरने पर 'एक्स' पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा, 'संशोधन विधेयक गिर गया। उन्होंने महिलाओं के नाम पर, संविधान को तोड़ने के लिए, असंवैधानिक तरकीब का इस्तेमाल किया। भारत ने देख लिया। इंडिया ने रोक दिया। जय संविधान।'

प्रियंका गांधी ने इसे लोकतंत्र और देश की एकता के लिए बड़ी जीत करार दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष शुरू से ही इस बिल के मौजूदा स्वरूप का विरोध कर रहा था और अंततः संसद में यह बिल पास नहीं हो सका।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने लिखा, 'तमिलनाडु ने दिल्ली को हराया! 23 अप्रैल को हम दिल्ली के घमंड को और उस घमंड को सपोर्ट करने वाले गुलामों को एक साथ हराएंगे!'

बता दें कि संविधान के अनुच्छेद 368 के उपबंधों के अनुसार, सभा की कुल सदस्य संख्या के बहुमत द्वारा और सभा के उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों के कम से कम दो तिहाई बहुमत द्वारा विधेयक पारित नहीं हुआ।

ईरान ने पूरी तरह खोला होर्मुज स्ट्रेट ...

उन्होंने यह भी जोड़ा कि ईरान अब वे कदम उठाने को तैयार है, जिनके लिए वह दो महीने पहले तैयार नहीं था।

उन्होंने साफ किया कि मुख्य उद्देश्य वही है कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर ईरान के पास परमाणु हथियार हुआ तो दुनिया के लिए बड़ा खतरा होगा।' उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी भी समझौते में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि ईरान परमाणु हथियार न बना सके।

पंजाब : मंत्री संजीव अरोड़ा के आवास पर ईडी की छापेमारी, पार्टी ने जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का लगाया आरोप...

भाजपा के पास पंजाब में 117 सीटों पर उतारने के लिए प्रत्याशी तक नहीं हैं। अगर भाजपा अत्याचार करेगी, तो लोग जवाब देंगे। भाजपा ने देश के सबसे भ्रष्टाचारी नेताओं को पार्टी में शामिल किया और उसके बाद भी उनके किसी भी नेता के यहां रेड नहीं होती।'

दोहरी नागरिकता मामले में हाई कोर्ट ने राहुल गांधी पर एफआईआर दर्ज करने का दिया आदेश...

उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया और कहा कि उनके द्वारा 'टॉप सीक्रेट फाइल्स' को अदालत के समक्ष प्रस्तुत किए जाने की अनुमति दी गई।

याचिकाकर्ता के अनुसार, उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से अदालत में यह भी आग्रह किया गया कि मामले की जांच को केंद्रीय एजेंसी को सौंपा जाए। इस पर अदालत ने जांच को सीबीआई को ट्रांसफर करने की अनुमति दे दी है।

विग्नेश शिशिर ने यह भी कहा कि इस मामले को आगे बढ़ाने के दौरान उन्हें गंभीर सुरक्षा खतरे का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय से अपील की है कि उनकी सुरक्षा को बढ़ाकर देशभर में उच्चतम स्तर तक किया जाए और सीआरपीएफ के माध्यम से पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की जाए।

उन्होंने देशवासियों, समर्थकों और 'राष्ट्रवादी भाइयों-बहनों' का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके समर्थन, आशीर्वाद और प्रार्थनाओं के बिना वह इस महत्वपूर्ण मामले को आगे नहीं बढ़ा पाते। साथ ही उन्होंने आगे की कानूनी प्रक्रिया में भी सभी के सहयोग और ईश्वर के आशीर्वाद की अपेक्षा जताई है।

भारत और चीन के मध्य हुई द्विपक्षीय वार्ता ...

अधिकारियों ने संवाद में संस्थागत निरंतरता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संयुक्त रूप से सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज से भी भेंट की। अभी की कूटनीतिक गति 2024 में पूरी हुई एक अहम 'डिसएंगेजमेंट' (सैनिकों को पीछे हटाने) प्रक्रिया पर आधारित है। इस प्रक्रिया के तहत, भारत और चीन ने लंबी सैन्य और कूटनीतिक बातचीत के बाद ्र्र (वास्तविक नियंत्रण रेखा) पर मौजूद तनाव वाले मुख्य बिंदुओं से अपने सैनिकों को पीछे हटा लिया था। सैनिकों को पीछे हटाने की यह प्रक्रिया—खास तौर पर डेपसांग और डेमचोक जैसे इलाकों में—2020 में गलवान घटना के बाद शुरू हुए सैन्य संकट के बाद पहली ठोस सफलता थी। तब से लेकर अब तक, दोनों पक्षों ने सैन्य कमांडर-स्तर की बातचीत और 'परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र' के ज़रिए अपना संवाद जारी रखा है, जिससे सीमा पर धीरे-धीरे एक हद तक स्थिरता और पूर्वानुमान की स्थिति बहाल हुई है।

हाई लेवल डिप्लोमैटिक चैनल एक्टिव

सैन्य तनाव कम करने की प्रक्रिया के साथ-साथ, उच्च-स्तरीय राजनीतिक और कूटनीतिक आदान-प्रदान भी जारी रहे हैं, जिससे इस गति को बनाए रखने में मदद मिली है। स्ट्ठ जैसे मंचों सहित, बहुपक्षीय बैठकों के दौरान वरिष्ठ नेतृत्व के बीच हुई मुलाकातों ने इस इरादे को और मज़बूत किया है कि आपसी संबंधों को स्थिर रखा जाए और मतभेदों को विवादों में बदलने न दिया जाए। हालिया द्विपक्षीय परामर्श, नई दिल्ली और बीजिंग दोनों की ओर से किया गया एक सोचा-समझा प्रयास दर्शाता है। इसका उद्देश्य मतभेदों को अलग रखते हुए, आपसी सहमति वाले क्षेत्रों—विशेष रूप से उन बहुपक्षीय मंचों पर जहाँ दोनों देशों के हित आपस में मिलते-जुलते हैं।

सूरत शहर मेट्रो के लिए तैयार, 8.5 किमी रूट पर ट्रायल रन शुरू

सूरत। अहमदाबाद के बाद अब डायमंड सिटी के नाम से प्रसिद्ध सूरत भी मेट्रो के सफर के लिए तैयार हो चुका है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और शहरी परिवहन को प्राथमिकता देते हुए पूरे प्रदेश में मेट्रो नेटवर्क का तेजी से विस्तार कर रही है। इसी कड़ी में गुजरात मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (जीएमआरसीएल) ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है।

सूरत में ड्रीम सिटी और अलथान टेनामेंट के बीच 8.5 किलोमीटर लंबे रूट पर मेट्रो ट्रेन का ट्रायल रन शुरू कर दिया गया है। यह ट्रायल रन सूरतवासियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। मेट्रो शुरू होने के बाद शहर के लोगों को ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी। उन्हें तेज, सुरक्षित, समयबद्ध और पर्यावरण-अनुकूल यात्रा का बेहतर विकल्प उपलब्ध होगा। स्थानीय निवासियों में इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह है।

राज पटेल ने कहा, 'सूरत में मेट्रो आने से दैनिक जीवन में बहुत सरलता होगी। सुबह से शाम पब्लिक ट्रांसपोर्ट के भरोसे रहने वाले लोगों को समय पर एक जगह से दूसरी जगह पहुंचने में आसानी होगी। वर्षों के इंतजार के बाद मेट्रो मिल रही है, तो प्रत्येक सूरतवासी का दिल प्रसन्न है।' रोशन चिमना ने कहा, 'सूरत में यह काम बहुत जल्दी हुआ है। इससे बड़ी गौरव की बात और क्या हो सकती है।'

गुजरात जेम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के रीजनल चेयरमैन जयंती सावलिया ने कहा, 'ट्रैफिक की समस्या काफी हद तक कम हो जाएगी। डायमंड बोर्स तक मेट्रो शुरू होने से 45 हजार लोग आसानी से आवाजाही कर सकेंगे। पूरे शहर को जोड़ने वाली यह मेट्रो बहुत ही अच्छी तरह से डिजाइन की गई है।'

परियोजना निदेशक आनंद सिंह बिष्ट ने बताया, 'कॉरिडोर-1 ड्रीम सिटी को सरथाणा से जोड़ता है जबकि कॉरिडोर-2 भेसान को सरोली से जोड़ता है। दोनों कॉरिडोर मिलकर सूरत के प्रमुख इलाकों को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेंगे।'

वर्तमान में ड्रीम सिटी और अलथान टेनामेंट के बीच 500 घंटे के ट्रायल रन का कार्य चल रहा है। इस दौरान मेट्रो की स्पीड, ब्रेकिंग सिस्टम, सिग्नलिंग और अन्य तकनीकी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। इस रूट पर 7 मेट्रो स्टेशनों का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। सुरक्षा जांच और सभी आवश्यक परीक्षण पूरे होने के बाद सूरत मेट्रो को जनता के लिए समर्पित कर दिया जाएगा।

सूरत मेट्रो का सबसे बड़ा फायदा डायमंड उद्योग को मिलने वाला है। मेट्रो के संचालन से डायमंड बोर्स तक सीधी कनेक्टिविटी स्थापित हो जाएगी। वराछा, कतारगाम, सरथाणा और आसपास के इलाकों से रोजाना 40 से 45 हजार कारीगर और व्यापारी डायमंड बोर्स तक तेज और आरामदायक यात्रा कर सकेंगे। इससे डायमंड उद्योग की उत्पादकता और रफ्तार दोनों बढ़ने की उम्मीद है। सूरत मेट्रो रेल प्रोजेक्ट दो प्रमुख कॉरिडोर पर आधारित है। पहला 'डायमंड कॉरिडोर' (कॉरिडोर-1) सरथाणा से ड्रीम सिटी तक है।

छत्तीसगढ़ के 8 कर्मचारियों की बर्खास्तगी रद्द

सरकार को फटकार- तुरंत बहाल करने के आदेश

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को एक बड़ा झटका देते हुए साइंस एंड टेक्नोलॉजी काउंसिल के 8 कर्मचारियों की बर्खास्तगी को सिरे से खारिज कर दिया है। जस्टिस बीडी गुरु की सिंगल बेंच ने साफ कहा कि किसी भी कर्मचारी को बिना सुनवाई और उचित जांच के नौकरी से निकालना न केवल गैर-कानूनी है, बल्कि यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों की अनदेखी भी है।

क्या है पूरा मामला ?

दरअसल, यह पूरा विवाद साल 2012 से शुरू हुआ था। भोजेश्वर चंद्राकर, भूपेश कुमार निषाद और अशोक गायकवाड़ समेत 8 लोगों की नियुक्ति कलेक्टर दर पर भृत्य के पद पर हुई थी। दो साल का प्रोबेशन खत्म होने के बाद जब इन्होंने नियमितीकरण की मांग की, तो अफसरों ने राहत देने के बजाय उनके वेतन में ही कटौती कर दी। मामला जब हाईकोर्ट पहुंचा, तो कोर्ट ने वेतन कटौती को गलत बताते हुए अफसरों को नियमितीकरण पर विचार करने को कहा था।

अफसरों की मनमानी पर कोर्ट की सख्त टिप्पणी

हैरानी की बात यह है कि कोर्ट के आदेश के बाद अफसरों ने प्रक्रिया सुधारने के बजाय, नियुक्ति में ही खामियां निकाल दीं और साल 2020 में इन सभी को नौकरी से बाहर कर दिया। मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने अब कड़े शब्दों में कहा कि अधिकारी यह साबित करने में नाकाम रहे कि कर्मचारियों ने धोखाधड़ी से नौकरी पाई थी। नियमित होने के बाद कर्मचारियों को संविधान के अनुच्छेद 311 (2) के तहत सुरक्षा मिलती है, जिसे नजरअंदाज किया गया। 6-7 साल की सेवा के बाद किसी को भी बिना विधिसम्मत प्रक्रिया के इस तरह असुरक्षित नहीं छोड़ा जा सकता।

वकीलों ने रखी मजबूती से दलील

कर्मचारियों की ओर से अधिवक्ता तारेंद्र कुमार झा, विनय पांडेय, रवि कुमार भगत और भास्कर झा ने पैरवी की। उन्होंने कोर्ट को बताया कि कैसे शासन ने 21 सितंबर 2020 और 17 मार्च 2021 को मनमाने आदेश जारी कर गरीब कर्मचारियों का हक छीना था। कोर्ट ने इन दोनों आदेशों को निंदनीय कहा है।

कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर परवानी व चेयरमेन बने बृजमोहन अग्रवाल

राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन, प्रदेश के 12 लाख व्यापारियों का बढ़ा सम्मान

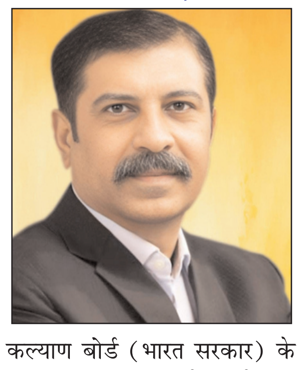

रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय बैठक में संपन्न हुआ, जिसमें देशभर के 150 से अधिक वरिष्ठ व्यापारी नेताओं की उपस्थिति रही। इस बैठक में वर्ष 2026-2028 के लिए कैट के राष्ट्रीय पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से निर्वाचन किया गया। जिसमें - बी.सी. भारतीया को पुनः राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रवीण खंडेलवाल को पुनः राष्ट्रीय महासचिव, बृजमोहन अग्रवाल को पुनः राष्ट्रीय चेयरमेन तथा अमर पारवानी को पुनः राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन निर्वाचित हुए। देश के सबसे बड़े व्यापारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेंद्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष परमानंद जैन, महामंत्री सुरिन्दर सिंह, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, राम मंधान, वासु मखीजा, भरत जैन, राकेश ओचवानी, शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि

छत्तीसगढ़ के प्रख्यात व्यापारी नेता एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी का पुनः इस महत्वपूर्ण पद पर निर्वाचित होना प्रदेश के 12 लाख व्यापारियों के लिए गर्व एवं सम्मान का विषय है। छत्तीसगढ़ इकाई ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह पूरे छत्तीसगढ़ के व्यापारिक समुदाय के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि पारवानी की कुशल नेतृत्व क्षमता, संगठन के प्रति समर्पण एवं व्यापक व्यापारिक अनुभव के कारण उन्हें पुनः यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के व्यापारियों के हितों की निरंतर सशक्त पैरवी हुई है, जिससे प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान प्राप्त हुई है।

अपने पुनर्निर्वाचन पर अमर पारवानी जी ने कहा कि 'यह उपलब्धि मैं छत्तीसगढ़ के 12 लाख व्यापारियों को समर्पित करता हूँ। यह मेरे लिए केवल सम्मान नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है कि मैं देशभर के व्यापारियों के हितों की रक्षा हेतु और अधिक समर्पण के साथ कार्य करूं।

यह नियुक्ति न केवल अमर पारवानी के लिए, बल्कि समूचे छत्तीसगढ़ के व्यापारिक समुदाय के लिए एक गौरवपूर्ण एवं ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो आने वाले समय में प्रदेश के व्यापारिक हितों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी।

लम्बित ई-चालान के वाहन स्वामियों के लिए राहत का मौका

न्यायालय में लंबित ई-चालानों का लोक अदालत में किया जाएगा निराकरण

5 मई 2026 तक नजदीकी यातायात थाना में कराना होगा

रायपुर। ऐसे ई-चालान जिसका लोगों ने भुगतान नहीं किया है और ऐसे लंबित ई-चालान कोर्ट में ट्रांसफर हो चुके है, उन ई-चालानों का निराकरण मई माह में आयोजित होने वाले लोक अदालत में किया जावेगा। अतः ऐसे लोगों के पास राहत पाने का एक मौका है कि वे लोक अदालत में फाइन पटाकर निराकरण करवा लें अन्यथा बाद में उन्हें परेशानी हो सकती है।

पुलिस उपायुक्त यातायात विकास कुमार ने निर्देश दिया कि लोक अदालत के बाद भी प्रकरण लम्बित हो तो वाहन को जप्त कर न्यायालय पेश किया जाय ।ध्यान रहे कि लोक अदालत में प्रकरण को रखने के लिए प्रकरण का रजिस्ट्रेशन कराना आवश्यक होता है। वे सभी वाहन स्वामी जिनका ई-चालान 31 दिसम्बर 2025 के पूर्व का है, ऐसे प्रकरणों को लोक अदालत में निराकरण हेतु रखा जावेगा। लंबित प्रकरण वाले वाहन स्वामियों को उनके मोबाईल नंबर में कॉल करके बताया जाएगा। व्हाट्सअप के माध्यम से नोटिस की कॉपी भी भेजा जायेगी । 31 दिसम्बर 2025 के पूर्व के ई-चालान जारी हुए वाहन स्वामी अपने प्रकरण को लोक अदालत में रजिस्ट्रेशन कराने के लिए अपने क्षेत्र के नजदीकी निम्नानुसार 09 यातायात थाना में जाकर रजिस्ट्रेशन करा सकते है।*ध्यान रहे कि यातायात थाना में रजिस्ट्रेशन होने पर ही प्रकरण लोक अदालत में पेश होगा।

वेदांता पावर प्लांट हादसे की जांच के आदेश

बिलासपुर आयुक्त करेंगे वेदांता पावर प्लांट हादसे की जांच

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सक्ती जिले के डभरा तहसील अंतर्गत सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर लिमिटेड में हुए हादसे की जांच के आदेश जारी किए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि 14 अप्रैल 2026 को प्लांट की बॉयलर यूनिट-1 में स्टीम पाइप से जुड़े वाटर सप्लाई पाइप के ज्वाइंट में तकनीकी खराबी के कारण दुर्घटना घटित हुई। इस दुर्घटना में कई श्रमिकों की मृत्यु एवं बहुत से श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए राज्य शासन द्वारा आयुक्त, बिलासपुर संभाग को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। जांच के लिए निर्धारित बिंदुओं में घटना कब और कैसे घटित हुई, घटना के कारण एवं परिस्थितियां तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के उपाय शामिल हैं।

जारी आदेश के अनुसार जांच अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि वे 30 दिवस के भीतर जांच पूर्ण कर अपना प्रतिवेदन राज्य शासन को प्रस्तुत करें।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दुर्घटना की निष्पक्ष एवं त्वरित जांच सुनिश्चित करने तथा दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

वेदांता कांड : भूपेश बघेल के बयान पर गृहमंत्री विजय शर्मा का जवाब- एफआईआर ऑनलाइन होती है

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में हुए वेदांता पावर प्लांट हादसे ने अब सियासी रंग ले लिया है। इस भीषण दुर्घटना में 20 लोगों की मौत के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा सरकार पर एफआईआर छिपाने के आरोपों पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने करारा पलटवार किया है। विजय शर्मा ने दो-टूक कहा कि एफआईआर ऑनलाइन होती है, उन्हें लिंक बता दीजिए, तो वो देख लें।

दरअसल, पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर आरोप लगाया था कि सरकार वेदांता कंपनी के मालिकों और बड़े ठेकेदारों को बचाने के लिए एफआईआर सार्वजनिक नहीं कर रही है। इस पर पलटवार करते हुए गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा, एफआईआर ऑनलाइन होती है, उन्हें लिंक बता दीजिए तो वो खुद देख लें।

पुलिस अपना काम कर रही है और यह एक बहुत बड़ी दुर्घटना है, जिसमें दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। बता दें कि इस मामले में वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल समेत 19 लोगों पर लापरवाही का मामला दर्ज किया गया है। गौरतलब है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर बोलते हुए डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि देश की आधी आबादी को 33% आरक्षण देना एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने विरोधियों को घेरते हुए कहा कि जो इसके खिलाफ हैं, वे देश की मातृशक्ति को जवाब दें।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभूतियो का हुआ सम्मान

रायपुर। रोटरी क्लब ऑफ रायपुर ग्रेटर द्वारा को 'व्यावसायिक पुरस्कार समारोह' का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिष्ठित नागरिकों को सम्मानित करना और राज्य व देश के विकास में उनके योगदान को मंच पर साझा करना था।

इस गरिमामयी कार्यक्रम में राज्य के प्रथम पुलिस महानिरीक्षक डॉ. संजीव शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं, निर्वाचित जिला गवर्नर भानु प्रताप सिंह ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। समारोह में समाज के पांच विभिन्न क्षेत्रों के दिग्गजों को सम्मानित किया गया । ग्रुप कैप्टन सतीश मिश्रा (रक्षा सेवाएं) डॉ. शिरीष चंद्र मिश्रा (राज्य सूचना आयुक्त एवं पत्रकार) राम नारायण व्यास (अधिवक्ता) डॉ. अनिकेत ठोके (कैंसर विशेषज्ञ) सुश्री कस्तूरी बल्लाल (पशु संरक्षक) मानवीय सेवाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए, रोटरी क्लब ऑफ रायपुर ग्रेटर ने चरामेति फाउंडेशन के सहयोग से एक अल्प लागत एम्बुलेंस सेवा की शुरुआत की। यह सेवा जरूरतमंद लोगों के लिए स्थानीय स्तर पर मात्र 351 में उपलब्ध क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन रितेश जिंदल, सचिव रोटेरियन प्रकाश अग्रवाल और कार्यक्रम अध्यक्ष रोटेरियन संदीप बिहानी ने उपस्थिति के लिए , रोट्रैक्टर्स और इंटरैक्टर्स का आभार व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़ में 9,000 से अधिक लोगों ने घर बैठे पूरी की स्व-गणना प्रक्रिया

पहली बार कागजरहित और पूर्ण डिजिटल माध्यम से संकलित हो रहा है राष्ट्रीय डेटा

रायपुर। छत्तीसगढ़ मे शुरू हुई भारत की जनगणना 2027' के प्रथम चरण का आगाज़ बहुत सुगम हुआ। राज्य में शुरू हुई इस पूर्णतः डिजिटल जनगणना को लेकर नागरिकों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। आधिकारिक पोर्टल https://se.census.gov.in/ के सक्रिय होते ही प्रदेश भर से पंजीकरण का सिलसिला शुरू हो गया है। जनगणना संचालन निदेशालय, छत्तीसगढ़ के द्वारा मिले आंकड़ों के अनुसार, लगभग 13,400 व्यक्तियों ने पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराया है, जिनमें से 9,002 नागरिक अपनी स्व-गणना की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण कर चुके हैं। भारत सरकार के रजिस्ट्रार जनरल एवं जनगणना आयुक्त के मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान का उद्देश्य आगामी दशक के लिए सटीक सामाजिक-आर्थिक नीतियों हेतु एक विश्वसनीय डिजिटल डेटा आधार तैयार करना है। इस चरण में 'स्व-गणना' के विकल्प ने नागरिकों को सशक्त बनाया है, जिससे वे बिना किसी बाहरी हस्तक्षेप के अपने परिवार का विवरण स्वयं दर्ज कर पा रहे हैं।

डिजिटल जनगणना की इस प्रक्रिया को अत्यंत सरल और सुरक्षित बनाया गया है। नागरिकों को पोर्टल पर अपना मोबाइल नंबर दर्ज कर 'वन टाइम पासवर्ड' आधारित प्रमाणीकरण करना होता है। इसके उपरांत, परिवार के मुखिया द्वारा आवास की स्थिति, पेयजल के स्रोत, ऊर्जा के साधन और परिवार के सदस्यों के व्यक्तिगत विवरण जैसे—नाम, आयु, लिंग, वैवाहिक स्थिति, शिक्षा और व्यवसाय की जानकारी दर्ज की जा रही है। प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद नागरिकों को एक डिजिटल संदर्भ संख्या प्राप्त हो रही है। यह संख्या भविष्य में सत्यापन के समय प्रगणकों को दिखानी होगी, जिससे डेटा मिलान का कार्य त्वरित और त्रुटिहीन होगा। छत्तीसगढ़ के 33 जिलों और 19,978 ग्रामों में इस महाअभियान को सफल बनाने के लिए राज्य सरकार ने 62,500 अधिकारियों एवं कर्मचारियों की विशाल टीम तैनात की है। इसमें 51,300 प्रगणक और 9,000 पर्यवेक्षक शामिल हैं, जो डिजिटल उपकरणों के माध्यम से डेटा सत्यापन का कार्य कर रहे हैं। तकनीकी सहायता के लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन संख्या 1855 भी सक्रिय है, जो नागरिकों के संशयों का निराकरण कर रही है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि जनगणना के दौरान संकलित किया गया समस्त व्यक्तिगत डेटा जनगणना अधिनियम, 1948 के कड़े प्रावधानों के तहत पूर्णतः गोपनीय है। इस जानकारी का उपयोग केवल सांख्यिकीय विश्लेषण और विकास योजनाओं के निर्माण के लिए किया जाएगा।

इन्फ्लुएंसर बाबू खेमानी समेत 7 गैंगस्टर से गिरफ्तार

रायपुर। पुलिस ने ऑनलाइन सट्टे के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा अभियान सिंडिकेट के मास्टरमाइंड बाबू खेमानी को मुंबई से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट ने मुंबई और गोवा में एक साथ मिलकर कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस पूरे सिंडिकेट से अब तक 2 करोड़ 96 लाख से ज्यादा का मशरुका जब्त किया जा चुका है।

मुंबई से गोआ तक एक्शन

रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव कुमार शुक्ला के निर्देश पर दो राज्यों में एक साथ कार्रवाई की गई। यहां से मास्टरमाइंड बाबू खेमानी के साथ उनके मुख्य सहयोगी रोहित सिंह और विशाल कश्यप को पकड़ा गया।

इनके पास से एक बीएमडब्ल्यू कार, लैपटॉप और मोबाइल जब्त किए गए है। यहां बाबू खेमानी का 'ऑनलाइन पैनल' चल रहा था। पुलिस ने बदमासों से 4 मोबाइल फोन जब्त किया है। और सट्टे का पूरा मोबाइल (लैपटॉप, 14 मोबाइल, लैपटॉप) बरामद किया।

इन्फ्लूएंजार से 'सट्टा किंग' बनने का सफर

पूछताछ में बाबू खामानी एक नामी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंजर था।

महाकोशल परशुराम राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी 2026 का उद्घाटन आज

श्रीमती तारा देवी शर्मा स्मृति कला उत्सव के अंतर्गत आयोजन

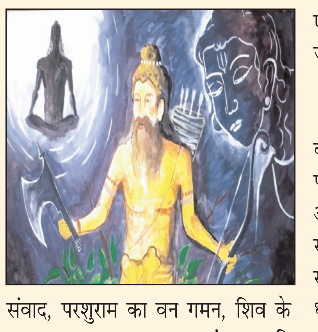

रायपुर। महाकोशल कला परिषद, रायपुर द्वारा महाकोशल परशुराम राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी - 2026 का उद्घाटन महाकोशल कला वीथिका, रायपुर में शनिवार को गोधुली बेला संध्या 6:00 बजे श्रीमती तारा देवी शर्मा कला उत्सव के आयोजन के रूप में उद्घाटित होगा।

इस आयोजन में हिंदुस्तान के वरिष्ठ कलाकार, महिला रचनाकार एवं युवा व बाल कलाकारों की रचनाएं भगवान परशुराम के जीवन चरित्र को परिभाषित करती विषय के अंतर्गत माता के साथ परशुराम का वात्सल्य, भगवान गणेश और परशुराम का युद्ध की जीवंत प्रस्तुति, राम-सीता विवाह में लक्ष्मण-परशुराम संवाद, परशुराम का वन गमन, शिव के धनुष पर राम व परशुराम संवाद आदि विषयों पर चुनिंदा रचनाएं प्रदर्शित की जा रही हैं।

उद्घाटन

महाकोशल परशुराम राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी - 2026 का उद्घाटन मुख्य अतिथि वरिष्ठ कलाकार प्रहलाद मिश्र एवं नरेश शर्मा, संजय शर्मा के द्वारा किया जाएगा।

विषय-वस्तु

भगवान परशुराम के जीवन चरित्र को परिभाषित करती— माता के साथ परशुराम का वात्सल्य, भगवान गणेश और परशुराम का युद्ध की जीवंत प्रस्तुति, राम-सीता विवाह में लक्ष्मण-परशुराम संवाद, परशुराम का वन गमन, शिव के धनुष पर राम व परशुराम संवाद, एकदंत गणेश व परशुराम युद्ध का परिणाम, परशुराम द्वारा पृथ्वी को क्षत्रिय-विहीन करना, परशुराम का सत्संग करते मुनिजन, भगवान शंकर द्वारा परशुराम को अपना फरसा प्रदान करना प्रसंग आदि विषयों पर चुनिंदा रचनाएं प्रदर्शित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने बुजुर्गों के साथ कैरम खेलकर वरिष्ठजनों का बढ़ाया हौंसला

वरिष्ठ नागरिकों के लिए डे-केयर सुविधा से सुसज्जित केंद्र

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर में वरिष्ठ नागरिकों के लिए विकसित अत्याधुनिक डे-केयर केंद्र 'सियान गुड़ी' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने बुजुर्गों के साथ कैरम खेलकर उनका उत्साह बढ़ाया और आत्मीय संवाद स्थापित किया। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर वरिष्ठजन अत्यंत प्रसन्न नजर आए तथा उन्होंने राज्य सरकार द्वारा विकसित 'सियान गुड़ी' के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर बुजुर्गों को फूड बास्केट वितरित किए तथा धार्मिक पुस्तक, शॉल एवं श्रीफल भेंटकर उनका सम्मान किया। उन्होंने समाज में वरिष्ठजनों के सम्मान और उनकी देखभाल के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ अपनी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और पारिवारिक मूल्यों के लिए जाना जाता है, लेकिन वर्तमान में समाज तेजी से बदल रहा है। एकल परिवार की बढ़ती प्रवृत्ति, रोजगार के लिए युवाओं का पलायन और व्यस्त जीवनशैली के कारण अनेक बुजुर्ग दिन के समय अकेलेपन और उपेक्षा का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अकेलापन केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इन्हीं चुनौतियों के समाधान के लिए 'डे-केयर सेंटर - सियान गुड़ी' की परिकल्पना की गई है। यह भवन वरिष्ठ नागरिकों के लिए सम्मान, आत्मीयता और सक्रियता का एक सशक्त केंद्र बनेगा, जहां वे सुरक्षित वातावरण में दिन व्यतीत कर नई ऊर्जा और उत्साह प्राप्त कर सकेंगे।

'ऑपरेशन सिंदूर' से मिले सबक : ड्रोन और काउंटर ड्रोन प्रणालियों पर फोकस

नई दिल्ली। भारतीय सेना लगातार आधुनिकीकरण की ओर बढ़ रही है। खासतौर पर आधुनिक युद्धों की तकनीक व तौर तरीकों पर काम किया जा रहा है। यही कारण है कि युद्धक ड्रोन व मानवरहित हवाई प्रणालियां लगातार भारतीय सेना में शामिल की जा रही हैं।

भारतीय सेना के मुताबिक, 'ऑपरेशन सिंदूर' से मिले सबक और वैश्विक स्तर पर मौजूदा परिचालन स्थितियों को ध्यान में रखते हुए मानवरहित हवाई प्रणालियों (यूएएस) और काउंटर मानव रहित हवाई प्रणालियों (सी-यूएएस) के उपयोग व परिचालन क्षमता पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

नई दिल्ली में सम्पन्न हुए आर्मी कमांडर्स कांफ्रेंस के दौरान वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व ने इस पर चर्चा की। द्विवार्षिक आर्मी कमांडर्स कांफ्रेंस (एसीसी) 13 से 16 अप्रैल तक आयोजित किया गया था। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मेलन में शीर्ष सैन्य नेतृत्व ने भाग लिया। कैबिनेट सचिव, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, रक्षा सचिव और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड (एनएसबीए) अध्यक्ष के अलावा नौसेना प्रमुख सहित सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने कमांडर्स को संबोधित किया।

वहीं भारतीय सेना ने 'भविष्य के लिए तैयार बल' के रूप में विकसित होने की परिकल्पना के अनुरूप वर्ष 2026 को नेटवर्किंग और डेटा केंद्रितता का वर्ष घोषित किया है। इस सम्मेलन में सेना के आधुनिकीकरण व युद्ध अभियानों में प्रौद्योगिकी के समावेश पर मंथन किया गया। सेना की सैद्धांतिक और प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं के साथ-साथ ऑपरेशनल तत्परता बढ़ाने पर भी विचार किया गया। इसके अलावा उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए नेटवर्किंग और डेटा केंद्रितता से संबंधित कई मुद्दों पर कमांडर्स के साथ चर्चा की गई।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य और उभरते वैश्विक, क्षेत्रीय और आंतरिक सुरक्षा संबंधी पहलुओं पर इस सम्मेलन में बात की गई। वैश्विक संघर्षों से प्राप्त सबकों का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए, वक्ताओं ने देश की रणनीतिक और सुरक्षा हितों की गारंटीकृत सुरक्षा के लिए कठोर शक्ति की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने अंतर-मंत्रालयी समन्वय, नागरिक और सैन्य संस्थानों के बीच बेहतर तालमेल और जटिल सुरक्षा चुनौतियों के समन्वित राष्ट्रीय समाधान के लिए राष्ट्रव्यापी दृष्टिकोण पर जोर दिया। चर्चा के दौरान यह बात सामने आई कि वर्तमान आपूर्ति श्रृंखला संकट को देखते हुए रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को मजबूत करने और दीर्घकालिक रणनीतिक लचीलापन सुनिश्चित करने के लिए स्वदेशी उत्पादन क्षमताओं को बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता है।

चोट के कारण उबर कप से बाहर ट्रीसा-गायत्री, श्रुति-प्रिया को मिली जगह

नई दिल्ली। थॉमस और उबर कप फाइनल से पहले भारत को झटका लगा है। महिला डबल्स की जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने ट्रीसा की चोट के कारण इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है।

हालांकि, बैडमिंटन फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएआई) ने टीम में उनकी जगह श्रुति मिश्रा और प्रिया कोंजेंगबम को शामिल किया है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 24 अप्रैल से 3 मई तक डेनमार्क के हॉर्सेंस में आयोजित किया जाएगा। यह थॉमस कप का 34वां संस्करण होगा, जबकि उबर कप अपने 31वें संस्करण के साथ वापसी कर रहा है।

बीएआई ने एक बयान में कहा, 'ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद, ट्रीसा की चोट के कारण थॉमस और उबर कप फाइनल 2026 में हिस्सा नहीं लेंगी। श्रुति मिश्रा और प्रिया कोंजेंगबम ने भारतीय महिला टीम में इस जोड़ी की जगह ली है।'ट्रीसा-गायत्री की जोड़ी ने इस महीने की शुरुआत में बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप से भी अपना नाम वापस ले लिया था। पिछले महीने अपने शुरुआती दौर के महिला डबल्स मैच के दौरान ट्रीसा को लगी चोट के बाद उन्होंने स्विस ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट से भी अपना नाम वापस ले लिया था। ट्रीसा और गायत्री शुरुआती गेम में चीनी ताइपे की हू लिंग फैंग और झेंग यू चीह के खिलाफ 7-13 से पीछे चल रही थीं, जब उन्हें मैच से हटना पड़ा था।

इस बीच, उबर कप टीम में अलग-अलग दौर की खिलाड़ियों का मिश्रण है; दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु उभरती हुई पीढ़ी का नेतृत्व कर रही हैं, जिसमें होनहार खिलाड़ी उन्नति हुड्डा भी शामिल हैं। भारतीय महिला टीम को थोड़ा मुश्किल ड्रॉ मिला है, क्योंकि उन्हें यूरोपीय टीम चैंपियनशिप की उपविजेता डेनमार्क, कांस्य पदक विजेता यूक्रेन और मौजूदा चैंपियन चीन के साथ एक ही ग्रुप में रखा गया है। 2024 में चेंगदू में आयोजित थॉमस और उबर कप के पिछले संस्करण में 2014 और 2016 संस्करण में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय महिला टीम क्वार्टर फाइनल में जापान से हारकर बाहर हो गई थी।

पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का नोटिफिकेशन जारी, 8 मई को घोषित होंगे 10वीं के नतीजे

कोलकाता । पश्चिम बंगाल बोर्ड की 10वीं कक्षा की परीक्षा में शामिल हुए जो छात्र बेसब्री से परिणाम घोषित होने का इंतजार कर रहे हैं, उनके लिए अच्छी खबर है। पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (डब्ल्यूबीबीएसई) ने शुक्रवार को अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर 10वीं (माध्यमिक परीक्षा) के बोर्ड परीक्षा 2026 परिणामों की तारीख के संबंध में एक ऑफिशियल नोटिफिकेशन जारी किया है। डब्ल्यूबीबीएसई की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक, पश्चिम बंगाल बोर्ड से 10वीं की परीक्षा देने वाले छात्रों का परिणाम 8 मई को आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किया गया है। इसी के संबंध में डब्ल्यूबीबीएसई ने नोटिफिकेशन जारी कर लिखा, 'पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यह घोषणा करते हुए प्रसन्न है कि माध्यमिक परीक्षा (सेकेंडरी परीक्षा), 2026 के परिणाम 8 मई, 2026 (शुक्रवार) को प्रकाशित किए जाएंगे। इसी के साथ ही बोर्ड ने छात्रों को बताया कि उन्हें रिजल्ट जारी होने से जुड़ी आगे की जानकारी समय रहते दी जाएगी।

बोर्ड ने सभी परीक्षार्थियों को सलाह दी है कि डब्ल्यूबीबीएसई 10वीं बोर्ड परिणाम देखने और संबंधित निर्देशों के लिए बोर्ड के आधिकारिक संदेशों से ही संपर्क में रहें। बोर्ड ने आगे लिखा, 'यह प्रेस विज्ञप्ति छात्रों और विद्यालयों के हित में जारी की जा रही है ताकि सूचना का समय पर प्रसार सुनिश्चित हो सके। और परिणाम घोषित होने के दिन ही संबंधित विद्यालयों द्वारा परिणाम वितरित किए जा सकें। पश्चिम बंगाल बोर्ड की ओर से परिणाम जारी करने के बाद छात्र आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना रोल नंबर और जन्मतिथि डालकर रिजल्ट देख सकेंगे।

चंबल अभयारण्य क्षेत्र में रेत खनन रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने दिए निर्देश, राज्य सरकारों को दी चेतावनी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य क्षेत्र में हो रही गैर-कानूनी रेत खनन की घटनाओं पर सख्त रुख अपनाते हुए राज्य सरकारों को तुरंत पालन करने वाले निर्देश जारी किए हैं। कोर्ट ने कहा कि इस संवेदनशील क्षेत्र में अवैध रेत माइनिंग को पूरी तरह रोकने के लिए प्रभावी निगरानी व्यवस्था स्थापित की जाए।

कोर्ट की मुख्य चिंता इस क्षेत्र के नाजुक पर्यावरण और लुप्तप्राय प्रजातियों जैसे घड़ियाल तथा डॉल्फिन की सुरक्षा को लेकर है। अवैध खनन न केवल वन्यजीवों के आवास को नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि वनकर्मियों की जान को भी खतरे में डाल रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिया कि राज्य सरकारें इस क्षेत्र में अवैध रेत खनन के लिए इस्तेमाल होने वाले सभी प्रमुख रास्तों पर वाई-फाई से लैस उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाएं। इन कैमरों की लाइव फीड की निगरानी संबंधित जिले के पुलिस अधीक्षक या वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और वन विभाग के अधिकारियों द्वारा की जाएगी।

अगर किसी भी जगह अवैध खनन की गतिविधि नजर आती है, तो संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी कि वे तुरंत टीम भेजकर कार्रवाई करें और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाएं। कोर्ट ने यह भी कहा कि अधिकारियों को इस बात की विस्तृत जांच करनी होगी कि सभी जरूरी जगहों पर कैमरे ठीक से लगाए गए हैं या नहीं। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट ने पायलट आधार पर यह व्यवस्था शुरू करने को कहा है कि रेत खनन में इस्तेमाल होने वाली भारी मशीनों और वाहनों में जीपीएस ट्रैकिंग डिवाइस लगाई जाए। इससे इन वाहनों की रियल-टाइम लोकेशन पर नजर रखी जा सकेगी और अवैध गतिविधियों को आसानी से ट्रेस किया जा सकेगा।

कोर्ट ने राज्य सरकारों को चेतावनी दी कि अगर इन निर्देशों का पालन नहीं किया गया तो लापरवाही पर अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो सकती है।

बंगाल चुनावः मतगणना केंद्रों की संख्या घटाकर 87 की गई

कोलकाता । भारत निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को बताया कि इस महीने के अंत में पश्चिम बंगाल में होने वाले दो चरणों के चुनाव के लिए मतगणना केंद्रों की संख्या घटाकर 87 कर दी गई है। 2016 के विधानसभा चुनाव में 90 केंद्र थे, जिन्हें 2021 में बढ़ाकर 108 कर दिया गया था। इस बार जारी नई अधिसूचना के अनुसार इनकी संख्या कम कर दी गई है।

इन 87 मतगणना केंद्रों में सबसे ज्यादा 12 केंद्र दक्षिण 24 परगना में होंगे। इसके बाद उत्तर 24 परगना में 8 और हुगली में 6 केंद्र बनाए जाएंगे। वहीं सबसे कम केंद्र कलिम्पोंग, अलीपुरद्वार और झाड़ग्राम में होंगे, जहां एक-एक केंद्र ही होगा।

राज्य में मतदान दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को होगा, जबकि वोटों की गिनती 4 मई को की जाएगी और उसी दिन नतीजे घोषित होंगे।

आयोग ने यह भी जानकारी दी कि मंगलवार रात 9 बजे तक कुल 18,38,572 अनधिकृत प्रचार सामग्री हटाई गई है। इनमें से 15,80,892 मामले सार्वजनिक संपत्तियों से जुड़े थे, जबकि 2,25,170 मामले निजी संपत्तियों से संबंधित थे। आयोग के अनुसार, अनधिकृत राजनीतिक विज्ञापनों को हटाने के लिए बड़े स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, सभी जिलों में सार्वजनिक और निजी दोनों तरह की संपत्तियों से ऐसी सामग्री बड़े पैमाने पर हटाई जा चुकी है। जिला चुनाव अधिकारियों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों में सार्वजनिक संपत्तियों से अनधिकृत प्रचार हटाने की पुष्टि की है।

भारत निर्वाचन आयोग के एक और प्रेस नोट के अनुसार, पश्चिम बंगाल में अब तक इस अभियान के तहत जब्त की गई चीजों की कुल कीमत 427 करोड़ रुपए पहुंच गई है। इसमें 21 करोड़ रुपए कैश, 81 करोड़ रुपए की शराब, 100 करोड़ रुपए के ड्रग्स और अन्य नशीले पदार्थ, 54 करोड़ रुपए की कीमती धातुएं और 172 करोड़ रुपए की मुफ्त बांटी जाने वाली चीज़ें व अन्य सामान शामिल हैं।

कमीशन ने बताया कि इन जब्तियों का श्रेय अभियान में तैनात 2,728 फ्लाइंग स्क्वाड टीमों (एफएसटीह्य) और 3,142 स्टैटिक सर्विलांस टीमों को जाता है, जो लगातार निगरानी और कार्रवाई कर रही हैं।

शनचो-21 मिशन : चीनी अंतरिक्ष यात्रियों की सफल स्पेसवॉक, नया रिकॉर्ड कायम

बीजिंग । शनचो-21 मिशन के तीन अंतरिक्ष यात्री चांग लू, वू फेई और चांग होंगचांग ने शुक्रवार सुबह 01:36 बजे (पेइचिंग समयानुसार) करीब साढ़े पांच घंटे की स्पेसवॉक सफलतापूर्वक पूरी की।

अंतरिक्ष स्टेशन के रोबोटिक आर्म और जमीनी वैज्ञानिकों के सहयोग से उन्होंने अंतरिक्ष मलबे से बचाव के उपकरण स्थापित किए और बाहरी उपकरणों का निरीक्षण जैसे महत्वपूर्ण कार्य पूरे किए। स्पेसवॉक करने वाले चांग लू और वू फेई सुरक्षित रूप से वेनथ्येन प्रयोगशाला मॉड्यूल में लौट आए।

इस मिशन के साथ ही चांग लू अब तक कुल सात स्पेसवॉक कर चुके हैं, जो किसी भी चीनी अंतरिक्ष यात्री द्वारा सबसे अधिक व्यक्तिगत स्पेसवॉक का नया रिकॉर्ड है।

चीन मानवयुक्त अंतरिक्ष इंजीनियरिंग कार्यालय के अनुसार, 16 मार्च को दूसरी स्पेसवॉक के बाद से चालक दल अंतरिक्ष जीवन विज्ञान, मानव शरीर से जुड़े अनुसंधान और सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण भौतिकी जैसे क्षेत्रों में प्रयोग कर रहा है। इसके अलावा, पर्यावरण निगरानी, उपकरणों का रखरखाव और आपातकालीन अभ्यास भी नियमित रूप से किए गए हैं।

जानकारी के मुताबिक, तीनों अंतरिक्ष यात्री अब पांच महीने से अधिक समय से अंतरिक्ष स्टेशन पर हैं और उनके कार्य व जीवन की स्थिति सामान्य और संतुलित बनी हुई है। दीर्घकालिक अंतरिक्ष प्रवास तकनीक की और पुष्टि करने तथा आपातकालीन प्रक्षेपण क्षमताओं का बेहतर उपयोग करने के लिए उनके मिशन को लगभग एक महीने बढ़ाने की योजना है। आने वाले समय में वे अंतरिक्ष में 24 अप्रैल को चीनी अंतरिक्ष दिवस और 1 मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस भी मनाएंगे।

अमेरिका ने वीजा प्रतिबंध नीति को आगे बढ़ाया, 26 लोगों के वीजा पर लगाई रोक

वाशिंगटन । अमेरिका ने वीजा प्रतिबंध नीति को आगे बढ़ा दिया है। अमेरिकी राज्य डिपार्टमेंट ने घोषणा की है कि वह पश्चिमी क्षेत्र में अपनी वीजा प्रतिबंध नीति को बढ़ा रहा है और 26 लोगों पर रोक लगाई है। राज्य विभाग ने एक बयान में कहा कि यह नीति उन लोगों को टारगेट करती है जो अमेरिका के दुश्मनों की तरफ से अमेरिकी हितों को कमजोर करने के लिए काम कर रहे हैं।

राज्य विभाग की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रेटेजी साफ करती है: यह सरकार दुश्मन ताकतों को जरूरी संपत्तियों पर मालिकाना हक या कंट्रोल करने या हमारे इलाके में अमेरिकी सुरक्षा और खुशहाली को खतरा पहुंचाने की काबिलियत से दूर रखेगा। राज्य विभाग देश में अमेरिकी लीडरशिप को आगे बढ़ाने, हमारे देश की रक्षा करने और हमारे पूरे इलाके में जरूरी रास्तों और इलाकों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा है। अमेरिकी राज्य विभाग ने मौजूदा वीजा प्रतिबंध नीति में एक बड़े बदलाव का ऐलान किया। राज्य विभाग ने कहा, 'यह बढ़ी हुई नीति हमें अपने इलाके के उन देशों के नागरिकों के लिए अमेरिकी वीजा पर रोक लगाने में मदद करती है, जो पश्चिमी गोलार्ध के देशों में रहते हुए और जानबूझकर दुश्मन देशों, उनके एजेंटों या कंपनियों की तरफ से काम करते हुए, ऐसी गतिविधियों में शामिल होते हैं, मंजूरी देते हैं, उनकी फंडिंग करते हैं, उन्हें बड़ा समर्थन देते हैं, जो अमेरिका के हितों के खिलाफ हैं और उन्हें कमजोर करती हैं। ये लोग और उनके करीबी परिवार के सदस्य आम तौर पर अमेरिका में एंट्री के योग्य नहीं होंगे। अमेरिकी राज्य विभाग ने बताया कि इन गतिविधियों में जरूरी संपत्ति और रणनीतिक संसाधन हासिल करने या कंट्रोल करने में दुश्मन ताकतों की मदद करना; क्षेत्रीय सुरक्षा की कोशिशों को अस्थिर करना; अमेरिकी आर्थिक हितों को कमजोर करना और हमारे इलाके के देशों की संप्रभुता और स्थिरता को कमजोर करने के लिए डिजाइन किए गए प्रभावी ऑपरेशन चलाना शामिल हैं।

टॉम बैंटन आईपीएल 2026 से बाहर, कॉनर एस्टरहुइजेन हुए गुजरात टाइटंस में शामिल

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के बीच गुजरात टाइटंस (जीटी) को बड़ा झटका लगा है। टीम के बल्लेबाज टॉम बैंटन इंजरी की वजह से इस सीजन के बचे हुए मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। बैंटन की जगह पर जीटी ने साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर-बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजेन को टीम में शामिल किया है।

टॉम बैंटन उंगली की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हुए हैं। आईपीएल 2026 के ऑक्शन में गुजरात टाइटंस ने बैंटन को 2 करोड़ की बोली लगाते हुए टीम से जोड़ा था। हालांकि, उन्हें इस सीजन में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। विकेटकीपर-बल्लेबाज एस्टरहुइजन ने हाल ही में पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मुकाबलों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज में साउथ अफ्रीका के लिए अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया। एस्टरहुइजन का प्रदर्शन बल्ले से शानदार रहा था और उन्होंने 5 पारियों में 145 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 200 रन बनाए थे।

एस्टरहुइजन दो मुकाबलों में मैन ऑफ द मैच भी रहे थे। उन्होंने सीरीज में 2-1 से पिछड़ने के बाद साउथ अफ्रीका की शानदार वापसी कराई थी और आखिर में टीम सीरीज को 3-2 से अपने नाम करने में सफल रही थी। 24 वर्षीय बल्लेबाज एस्टरहुइजन पहली बार आईपीएल में खेलते हुए नजर आएंगे। उन्हें गुजरात टाइटंस ने 75 लाख के बेस प्राइस में टीम से जोड़ा है।गुजरात टाइटंस का प्रदर्शन आईपीएल 2026 में अब तक मिलाजुला रहा है। शुभमन गिल की कप्तानी में टीम ने 4 मुकाबले खेले हैं, जिसमें से जीटी को 2 मैच में जीत मिली है। वहीं, 2 मुकाबलों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। हालांकि, लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ खेले गए पिछले मुकाबले में टीम का प्रदर्शन शानदार रहा था। गुजरात टाइटंस ने एलएसजी को 7 विकेट से हराया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए एलएसीज ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 164 रन लगाए थे।

संपादकीय

परिसीमन 2026 से क्यों चिंतित हैं दक्षिण भारतीय राज्य?

महेन्द्र तिवारी

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में वर्ष 2026 एक निर्णायक मोड़ के रूप में अंकित होने जा रहा है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 82 के प्रावधानों के अंतर्गत निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण की प्रक्रिया जिसे परिसीमन कहा जाता है वह अब एक राष्ट्रीय विमर्श का विषय बन चुकी है। यह प्रक्रिया केवल भौगोलिक सीमाओं के अंकन तक सीमित नहीं है अपितु यह भारतीय संघवाद की आत्मा और लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के मूल सिद्धांतों को प्रभावित करने वाली है। वर्तमान परिसीमन विधेयक 2026 ने देश के राजनीतिक मानचित्र को पुन: परिभाषित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। इस विधेयक के केंद्र में जनसंख्या के आधार पर सीटों का पुनर्वितरण है। पिछले कई दशकों से भारत में लोकसभा की सीटों की संख्या 543 पर स्थिर रही है जिसका आधार 1971 की जनगणना थी। उस समय की जनसंख्या और वर्तमान समय की जनसंख्या के बीच का अंतराल इतना विशाल हो चुका है कि एक सांसद के लिए अपनी विशाल जनता का प्रभावी प्रतिनिधित्व करना कठिन हो गया है। इसी समस्या के समाधान हेतु नए विधेयक में निचले सदन की सीटों की संख्या को बढ़ाकर लगभग 850 करने का प्रस्ताव है। यह विस्तार नए संसद भवन की क्षमता और भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए आवश्यक माना जा रहा है। परिसीमन की इस यात्रा को समझने के लिए इसके ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य पर दृष्टि डालना अनिवार्य है। भारत में 1976 में आपातकाल के दौरान संविधान के 42वें संशोधन के माध्यम से सीटों के पुनर्वितरण पर रोक लगा दी गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य उन राज्यों को सुरक्षा प्रदान करना था जिन्होंने परिवार नियोजन और जनसंख्या नियंत्रण के कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक लागू किया था। सरकार का मानना था कि यदि केवल जनसंख्या के आधार पर सीटें बढ़ाई गईं तो जनसंख्या नियंत्रण करने वाले राज्य राजनीतिक रूप से कमजोर हो जाएंगे। इस रोक को पहले वर्ष 2001 तक और फिर 84वें संशोधन द्वारा वर्ष 2026 तक के लिए बढ़ा दिया गया था। अब जबकि यह समय सीमा समाप्त हो रही है सरकार ने इस प्रक्रिया को पुन: सक्रिय करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय इसलिए भी अधिक महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि इसे महिला आरक्षण विधेयक के क्रियान्वयन से जोड़ दिया गया है। वर्ष 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम के अनुसार संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जानी हैं। हालांकि इस आरक्षण के प्रभावी होने की पूर्व शर्त परिसीमन की प्रक्रिया का पूर्ण होना है। इस प्रकार परिसीमन अब केवल जनसंख्या का गणित नहीं बल्कि लैंगिक न्याय और महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी का प्रवेश द्वार भी बन गया है। विधेयक के प्रस्तुत होते ही देश में एक वैचारिक विभाजन स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। विशेष रूप से दक्षिण भारत के राज्य जैसे तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना इस प्रक्रिया को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त कर रहे हैं। इन राज्यों का तर्क अत्यंत सुदृढ़ और तर्कसंगत है। उनका कहना है कि पिछले पांच दशकों में उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। इसके परिणामस्वरूप वहां जनसंख्या वृद्धि दर उत्तर भारत के राज्यों की तुलना में काफी कम रही है। यदि अब सीटों का आवंटन केवल जनसंख्या की संख्या के आधार पर होता है तो इन राज्यों की संसद में हिस्सेदारी वर्तमान की तुलना में कम हो जाएगी। उदाहरण के लिए वर्तमान में उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों की जनसंख्या वृद्धि दर अधिक होने के कारण उनकी सीटों में भारी वृद्धि होने की संभावना है। आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश की लोकसभा सीटें वर्तमान 80 से बढ़कर 140 से अधिक हो सकती हैं। वहीं दक्षिणी राज्यों की सीटों में भी संख्यात्मक वृद्धि तो होगी किंतु कुल संसद में उनका प्रतिशत हिस्सा घट जाएगा। यह स्थिति दक्षिण के राज्यों को यह संदेश देती है कि उनके द्वारा किए गए विकास और जनसंख्या नियंत्रण के प्रयासों का उन्हें राजनीतिक पुरस्कार मिलने के स्थान पर दंड मिल रहा है। राजनीतिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो यह विवाद सत्ता के संतुलन से जुड़ा है। उत्तर भारत के राज्यों में वर्तमान सत्ताधारी दलों की पैठ अधिक गहरी है। विपक्ष का आरोप है कि सीटों के इस नए वितरण से उन दलों को लाभ होगा जिनका आधार उच्च जनसंख्या वाले क्षेत्रों में है। इस प्रकार परिसीमन एक निष्पक्ष प्रशासनिक प्रक्रिया के स्थान पर राजनीतिक वर्चस्व स्थापित करने का उपकरण बन सकता है। हालांकि केंद्र सरकार ने इन आशंकाओं को दूर करने का प्रयास करते हुए स्पष्ट किया है कि किसी भी राज्य की वर्तमान सीटों को कम नहीं किया जाएगा। प्रस्तावित ढांचे के अनुसार यदि कुल सीटें 850 तक पहुंचती हैं तो दक्षिणी राज्यों की कुल सीटें वर्तमान 129 से बढ़कर लगभग 195 हो सकती हैं। सरकार का तर्क है कि जब हर राज्य की सीटों में वृद्धि होगी तो किसी के साथ अन्याय होने का प्रश्न ही नहीं उठता। किंतु विवाद का वास्तविक बिंदु कुल संख्या नहीं बल्कि तुलनात्मक शक्ति है। यदि उत्तर भारत की शक्ति दक्षिण के मुकाबले अधिक तेजी से बढ़ती है तो नीति निर्माण और बजटीय आवंटन में उत्तर का प्रभाव अधिक प्रबल हो जाएगा। आर्थिक मोर्चे पर भी दक्षिणी राज्यों के अपने तर्क हैं। ये राज्य देश के सकल घरेलू उत्पाद में बड़ा योगदान देते हैं और अधिक राजस्व केंद्र को प्रदान करते हैं।

वैश्विक तनाव के बीच भारत की सधी हुई चाल, ऑस्ट्रिया के साथ सहयोग बढ़ाकर मोदी ने किया कमाल

नीरज कुमार दुबे

भारत और ऑस्ट्रिया के बीच संबंधों को नई दिशा देने वाली एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहल के तहत ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर की भारत यात्रा ऐतिहासिक मानी जा रही है। लगभग चार दशकों के बाद किसी ऑस्ट्रियाई चांसलर का भारत आगमन न केवल द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती का संकेत है, बल्कि यह वैश्विक परिदृश्य में बदलती प्राथमिकताओं के बीच नई साझेदारी के निर्माण का भी प्रतीक है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चांसलर स्टॉकर का स्वागत करते हुए इसे विशेष अवसर बताया और इस बात पर जोर दिया कि यूरोप के बाहर अपनी पहली यात्रा के लिए भारत को चुनना ऑस्ट्रिया की भारत के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते के बाद आर्थिक और रणनीतिक सहयोग के नए अवसर सामने आए हैं।

भारत और ऑस्ट्रिया के संबंध पहले से ही अवसंरचना, नवाचार और सतत विकास के क्षेत्रों में मजबूत रहे हैं। दिल्ली मेट्रो और अटल सुरंग जैसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में ऑस्ट्रिया की तकनीकी विशेषज्ञता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसके अलावा रेलवे परियोजनाओं, रोपवे, स्वच्छ ऊर्जा और शहरी विकास जैसे क्षेत्रों में भी ऑस्ट्रियाई कंपनियों की सक्रिय भागीदारी रही है।

दोनों देशों के बीच हुए 15 करार

इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कुल पंद्रह महत्वपूर्ण समझौते और पहलें सामने आईं, जो रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार, नवाचार और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों को कवर करती हैं। इनमें सबसे प्रमुख है आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त कार्य समूह की स्थापना का प्रस्ताव, जो वैश्विक स्तर पर आतंकवाद से निपटने में रणनीतिक सहयोग को मजबूत करेगा।

रक्षा क्षेत्र में भी सहयोग को नई गति देने के लिए सैन्य मामलों में सहयोग पर एक आशय पत्र पर सहमति बनी है। इसके तहत रक्षा उद्योग, नीति संवाद, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण को बढ़ावा दिया जाएगा। यह पहल भारत और यूरोप के बीच हाल ही में हुए सुरक्षा सहयोग को भी मजबूती प्रदान करेगी।

आर्थिक संबंधों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक फास्ट ट्रैक तंत्र स्थापित करने की घोषणा की गई है, जिससे दोनों देशों की कंपनियों और निवेशकों को आने वाली समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जा सकेगा। इससे व्यापार को सुगम बनाने और निवेश को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

सांस्कृतिक और रचनात्मक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए ऑडियो विजुअल सह उत्पादन समझौता किया गया है, जिससे दोनों देशों के फिल्म उद्योग के बीच संयुक्त निर्माण और सांस्कृतिक आदान प्रदान को बढ़ावा मिलेगा। खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में भी एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ है, जिसके तहत वैज्ञानिक सहयोग, मानकों के आदान प्रदान और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया जाएगा। इससे कृषि और खाद्य उत्पादों के व्यापार को भी मजबूती मिलेगी।

इसके अलावा, दोनों देशों के बीच कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण को बढ़ावा

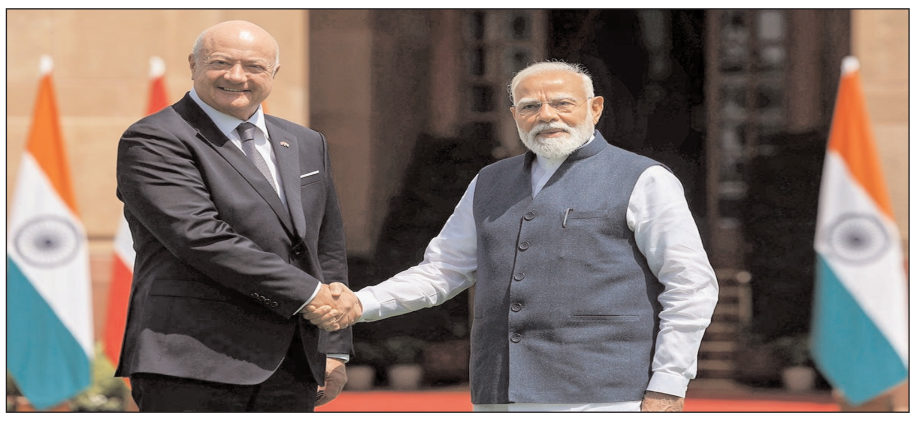

देने के लिए एक संयुक्त आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसमें प्रशिक्षुता प्रणाली, ज्ञान साझा करने और योग्यता की पारस्परिक मान्यता पर जोर दिया गया है। इसके अलावा शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए संरचित संवाद शुरू करने और तकनीकी विश्वविद्यालयों के माध्यम से भारतीय छात्रों के लिए नए अवसर उपलब्ध कराने की पहल भी की गई है।

इस यात्रा के दौरान स्टार्टअप सहयोग को बढ़ाने, साइबर सुरक्षा संवाद शुरू करने, अंतरिक्ष उद्योग में संयुक्त सेमिनार आयोजित करने और वर्किंग हॉलिडे कार्यक्रम को लागू करने जैसी घोषणाएं भी की गईं। उच्च प्रौद्योगिकी जैसे क्वांटम तकनीक, मशीन लर्निंग, जल शोधन और सामग्री विज्ञान में संयुक्त अनुसंधान को साझेदारी का मुख्य आधार बनाया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर यह भी कहा कि भारत की प्रतिभा और ऑस्ट्रिया की नवाचार क्षमता मिलकर वैश्विक स्तर पर भरोसेमंद तकनीक और आपूर्ति श्रृंखला विकसित कर सकती है। उन्होंने रक्षा, सेमीकंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी और क्वांटम क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं को रेखांकित किया। इसके अलावा, मानव संसाधन के क्षेत्र में भी दोनों देशों ने प्रगति की दिशा में कदम बढ़ाया है। वर्ष 2023 में हुए प्रवासन और गतिशीलता समझौते के तहत अब नर्सिंग क्षेत्र में भी सहयोग को विस्तार दिया जाएगा। युवा आदान प्रदान को प्रोत्साहित करने के लिए वर्किंग हॉलिडे कार्यक्रम की शुरुआत की गई है।

साथ ही वैश्विक परिदृश्य पर चर्चा करते हुए दोनों देशों ने इस बात पर सहमति जताई कि सैन्य संघर्ष किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। चाहे यूक्रेन का संकट हो या पश्चिम एशिया की स्थिति, दोनों देशों ने स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया। साथ ही वैश्विक संस्थाओं में सुधार और आतंकवाद के पूर्ण उन्मूलन की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।

हम आपको एक बार फिर बता दें कि ऑस्ट्रिया भारत के लिए एक महत्वपूर्ण यूरोपीय साझेदार है। यह मध्य और पूर्वी यूरोप में प्रवेश का एक प्रमुख द्वार है और हरित प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा तथा उन्नत इंजीनियरिंग में इसकी विशेषज्ञता भारत के विकास कार्यक्रमों के लिए उपयोगी है। दोनों देशों के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है और यह लगभग तीन अरब डॉलर के स्तर तक पहुंच चुका है।

वैश्विक परिदृश्य पर क्या असर पड़ेगा?

देखा जाये तो भारत और ऑस्ट्रिया के बीच मजबूत होते संबंधों का प्रभाव वैश्विक भू-राजनीति पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। यूरोप के मध्य में स्थित ऑस्ट्रिया, भारत के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सेतु का काम करता है, जिससे भारत को यूरोप के बाजारों, तकनीक और निवेश तक बेहतर पहुंच मिलती है। इस सहयोग से भारत की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भूमिका और अधिक मजबूत होगी, विशेषकर उच्च प्रौद्योगिकी, रक्षा और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में। इसके साथ ही, ऑस्ट्रिया का भारत के प्रति समर्थन अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्थिति को सुदृढ़ करेगा, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता जैसे मुद्दों पर। दक्षिण एशिया के संदर्भ में यह साझेदारी भारत की रणनीतिक बढ़त को और मजबूत करेगी, क्योंकि उन्नत तकनीक, रक्षा सहयोग और आर्थिक निवेश के माध्यम से भारत क्षेत्रीय नेतृत्व को और प्रभावी ढंग से स्थापित कर सकेगा। इससे न केवल भारत की सुरक्षा क्षमताएं बढ़ेंगी, बल्कि वह क्षेत्र में स्थिरता, विकास और संतुलन बनाए रखने में भी अधिक सक्षम भूमिका निभा सकेगा।

बहरहाल, ऑस्ट्रिया के चांसलर की भारत यात्रा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दोनों देशों के संबंध अब पारंपरिक सहयोग से आगे बढ़कर नवाचार केंद्रित और भविष्य उन्मुख साझेदारी की ओर अग्रसर हैं। दोनों देशों ने मिलकर एक ऐसे सहयोग मॉडल की नींव रखी है जो न केवल द्विपक्षीय हितों को साधेगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी स्थिरता और प्रगति में योगदान देगा।

म्यांमार का संक्रमण: भारत के लिए अवसर

राजदूत सरवजीत चक्रवर्ती (सेवानिवृत्त)

म्यांमार में सैन्य जुंटा द्वारा हाल ही में नागरिक शासन में बदलाव से देश के आंतरिक विद्रोहों को समाप्त करने और दक्षिण एशिया के इस महत्वपूर्ण देश के विकास को बढ़ावा देने के नए अवसर सामने आए हैं। भारत को अब लंबे समय से लंबित कलादान मल्टी-मोडल परियोजना को जल्द से जल्द पूरा करने का प्रयास करना चाहिए और म्यांमार के लिए स्थल और समुद्री मार्गों के जरिए व्यापार की नई संभावनाएं खोलनी चाहिए।

सित्तवे बंदरगाह के विकास को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। भारत को म्यांमार में अपनी सॉफ्ट पावर को बढ़ाना चाहिए, जहां वह स्कूल शिक्षा के विस्तार और उच्च शिक्षा को समर्थन देकर उनके शिक्षा तंत्र को मजबूत कर सकता है। शिक्षा और एडटेक के निजी क्षेत्र को भी देश में प्रवेश के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। म्यांमार के लिए अंग्रेजी में शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए और निजी विश्वविद्यालयों के साथ-साथ EDCIL को म्यांमार के विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए, ताकि STEAM, आईटी और चिकित्सा जैसे विषयों को अंग्रेजी में पढ़ाने के लिए शिक्षक प्रशिक्षण टीमें भेजी जा सकें।

शिक्षा की तरह ही स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रशिक्षण सहयोग भी एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। मेडिकल और डायग्नोस्टिक तकनीशियनों, नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ का प्रशिक्षण देशभर में डायग्नोस्टिक

सेंटर, प्राथमिक स्वास्थ्य पॉलीक्लिनिक, मोबाइल क्लिनिक और अन्य बुनियादी चिकित्सा ढांचे की स्थापना का आधार बन सकता है। भारत म्यांमार में एक पैन-देशीय दूरसंचार नेटवर्क स्थापित करने में भी सहयोग कर सकता है, जैसा कि अफ्रीका में अफ्रीकी संघ (AU) के लिए किया गया था, जिससे आईटी पेशेवरों और ITES के विकास को बढ़ावा मिलेगा।

भारत म्यांमार के सिविल सेवकों को लोक प्रशासन में प्रशिक्षण दे सकता है और पुलिस प्रशिक्षण तथा सिविल डिफेंस पाठ्यक्रम भी प्रदान कर सकता है। विभिन्न उद्योगों और व्यवसायों के लिए कौशल विकास प्रशिक्षकों को भेजकर स्थानीय लोगों को NSIC और SIDO के सहयोग से MSME स्थापित करने में मदद दी जा सकती है।

महिला सशक्तिकरण

व्यापार और स्थानीय मूल्य संवर्धन में संभावनाएं असीमित हैं। भारत म्यांमार के साथ लंबी स्थलीय और महत्वपूर्ण समुद्री सीमाएं साझा करता है, जिससे दोनों देशों के बीच और उससे आगे तटीय माल और यात्री सेवाएं संभव हो सकती हैं। ASEAN के साथ ब्लू इकोनॉमी साझेदारी म्यांमार से शुरू होती है और समुद्री संसाधनों के प्रसंस्करण के लिए उद्योग स्थापित करने से पोषण और व्यापार दोनों में वृद्धि हो सकती है। खनन, वानिकी, वन संसाधन, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि विकास, तेल, गैस, पेट्रोकेमिकल्स, आभूषण, बैंकिंग और वित्त, प्रशिक्षण और कौशल विकास, अंतर्देशीय जलमार्ग, आपदा तैयारी आदि सहयोग के उपयोगी और लाभकारी क्षेत्र हो सकते हैं।

अधिक हवाई माल और यात्री संपर्क से म्यांमार के विभिन्न प्रांतों के साथ पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा मिल सकता है तथा हमारी सभ्यतागत और धार्मिक कड़ियों का उपयोग कर लोगों और समाजों के बीच जागरूकता, समझ और मित्रता को मजबूत किया जा सकता है।

स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा के माध्यम से म्यांमार की महिलाओं को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। महिलाओं को समाज और अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र में अधिक भूमिका और आवाज मिलनी चाहिए, और उन्हें भारत तथा BIMSTEC और SAARC के अन्य देशों की महिलाओं से सहयोग मिल सकता है।

बोध कथा

मन की शांति चाहिए तो भक्ति निस्वार्थ भाव से ही करनी चाहिए

पूजा करते समय अधिकतर लोग भगवान से सुख-सुविधाओं से जुड़ी पाने की कामना करते हैं। पूजा के बदले भगवान से कुछ न कुछ मांगा जाता है। इस तरह की भक्ति करने के बाद जब मनोकामनाएं पूरी नहीं होती हैं तो मन अशांत हो जाता है। मन की शांति चाहिए तो भक्ति निस्वार्थ भाव से ही करनी चाहिए। ये बात एक लोक कथा से समझ सकते हैं।

एक प्रचलित लोक कथा के अनुसार पुराने समय में एक राजा ने अपने राज्य में घोषणा कर दी कि अगले दिन जो भी व्यक्ति मेरे महल की जिस चीज पर हाथ रख देगा, वह उस की हो जाएगी।

राजा की घोषणा सुनकर प्रजा खुश थी। सभी राजा की अलग-अलग कीमती चीजों को पाना चाहते थे। अगले दिन जैसे ही सुबह हुई राजा के महल में प्रजा की भीड़ लग गई। कुछ लोग सोने-चांदी के बर्तन लेने की कोशिश कर रहे थे, तो कुछ लोग हीरे-मोती के आभूषण लेने लगे।

राजा दूर अपने सिंहासन पर बैठकर ये नजारा देख रहे थे। उनकी प्रजा महल की चीजों को पाने के लिए दौड़भाग कर रही थी। तभी एक व्यक्ति राजा की ओर बढ़ रह था। वह राजा के पास पहुंचा और उसने राजा पर हाथ रख दिया। अब राजा उस व्यक्ति का हो गया यानी राजा की सारी चीजों का मालिक वह बन गया।राजा ने पूरी प्रजा को समान अवसर दिया था, लेकिन सिर्फ एक व्यक्ति विद्वान था, जिसने राजा को ही अपना बना लिया। इस प्रसंग का संदेश हमारी भक्ति से जुड़ा है। लोग भगवान की बनाई हुई चीजों को पाने के लिए पूजा-पाठ करते हैं, दौड़भाग करते हैं, हर व्यक्ति की कोशिश रहती है कि किसी भी तरह सुख-सुविधा की सारी चीजें मिल जाए।

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

खेड़ा, पेड़ा और बखेड़ा

रविंद्र गिन्नोरे

खेड़ा तो खेड़ा है। कहीं भी जाए तब भी खेड़ा तो खेड़ा ही कहलायेगा। यव और बात है कि कभी-कभी बखेड़ा भी हो जाता है. खैर, खेड़ा की बात चली है तो दूर तलक जाएगी। यह पहली बार है कि खेड़ा की ख्याति पूरे भारत में फैल रही है। हर कोई खेड़ा की खोज खबर ले रहा है। सब को बड़ी उत्सुकता है कि खेड़ा का क्या हुआ..! होना क्या है वहीं होगा जो अब तक होता चला आया है। वैसे खेड़ा कभी कोई बखेड़ा नहीं करता। तो खेड़ा को चिन्ता करने की जरूरत भी क्या है। खेड़ा एकलौती प्रजाति का अपने आप में लाजवाब होता है। परेशान तो वे लोग होते हैं जो जानते नहीं बस कह देते हैं कि इस बार का खेड़ा ठीक नहीं लगा। सीधे हिदायत देते हैं कि अब की बार खेड़ा आये तो ठीक तरह से देखभाल कर लेना। नहीं तो कोई मतलब नहीं होता, उपर से सारा ज़ायका ख़राब हो जाता है। खेड़ा से जितनी उम्मीदें लगाई थी सब पर पानी फिर जाता है, जब वह पच्चरा निकलता है । ना सर ना स्वाद ऐसा खेड़ा किस काम का। खेड़ा देखा परखा गया हो और लज्जतदार होना चाहिए। सीधे-सीधे टूट जाए तो वह नहीं चलता। खेड़ा लचीला और चिम्मड़ हो इसके लिए पारखी नज़र हो। खेड़ा की विशेषता से जो वाक़िफ नहीं वह हर हमेशा गच्चा खाएगा। खेड़ा और पेड़ा का संबंध इसलिए ही कहा गया है। जो एक में दो का मज़ा देता है।

तो सबको बता दें कि खेड़ा तो छत्तीसगढ़ में पाया जाता है। गर्मी के मौसम में विशेष तौर पर इसकी बहार आती है। एक दम नयापन लिए हुए खेड़ा होता है। जिसने कभी खेड़ा को चखा नहीं वह खेड़ा के स्वाद को कैसे जान पाएगा! खेड़ा के स्वाद की प्रसिद्धि इतनी है कि उस पर एक मुहावरा भी चल निकला है। कहा जाता है, 'छत्तीसगढ़ का खेड़ा और मथुरा का पेड़ा'। पेड़ा और खेड़ा का संबंध स्वाद को लेकर है। वैसे खेड़ा नमकीन स्वाद लिए हुए और पेड़ा मिठास लिए हुए होता है।

मुहावरा खेड़ा के लज्जतदार स्वाद को लेकर कहा गया है। ऐसा खेड़ा जिसने चखा हो वह दावे के साथ कह सकता है। वैसे मुहावरा बनाने वाले के हाथ ऐसा अनूठा स्वाद खेड़ा हाथ लगा होगा और उसने मथुरा का पेड़ा भी खाया होगा। भले कुछ भी हो खेड़ा से पेड़ा का संबंध आज भी चरितार्थ है। वैसे राजनीति में खेड़ा का कोई काम नहीं। छत्तीसगढ़ के पट्टु भाठा ज़मीन पर खेड़ा लगा हो तो उसके स्वाद के क्या कहने..। इस लिए इसके अनोखे स्वाद को लेकर कहा गया है छत्तीसगढ़ का खेड़ा मथुरा का पेड़ा। मगर माहौल खराब होता है जब राजनीति में खड़ा हो जाए कोई बखेड़ा!

इतिहास

17 अप्रैल के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाएँ दर्ज हैं। साल 1801 में पेशवा राज्य के योद्धा विठोजी होल्कर की हत्या कर दी गई थी। वहीं 1848 में तेलुगु लेखक और समाज सुधारक कंदुकुरी वीरेशलिंगम का जन्म हुआ। 1853 में आज ही के दिन मुंबई से ठाणे के बीच पहली रेलवे ट्रेन चली। इसके अलावा, 1917 में व्लादिमीर लेनिन बोल्शेविक क्रांति शुरू करने के लिए रूस लौटे। 1801: पेशवा राज्य के योद्धा विठोजी होल्कर की हत्या कर दी गई। 1848: तेलुगु भाषा के प्रसिद्ध लेखक और समाज सुधारक कंदुकुरी वीरेशलिंगम का जन्म हुआ।

1853: भारतीय उपमहाद्वीप में पहली यात्री ट्रेन मुंबई से ठाणे के बीच चली, जिसमें 14 डिब्बे और लगभग 400 मेहमान शामिल थे। 1917: व्लादिमीर लेनिन रूस लौटकर बोल्शेविक क्रांति का नेतृत्व किया। 1945: अमेरिकी सेना जर्मनी के नूर्नबर्ग शहर में दाखिल हुई। 1947: प्रसिद्ध बास्केटबॉल खिलाड़ी करीम अब्दुल-जब्बार का जन्म हुआ।

मार्च में इक्विटी फंड में निवेश 11 प्रतिशत बढ़ा; मैन्युफैक्चरिंग, इंफ्रा और डिफेंस सेक्टर बने निवेशकों की पहली पसंद

मुंबई। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, मार्च में इक्विटी फंड्स में निवेश (नेट फ्लो) बढ़कर 46,501 करोड़ रुपए हो गया, जो फरवरी के 41,934 करोड़ रुपए के मुकाबले करीब 11 प्रतिशत ज्यादा है।

वैलम कैपिटल की रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च में कुल नेट एसेट फ्लो में बड़ा बदलाव देखने को मिला, जहां निवेशकों ने मनी मार्केट और फिक्स्ड इनकम फंड्स से पैसा निकालकर इक्विटी में निवेश बढ़ाया।

रिपोर्ट में बताया गया कि भारतीय शेयर बाजार में आई तेज रिकवरी के कारण 59,629 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित हुआ। एक महीने में स्मॉल-कैप शेयरों में 8.1 प्रतिशत, मिड-कैप में 6.9 प्रतिशत और लार्ज-कैप में 4.8 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। हालांकि, साल की शुरुआत से अब तक सभी कैटेगरी में रिटर्न अभी भी नकारात्मक बना हुआ है।

वहीं, मनी मार्केट फंड्स में बड़ा उलटफेर देखने को मिला। फरवरी में जहां 42,800 करोड़ रुपए का इनफ्लो था, वह मार्च में घटकर -1,94,775 करोड़ रुपए हो गया। इसी तरह फिक्स्ड इनकम फंड्स में भी आउटफ्लो बढ़कर -76,354 करोड़ रुपए हो गया, जो फरवरी में -16,919 करोड़ रुपए था। इससे संकेत मिलता है कि निवेशक ब्याज दरों को लेकर सतर्क हैं या पैसा निकाल रहे हैं।

कमोडिटी फंड्स में निवेश सकारात्मक तो रहा, लेकिन इसमें तेजी कम देखने को मिली। इससे संकेत मिलता है कि सोना-चांदी जैसे कीमती धातुओं में निवेश की रफ्तार थोड़ी धीमी हुई है।

कुल मिलाकर, नेट एसेट फ्लो फरवरी के 73,589 करोड़ रुपए से बदलकर मार्च में -2,20,797 करोड़ रुपए हो गया, जिसका मुख्य कारण मनी मार्केट से बड़े पैमाने पर पैसा निकलना रहा।

रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर डॉलर की कमजोरी और अमेरिका से निवेश का रुख बदलना एक बड़ा ट्रेंड माना जा रहा है। थीमैटिक ईटीएफ में सेमीकंडक्टर और एआई इंफ्रास्ट्रक्चर सबसे बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

भारत में 2026 के दौरान मैन्युफैक्चरिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर और डिफेंस सेक्टर निवेशकों की पहली पसंद बनकर उभरे हैं, जबकि पहले पीएसयू और कंजंप्शन सेक्टर ज्यादा पसंद किए जाते थे।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि निवेशक अब ज्यादा सुरक्षित विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं। मार्च में लार्ज-कैप फंड्स में 28,558 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जो फरवरी से 19,242 करोड़ रुपए ज्यादा है।

फ्लेक्सी-कैप और मिड-कैप में भी लगातार निवेश जारी रहा। वहीं, आर्बिट्राज फंड्स से 22,182 करोड़ रुपए की निकासी हुई और डायनेमिक स्ट्रैटेजी फंडों से भी पूंजी का नुकसान हुआ है।

वैश्विक बाजारों से मिले मिले-जुले संकेतों के बीच कीमती धातुओं में बड़ा उतार-चढ़ाव, चांदी में तेजी तो सोना लुढ़का

मुंबई । वैश्विक बाजारों से मिले मिले-जुले संकेतों के बीच सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को कीमती धातुओं (सोना और चांदी) में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। शुरुआती कारोबार में सोने में तेजी देखने को मिली, लेकिन बाद में इसमें गिरावट दर्ज की गई। वहीं चांदी बढ़त के साथ कारोबार करती नजर आई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर जून डिलीवरी वाले सोने का वायदा भाव शुक्रवार को 1,53,301 पर खुला और दिन के कारोबार में 1,52,547 रुपए का इंट्रा-डे लो और 1,53,364 रुपए प्रति 10 ग्राम का हाई बनाया।

वहीं, 5 मई डिलीवरी वाली चांदी 2,50,001 रुपए पर खुलकर 2,48,729 रुपए का लो और 2,50,716 रुपए प्रति किलोग्राम का हाई बनाया।

हालांकि खबर लिखे जाने तक (सुबह करीब 11.48 बजे) 5 जून डिलीवरी वाला सोना 501 रुपए यानी 0.33 प्रतिशत गिरकर 1,52,651 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता नजर आया। वहीं मई डिलीवरी वाली चांदी 225 रुपए यानी 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,48,853 रुपए प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करती नजर आई। कमोडिटी बाजार के जानकारों के अनुसार, फिलहाल बाजार का रुख सतर्क रूप से सकारात्मक बना हुआ है और मैक्रो फैक्टर्स से कुछ समर्थन मिल रहा है। हालांकि, मजबूत तेजी के लिए कीमतों का अहम स्तरों को पार करना जरूरी है। चांदी के मामले में भी रुख थोड़ा सावधानी भरा है और इसमें स्थायी तेजी के लिए मजबूत संकेतों की जरूरत है।वहीं, शुक्रवार को रुपया 25 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.95 पर खुला। यह मजबूती उस समय आई जब भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सरकारी तेल कंपनियों से डॉलर खरीदने के बजाय विशेष क्रेडिट लाइन का इस्तेमाल करने को कहा, जिससे डॉलर की मांग में कमी आई। घरेलू मुद्रा ने पिछला सत्र 93.20 पर बंद किया था, लेकिन स्थानीय शेयर बाजार में सुधार और वैश्विक तनाव कम होने की उम्मीदों के चलते यह मजबूत खुला

हालांकि, वैश्विक बाजार में मजबूत अमेरिकी डॉलर के कारण रुपए की मजबूती पर कुछ दबाव भी बना रहा।

पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीद के बीच कच्चे तेल की कीमतों में आई 2 प्रतिशत तक की गिरावट

मुंबई । पश्चिम एशिया में जारी तनाव कम होने की उम्मीद के बीच शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में करीब 2 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई। यह गिरावट 28 फरवरी से शुरू हुए संघर्ष के खत्म होने की उम्मीदों के कारण आई है।

ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 97.99 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा था, जो शुरुआती कारोबार में दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया और इसमें 1 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट देखी गई।

वहीं, अमेरिका का वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी करीब 2 प्रतिशत गिरकर 92.91 डॉलर के इंट्रा-डे लो तक पहुंच गया।

हालांकि, इससे पहले के कारोबारी सत्र में ग्लोबल बेंचमार्क ब्रेंट करीब 5 प्रतिशत की तेजी के साथ 99.39 डॉलर पर बंद हुआ था। इसी तरह, अमेरिकी डब्ल्यूटीआई भी 2 प्रतिशत से ज्यादा बढ़कर 93.32 डॉलर पर बंद हुआ था।

घरेलू बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर कच्चे तेल की कीमतों में भी गिरावट देखने को मिली, जहां यह 2.6 प्रतिशत तक गिरकर 8,625 रुपए तक आ गया।

ट्रेडर्स को उस समय राहत मिली जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने इजरायल और लेबनान के बीच 10 दिन के युद्धविराम (सीजफायर) की घोषणा की। उन्होंने यह भी कहा कि तेहरान ने 20 साल से ज्यादा समय तक परमाणु हथियार नहीं रखने का प्रस्ताव दिया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि हिजबुल्लाह इस अहम समय में समझदारी दिखाएगा। अगर ऐसा होता है तो यह उनके लिए बड़ा मौका होगा। अब और हिंसा नहीं, हमें आखिरकार शांति चाहिए।'

मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा, 'हम देखेंगे कि आगे क्या होता है, लेकिन मुझे लगता है कि हम ईरान के साथ समझौते के काफी करीब हैं।

शेयर बाजार की बात करें तो वैश्विक बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। वहीं घरेलू बाजार में बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी सपाट खुले।

भारतीय शेयर बाजार हरे निशान में बंद, सेंसेक्स 505 अंक उछला, एफएमसीजी सेक्टर में सबसे ज्यादा तेजी

मुंबई। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी, दोनों में 0.65 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

इस उम्मीद के बीच कि अमेरिका-ईरान युद्ध जल्द समाप्त हो सकता है, घरेलू बाजार ने मामूली नुकसान के साथ खुलने के बाद तेजी दिखाई और दिन का अंत भी हरे निशान में किया।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 504.86 (0.65 प्रतिशत) अंकों की बढ़त के साथ 78,493.54 स्तर पर था, तो वहीं निफ्टी 156.80 अंक यानी 0.65 प्रतिशत चढ़कर 24,353.55 पर कारोबार करता नजर आया।

शुक्रवार के कारोबार में सेंसेक्स 77,976.13 पर खुलकर 78,553.45 का इंट्रा-डे हाई बनाया, तो वहीं निफ्टी 24,165.90 पर खुलकर 24,371.90 का हाई टच किया।

ब्रॉडर मार्केट में प्रमुख बेंचमार्कों से ज्यादा तेजी दर्ज की गई। निफ्टी मिडकैप 100 में 1.27 प्रतिशत तो निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 1.48 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

वहीं, सेक्टरवार बात करें तो निफ्टी आईटी को छोड़कर, जिसमें मामूली 0.02 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, सभी इंडेक्स हरे निशान में कारोबार करते हुए नजर आए।

सबसे ज्यादा निफ्टी एफएमसीजी में 2.65 प्रतिशत, निफ्टी मीडिया में 1.34 प्रतिशत, निफ्टी मेटल में 1.10 प्रतिशत, निफ्टी रियल्टी में 0.94 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इसके अतिरिक्त निफ्टी प्राइवेट बैंक में 0.78 प्रतिशत, निफ्टी पीएसयू बैंक में 0.74 प्रतिशत, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 0.61 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली।

निफ्टी 50 में एचयूएल, जेएसडब्ल्यू स्टील, नेस्ले इंडिया, अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइज, पावर ग्रिड, मैक्स हेल्थ और अदाणी पोर्ट्स के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गई। जबकि विप्रो, एचडीएफसी लाइफ, सनफार्मा, बजाज-ऑटो, एमएंडएम, एचसीएल टेक, एलएंडटी और एसबीआई लाइफ के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली।

विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशक अब सप्ताहांत में अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली आगामी चर्चाओं पर बारीकी से नजर रख रहे हैं, जिनसे वैश्विक और घरेलू बाजारों को आगे की दिशा मिलने की उम्मीद है।

एक बाजार विशेषज्ञ ने बताया, 'हाल की अस्थिरता के बाद बाजार अधिक स्थिर स्टेज में प्रवेश करता दिख रहा है।

सरकार ने 15 बड़े बैंकों को 2029 तक सोना-चांदी आयात की दी मंजूरी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने शुक्रवार को 15 बड़े बैंकों को 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2029 तक सोना और चांदी आयात करने की अनुमति दे दी है। इस सूची में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं।

वहीं, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और स्बरबैंक को इस अवधि में केवल सोना आयात करने की अनुमति दी गई है। यह अधिसूचना डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड (डीजीएफटी) द्वारा जारी की गई है।

सरकार का यह कदम बुलियन (सोना-चांदी) के आयात को व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। केवल अधिकृत बैंकों के जरिए आयात करने से लेनदेन की निगरानी आसान होगी और अनियमितताओं पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा अधिकृत बैंकों में एक्सिस बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, डॉयचे बैंक, फेडरल बैंक, इंडसइंड बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, यस बैंक समेत कई अन्य बैंक शामिल हैं, जिन्हें सोना और चांदी, दोनों आयात करने की अनुमति दी गई है। इस बीच, मार्च 2026 में भारत का सोने का आयात घटकर 9 महीने के निचले स्तर 3.1 अरब डॉलर पर आ गया। मात्रा के हिसाब से यह करीब 20-25 टन रहा, जो पिछले 12 महीनों के औसत 62 टन से काफी कम है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) के अनुसार, इसकी वजह मांग में कमी और मध्य पूर्व से सप्लाई में बाधाएं हैं, जो भारत के लिए एक अहम ट्रांजिट हब है। अप्रैल में सोने की कीमतों में कुछ सुधार देखने को मिला है। वहीं, इंपोर्ट में कमी और सप्लाई की दिक्कतों के कारण घरेलू बाजार में छूट (डिस्काउंट) भी कम हुई है।

सूचीबद्ध ज्वैलरी कंपनियों ने 2026 की पहली तिमाही में अच्छा प्रदर्शन किया, जिसमें शादी के सीजन, बढ़े हुए खर्च और बिजनेस विस्तार का योगदान रहा। इसके अलावा, भारत में गोल्ड ईटीएफ में निवेश लगातार 11वें महीने भी जारी रहा। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स ऑफ इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार, ईटीएफ में मार्च 2026 में करीब 22.7 अरब रुपए (244 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का शुद्ध निवेश हुआ।

'सस्ता और आकर्षक ईंधन विकल्प': सरकारी पैनल ने की सीएनजी पर एक्साइज ड्यूटी हटाने की सिफारिश

नई दिल्ली। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) द्वारा समर्थित एक उच्चस्तरीय सरकारी समिति ने कीमतों को कम करने और हरित ईंधन की खपत को बढ़ावा देने के लिए संपीड़ित प्राकृतिक गैस यानी कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) पर लगने वाली उत्पाद शुल्क (एक्साइज ड्यूटी) हटाने की सिफारिश की है, ताकि 2030 तक देश के ईंधन मिश्रण में नेचुरल गैस की 15 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के देश के लक्ष्य को पूरा किया जा सके।

समिति की मुख्य सिफारिशों में 14 प्रतिशत एक्साइज ड्यूटी को खत्म करना शामिल है, जिससे सीएनजी एक सस्ता और आकर्षक ईंधन विकल्प बन सके। इसके साथ ही, सीएनजी वाहनों पर जीएसटी को घटाकर 5 प्रतिशत करने का सुझाव दिया गया है ताकि इन्हें इलेक्ट्रिक वाहनों के बराबर लाकर अपनाने को तेज किया जा सके।

सिफारिशों में यह भी कहा गया है कि सीएनजी और पेट्रोल के बीच कीमत का अंतर बनाए रखा जाए, ताकि लोग पेट्रोल की जगह सीएनजी अपनाने के लिए प्रेरित हों। इस टैक्स राहत का फायदा करीब 1.9 करोड़ परिवारों और 38.41 लाख उपभोक्ताओं को मिलने की संभावना है।

दरअसल, अभी सीएनजी पर 14 प्रतिशत एक्साइज ड्यूटी और राज्यों का वैट लगने के कारण कुछ क्षेत्रों, खासकर दक्षिण भारत में, यह ईंधन महंगा पड़ता है और इसकी प्रतिस्पर्धा कम हो जाती है।

इसी बीच, सरकार परिवारों को एलपीजी की जगह पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित कर रही है, क्योंकि पश्चिम एशिया संकट के चलते सप्लाई चेन प्रभावित हुई है। पीएनजी कनेक्शन तेजी से बढ़ रहे हैं, और मार्च से अब तक करीब 4.58 लाख नए कनेक्शन चालू किए गए हैं, जबकि 5.1 लाख नए उपभोक्ताओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है। 15 अप्रैल तक लगभग 35,000 उपभोक्ताओं ने मायपीएनजीडी.इन वेबसाइट के जरिए अपने एलपीजी कनेक्शन सरेंडर कर दिए हैं। राज्यों को घरेलू और कमर्शियल उपभोक्ताओं के लिए नए पीएनजी कनेक्शन देने में सहयोग करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

अक्षय तृतीया पर फोनपे से खरीदें 24 कैरेट डिजिटल गोल्ड, बेहद आसान और सुरक्षित विकल्प

नई दिल्ली । भारत में अक्षय तृतीया के मौके पर सोना-चांदी खरीदने की परंपरा सिर्फ धार्मिक ही नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से भी काफी अहम मानी जाती है। ऐसे में, अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर फोनपे अपने यूजर्स को डिजिटल गोल्ड खरीदने का आसान और सुरक्षित विकल्प प्रदान कर रहा है। कंपनी के मुताबिक, यूजर्स अब 99.99 प्रतिशत शुद्धता वाला 24 कैरेट वाला डिजिटल गोल्ड सीधे ऐप के जरिए खरीद सकते हैं।

यह गोल्ड एमएमटीसी-पीएएमपी, सेफगोल्ड और कैरटलेन जैसे भरोसेमंद प्लेटफॉर्म्स के जरिए उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे ग्राहकों को पारदर्शिता, सुरक्षा और विश्वसनीयता का भरोसा मिलता है।

यूजर्स अपनी सुविधा के अनुसार यूपीआई, यूपीआई लाइट, क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड, वॉलेट और गिफ्ट कार्ड जैसे कई पेमेंट विकल्पों के जरिए भुगतान कर सकते हैं।

सिर्फ एक बार खरीदने के अलावा, फोनपे ग्राहकों को रोजाना या मासिक एसआईपी के जरिए भी डिजिटल गोल्ड में निवेश करने का मौका देता है, जिससे वे लंबे समय तक धीरे-धीरे बचत कर सकते हैं।

इस प्लेटफॉर्म की खास बात यह है कि ग्राहक केवल 10 रुपए से भी निवेश शुरू कर सकते हैं और जब चाहें अपना गोल्ड बेचकर पैसा सीधे अपने बैंक खाते में पा सकते हैं। देश भर में लाखों लोग फोनपे के जरिए हाई-प्योरिटी 24 कैरेट गोल्ड खरीद चुके हैं, जिससे डिजिटल गोल्ड की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है।

फोनपे पर 24 कैरेट डिजिटल गोल्ड खरीदने के लिए स्टेप-बाय-स्टेप आसान तरीका यहां बताया गया है, जिसे फॉलो करके आप भी फोनपे से डिजिटल गोल्ड खरीद सकते हैं और फ्यूचर को सिक्योर कर सकते हैं।

स्टेप 1: फोनपे ऐप खोलें, गोल्ड और सिल्वर तक स्क्रॉल करें और 'अधिक' पर टैप करें।

स्टेप 2: इसके बाद 'बाय गोल्ड' पर टैप करें

स्टेप 3: फिर वह मूल्य दर्ज करें जिसे आप खरीदना चाहते हैं और 'प्रोसीड' पर क्लिक करें।

स्टेप 4: इसके बाद पेमेंट करने के लिए आगे बढ़ें पर टैप करें (कृपया सुनिश्चित करें कि आप अपनी स्क्रीन पर 5 मिनट का टाइमर समाप्त होने से पहले ऐसा कर लें)।

स्टेप 5: अंत में अपनी पसंद का पेमेंट ऑप्शन चुनकर 'पे' पर क्लिक करें और भुगतान पूरा करें।

इस तरह आप आसानी से फोनपे पर डिजिटल गोल्ड खरीद सकते हैं।

क्या है यूरेनियम डस्ट, जिसे ईरान से लेने की बात कर रहे ट्रंप, और इसे कैसे रखा जाता है

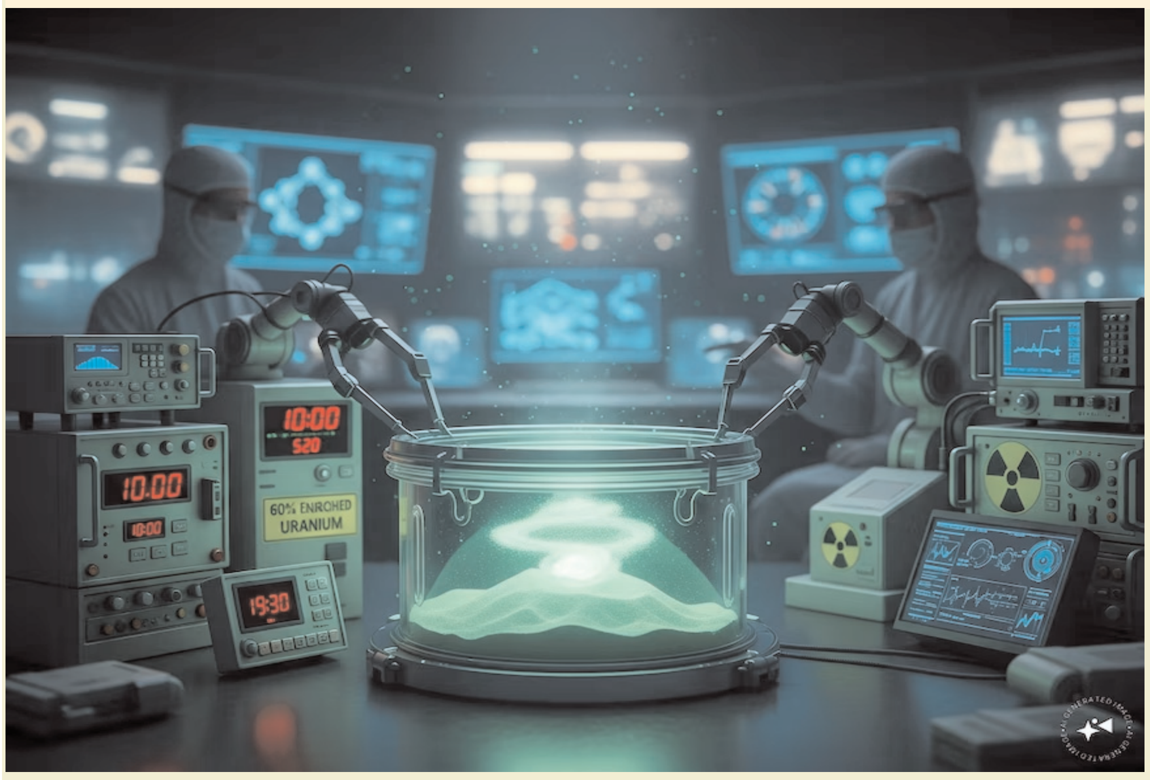

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान अपना यूरेनियम डस्ट, यानी परमाणु अवशेष, अमेरिका को सौंपने के लिए तैयार है। जानते हैं कि यूरेनियम डस्ट क्या है, इसे कब सौंपना पड़ता है और इसे कैसे रखा जाता है।

दरअसल, ट्रंप ने ईरान के उस अत्यधिक समृद्ध यूरेनियम के लिए 'यूरेनियम डस्ट' शब्द का इस्तेमाल किया है, जिसके बारे में अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) का मानना है कि यह पिछले साल जून में अमेरिका द्वारा ईरान के तीन प्रमुख परमाणु संयंत्रों पर किए गए हमलों के बाद जमीन के काफी नीचे दबा हुआ है।

ईरान के पास कितना यूरेनियम डस्ट यानी संवर्धित यूरेनियम है?

जून में अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान पर हवाई हमले शुरू करने से पहले माना जाता था कि ईरान के पास 400 किलोग्राम से अधिक 60 प्रतिशत एनरिच्ड यूरेनियम था। करीब 200 किलोग्राम 20 प्रतिशत विखंडनीय पदार्थ था, जिसे आसानी से 90 प्रतिशत हथियार-ग्रेड यूरेनियम में परिवर्तित किया जा सकता है।

हालांकि तेहरान का कहना है कि यूरेनियम संवर्धन का उसका उद्देश्य बिजली उत्पादन और ऊर्जा सुरक्षा है, न कि परमाणु हथियार। लेकिन उपलब्ध आंकड़े अलग ही संकेत देते हैं।

क्या यह सही है कि ईरान ने कई बार अपने संवर्धित यूरेनियम और यूरेनियम डस्ट रूस और ओमान को सौंपा है?

हां, यह बात सही है। ईरान ने अपने परमाणु समझौतों की शर्तों को पूरा करने के लिए कई बार अपने यूरेनियम भंडार, जिसमें यूरेनियम डस्ट या 'येलोकेक' और संवर्धित यूरेनियम शामिल हैं, रूस और ओमान जैसे देशों को सौंपा है। ओमान ने अक्सर ईरान और पश्चिम के बीच एक 'सेफ हेवन' या मध्यस्थ के रूप में काम किया है।

ऐसा करना ईरान के लिए क्यों जरूरी है?

2015 के परमाणु समझौते के दौरान ईरान पर यह पाबंदी थी कि वह एक निश्चित सीमा से अधिक संवर्धित यूरेनियम अपने पास नहीं रख सकता। इस सीमा को बनाए रखने के लिए ईरान ने अपने कई टन 'लो-एनरिच्ड यूरेनियम' रूस को भेजे थे। इसके बदले में रूस ने ईरान को 'प्राकृतिक यूरेनियम' दिया, जिसका उपयोग ईरान अपने असैन्य परमाणु ऊर्जा कार्यक्रमों के लिए कर सकता था। यह एक तरह का मान्य विनिमय था।

क्या भारी जल को भी सौंपना पड़ता है? क्या ईरान ने इसे सौंपा है?

हां, ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम से निकले 'भारी जल' के अतिरिक्त स्टॉक को ओमान भेजा था, ताकि अंतरराष्ट्रीय निरीक्षक संतुष्ट रहें कि ईरान सीमा का उल्लंघन नहीं कर रहा है। ऐसा करना ईरान के लिए इसलिए जरूरी है, ताकि वह परमाणु बम न बना सके।

ब्लैक होल का 'महा-विस्फोट' देख कांपे वैज्ञानिक, 10 करोड़ साल का सन्नाटा एक पल में खत्म! शुरू किया सितारों का शिकार

100 मिलियन साल की लंबी, गहरी नींद के बाद एक विशाल ब्लैक होल अचानक जाग गया है। वैज्ञानिकों ने जब इस नज़ारे को देखा तो वे दंग रह गए, क्योंकि इसकी सक्रियता किसी खौफनाक ब्रह्मांडीय ज्वालामुखी के फटने जैसी थी। अंतरिक्ष में हुए इस 'धमाके' ने ऊर्जा की ऐसी लहरें पैदा की हैं, जो कल्पना से परे हैं। यह घटना सिर्फ एक इत्तेफाक नहीं है, बल्कि ब्लैक होल के रहस्यमयी व्यवहार को समझने का एक बड़ा मौका है। इस दुर्लभ ब्रह्मांडीय घटना ने यह साबित कर दिया है कि जिसे हम शांत अंतरिक्ष समझते हैं, वहां कभी भी तबाही मच सकती है। यह खोज ब्लैक होल के जीवन चक्र और उनके 'खाने' के पैटर्न को डिकोड करने में काम आएगी।

ब्लैक होल के जागने का असली मतलब क्या है?

अंतरिक्ष में ब्लैक होल हमेशा सक्रिय नहीं रहते। अक्सर ये लाखों सालों तक शांत पड़े रहते हैं, क्योंकि उनके पास 'खाने' के लिए कुछ नहीं होता। जब तक कोई गैस, धूल के कण या सितारे इनके दायरे में नहीं आते, ये सोई हुई अवस्था में रहते हैं। लेकिन जैसे ही कोई खगोलीय पिंड इनके गुरुत्वाकर्षण के दायरे में आता है, ये फिर से सक्रिय हो जाते हैं।

'द क्लस्टर्स हाइडिंग इन प्लेन साइट' (CHiPS) सर्वे के दौरान वैज्ञानिकों ने पाया कि एक सुपरमैसिव ब्लैक होल अचानक अपनी निष्क्रिय अवस्था से बाहर आ गया है। शोधकर्ताओं ने बताया कि जब ब्लैक होल को नया 'ईंधन' यानी गैस और सितारे मिलते हैं, तो वे अचानक सक्रिय होकर ऊर्जा और प्रकाश की भीषण किरणें छोड़ने लगते हैं।

ब्रह्मांडीय ज्वालामुखी ने कैसे मचाई हलचल?

इस घटना को ज्वालामुखी की उपमा इसलिए दी गई है, क्योंकि जिस तरह ज्वालामुखी से लावा निकलता है, वैसे ही इस ब्लैक होल से हाई-एनर्जी जेट्स और रेडिएशन बाहर निकले।

वैज्ञानिकों के मुताबिक, लाखों सालों से जो ऊर्जा जमा हो रही थी, वह अचानक एक झटके में बाहर निकली। नासा के शोध-पत्र बताते हैं कि एक्टिव गैलेक्टिक न्यूक्लिआई इतनी ज्यादा ऊर्जा पैदा कर सकते हैं, जितनी एक पूरी गैलेक्सी के सभी तारे मिलकर भी नहीं कर पाते।

यह 'धमाका' इतना शक्तिशाली था कि इसने आसपास की गैस की परतों और तारों के बनने की प्रक्रिया को भी प्रभावित किया है। हालांकि यह धरती के लिए खतरनाक नहीं है, लेकिन गैलेक्सी के ढांचे को बदलने के लिए काफी है।

क्यों इस खोज से वैज्ञानिक हैरान हैं?

यह खोज इसलिए खास है, क्योंकि यह ब्लैक होल के चक्रीय स्वभाव को दिखाती है। अभी तक हमें लगता था कि ब्लैक होल का व्यवहार एक जैसा रहता है, लेकिन अब पता चला है कि ये लाखों साल तक 'सो' सकते हैं और फिर अचानक 'जाग' सकते हैं।

ऐसी घटनाओं को देखना बहुत मुश्किल होता है।

वेटिकन पोप से क्यों भिड़ रहे ट्रंप? ईरान नहीं, अमेरिका में ही सुलगी सियासत

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी बयानबाजी और पंगे लेने के लिए मशहूर हैं। कई बार तो ऐसा लगता है कि वह देश-दुनिया की सभी नीतियों से ऊपर उठ चुके हैं। वह बीते दिनों वेटिकन से सीधे मोर्चे की नौबत में आ गए, जब ईसाइयों के सबसे बड़े धर्मगुरु पोप लियो ङ्ढङ्क से भिड़ गए। ईरान के साथ जारी युद्ध और पाकिस्तान में हुई बातचीत के फेल होने पर पोप ने ट्रंप की आलोचना कर दी। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने मोर्चा ही खोल दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से पोप लियो ङ्ढङ्क पर किए गए तीखे हमलों ने वाशिंगटन और वेटिकन के बीच एक असामान्य और सीधा टकराव पैदा कर दिया है। ट्रंप ने उन्हें 'अपराध के मुद्दे पर कमजोर' और 'विदेश नीति के लिए भयानक' करार दिया है। यहां तक कि उन्होंने यह सवाल भी उठा दिया कि उन्हें आखिर पोप क्यों चुना गया? ईरान मुद्दे पर शुरू हुआ विवाद अब ट्रंप के घर यानी अमेरिका में ही गहराता दिख रहा है। इन दोनों नेता और धर्मगुरु की वजह से ईसाइयों के अंदर ही प्रोटेस्टेंट और कैथोलिकों के बीच विवाद गहराता जा रहा है।

यह विवाद तब और गहरा गया, जब ट्रंप ने सोशल मीडिया पर ईसा मसीह के रूप में अपनी एक एआई-जनरेटेड फोटो साझा की, जिसमें वह एक बूढ़े बीमार शख्स के सिर पर हाथ रखकर उसे स्वस्थ करते नजर आ रहे हैं। हालांकि बाद में उन्होंने इसे डिलीट कर दिया, लेकिन वेटिकन ने इसे 'गहरा अपमानजनक' बताते हुए सार्वजनिक रूप से कड़ी फटकार लगाई। शिकागो से ताल्लुक रखने वाले पोप लियो ईरान पर अमेरिकी और इजरायली सैन्य एक्शन के कड़े आलोचक रहे हैं। उन्होंने युद्ध को 'पागलपन' करार दिया है।

ट्रंप-पोप लियो टकराव की शुरुआत कैसे हुई?

इस विवाद की जड़ें ईरान युद्ध पर दोनों नेताओं की बिल्कुल अलग-अलग राय में छिपी हैं। पोप लियो XIV ने लगातार संयम, युद्धविराम और संवाद की अपील की है। उन्होंने युद्ध को बढ़ावा देने वाली 'सर्वशक्तिमान होने के भ्रम' के खिलाफ चेतावनी दी और सैन्य कार्रवाई को सही ठहराने के लिए धर्म के इस्तेमाल की आलोचना की।

जैसे-जैसे अमेरिकी हमले तेज हुए, पोप की टिप्पणियां और भी तीखी होती गईं, जिससे ट्रंप भड़क उठे। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा कि पोप 'अपराध पर कमजोर और विदेश नीति के मामले में भयानक' हैं। उन्होंने यहां तक दावा किया कि लियो को पोप इसलिए चुना गया क्योंकि वे अमेरिकी थे और वेटिकन को लगा कि राष्ट्रपति ट्रंप से निपटने का यही सबसे अच्छा तरीका होगा। ट्रंप ने आगे कहा कि पोप को एक राजनेता के बजाय एक महान पोप बनने पर ध्यान देना चाहिए।

पोप लियो ने भी इस बार कड़ा रवैया अपनाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे अपने रुख से पीछे नहीं हटेंगे। पोप ने कहा, 'मुझे ट्रंप प्रशासन का कोई डर नहीं है। मैं युद्ध के खिलाफ अपनी आवाज उठाना जारी रखूंगा और शांति, संवाद तथा न्यायपूर्ण समाधानों को बढ़ावा दूंगा।

543 बनाम 850 लोकसभा सीटें: अमित शाह के परिसीमन गणित और तर्क को समझें

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को सदन में बताया कि सरकार की योजना मौजूदा 543 सीटों को बढ़ाकर अधिकतम 850 करने की है, ताकि 33% महिला आरक्षण लागू किया जा सके और मौजूदा प्रतिनिधित्व में कोई कमी न आए। विपक्ष की चिंताओं के बीच शाह ने स्पष्ट किया कि मोदी सरकार ने परिसीमन आयोग की संरचना के फॉर्मूले में कोई बदलाव नहीं किया है और नियम वही हैं जो कांग्रेस-नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के दौरान थे।

850 का आंकड़ा कैसे तय हुआ?

संविधान (एक सौ इकतीसवां संशोधन) विधेयक, 2026, केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 और परिसीमन विधेयक, 2026 को गुरुवार को लोकसभा में पेश किया गया और विचार व पारित करने के लिए लिया गया।

अमित शाह ने दक्षिणी राज्यों के प्रभाव कम होने की आशंका को दूर करने की कोशिश करते हुए कहा कि लोकसभा सीटों में बढ़ोतरी के बावजूद, जहां उनकी सीटों में लगभग 50% की वृद्धि होगी, वहीं कुल सीटों में उनकी हिस्सेदारी भी बढ़ेगी।

उन्होंने कहा, 'सबसे बड़ा नैरेटिव यह बनाया जा रहा है कि ये तीनों विधेयक—संविधान संशोधन, परिसीमन और निर्वाचन कानून में बदलाव—दक्षिण की शक्ति को नुकसान पहुंचाएंगे।'

तर्क क्या है?

शाह ने 850 सीटों के आंकड़े के पीछे स्पष्ट गणितीय आधार बताया।

सरकार सभी राज्यों के लिए सीटों में समान रूप से 50% वृद्धि करना चाहती है। शाह ने उदाहरण देकर समझाया कि यदि 100 सीटें हैं और 33% महिलाओं के लिए आरक्षित करनी हैं, तो कुल सीटों को 50% बढ़ाकर 150 कर दिया जाए। इसके बाद 150 का 33% महिलाओं के लिए आरक्षित करने पर भी सामान्य श्रेणी के लिए 100 सीटें बची रहेंगी।543 सीटों में 50% की वृद्धि करने पर कुल 816 सीटें बनती हैं। शाह ने स्पष्ट किया कि 850 एक गोल (ऊपरी) सीमा है, जिसमें से 815 सीटें राज्यों को और 35 सीटें केंद्र शासित प्रदेशों को दी जाएंगी।

नंबर गेम का विश्लेषण: दक्षिण की चिंता

उन्होंने कहा, 'अगर दक्षिण के बारे में बनाए गए पूरे नैरेटिव को देखें, तो 543 सीटों में से अभी 129 सांसद इस सदन में हैं, जो लगभग 23.76% है। नए सदन में 195 सांसद होंगे और उनकी हिस्सेदारी 23.97% होगी।'

कर्नाटक: शाह ने कहा कि कर्नाटक की 28 सीटें हैं, जो 543 में 5.15% हैं। विधेयक पारित होने के बाद यह संख्या बढ़कर 42 हो जाएगी और लोकसभा में हिस्सेदारी 5.44% हो जाएगी।

आंध्र प्रदेश: 'कर्नाटक को कोई नुकसान नहीं होगा। आंध्र प्रदेश की 25 सीटें हैं, जो 4.60% हैं। विधेयक के बाद यह बढ़कर 38 हो जाएंगी, जो 4.65% होंगी,' उन्होंने कहा।

तेलंगाना: शाह ने कहा कि तेलंगाना की 17 सीटें हैं (3.13%) और विधेयक पारित होने के बाद यह बढ़कर 26 (3.18%) हो जाएंगी।

तमिलनाडु: 'तमिलनाडु की 49 सीटें हैं (7.18%)। विधेयक के बाद यह बढ़कर 59 हो जाएंगी और नई लोकसभा में उनकी हिस्सेदारी 7.23% होगी। तमिलनाडु को भी कोई नुकसान नहीं होगा,' उन्होंने कहा।

भारत में नॉर्थ सेंटिनल द्वीप पर जाना गैरकानूनी क्यों है? दुनिया की सबसे अलग-थलग जनजाति के बारे में पूरी जानकारी

नॉर्थ सेंटिनल द्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में स्थित एक छोटा, घने जंगलों से घिरा द्वीप है, जो दुनिया के उन कुछ स्थानों में से एक है जो लगभग पूरी तरह आधुनिक सभ्यता से अछूते हैं। यह सेंटिनली जनजाति का घर है, जो हजारों वर्षों से अलग-थलग रह रही है—और आज भी बाहरी दुनिया से किसी भी संपर्क को अस्वीकार करती है।

यह अलगाव संयोग नहीं है, बल्कि कानून द्वारा संरक्षित है।

इस प्रतिबंध का कारण केवल एक दूरस्थ समुदाय की रक्षा नहीं, बल्कि उनका अस्तित्व है।

सेंटिनली लोगों का बाहरी दुनिया से बहुत कम संपर्क रहा है, जिसका मतलब है कि उनके शरीर में सामान्य बीमारियों के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता लगभग नहीं है। एक साधारण सर्दी या फ्लू भी उनके लिए घातक साबित हो सकता है। अंडमान द्वीपसमूह के इतिहास में पहले भी देखा गया है कि जब अलग-थलग जनजातियां बाहरी लोगों के संपर्क में आईं, तो संक्रमणों के कारण उनकी आबादी नष्ट हो गई।

यहां सहमति का भी सवाल है।

सेंटिनली जनजाति ने हमेशा यह स्पष्ट किया है कि वे बाहरी लोगों को अपने द्वीप पर नहीं चाहते। वर्षों से वे पास आने वाली नावों और हेलीकॉप्टरों पर तीर चलाकर प्रतिक्रिया देते रहे हैं। यह सामान्य अर्थ में आक्रामकता नहीं, बल्कि चेतावनी है—अपने क्षेत्र और जीवनशैली की रक्षा का उनका तरीका।

अतीत की घटनाओं ने इस रुख को और मजबूत किया है। जो मछुआरे गलती से द्वीप के पास पहुंचे, उन्हें मार दिया गया, और 2018 में एक अमेरिकी व्यक्ति, जो अवैध रूप से जनजाति तक पहुंचने की कोशिश कर रहा था, उसे भी मार दिया गया।

इन घटनाओं ने सरकार की इस नीति को और सख्त किया है कि किसी भी प्रकार का संपर्क बहुत जोखिम भरा है।

इस प्रतिबंध को लागू करने वाला कानून 'अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह (आदिवासी जनजातियों की सुरक्षा) विनियमन, 1956' है।

क्यों भारत का सबसे रहस्यमयी इलाका है गंधमादन? क्या हनुमान आज भी यहां जीवित रूप में हैं?

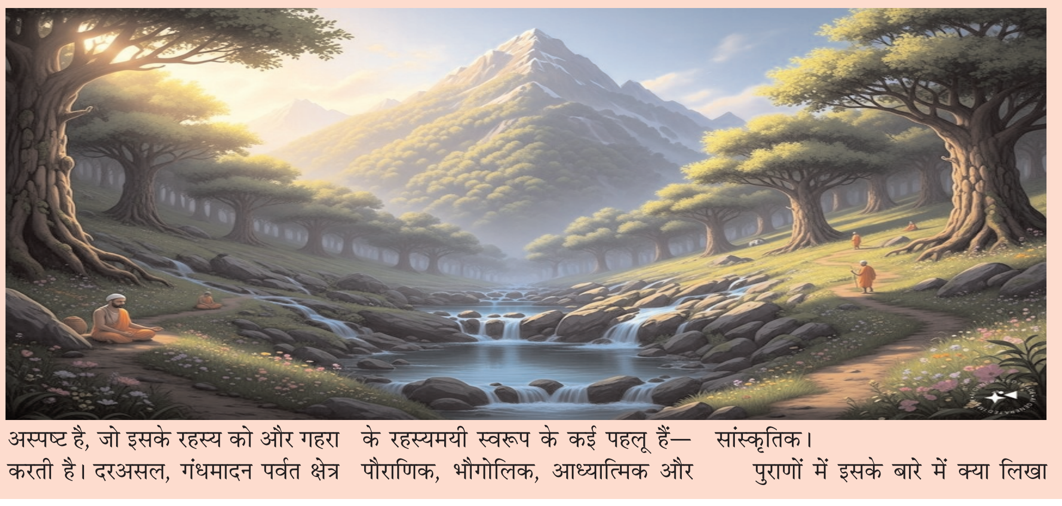

गंधमादन पर्वत क्षेत्र हिमालय में एक ऐसा स्थान है, जिसे भारत का सबसे रहस्यमयी इलाका माना जाता है। इसका उल्लेख रामायण, महाभारत और पुराणों जैसे प्राचीन हिंदू ग्रंथों में मिलता है। माना जाता है कि हनुमान जी यहां अब भी जीवित रूप में मिलते हैं।

जिस तरह तिब्बत की शांग्री-ला घाटी को सबसे रहस्यमयी माना जाता है, उसी तरह भारत के हिमालयीय क्षेत्र में स्थित गंधमादन पर्वत का इलाका भी रहस्य की परतों में लिपटा हुआ है। महाभारत से लेकर रामायण और पुराण-ग्रंथों में इसका खूब जिक्र हुआ है। साधक इसके बारे में अक्सर बातें करते हैं।

इसे हिमालय क्षेत्र में बताया जाता है। कहा जाता है कि यह इलाका बद्रीनाथ से लेकर मानसरोवर के बीच कहीं है, लेकिन जिस तरह शांग्री-ला की चर्चाएं बहुत होती हैं, पर उसे बहुत कम लोगों ने देखा है, उसी तरह गंधमादन पर्वत के बारे में भी कहा जाता है। मान्यता है कि ऋषि-मुनि यहां साधना करते रहते हैं।

यह भी कहा जाता है कि हनुमान जी यहीं भक्ति में लीन रहते हैं। महावतार बाबा के बारे में भी माना जाता है कि वे इसी क्षेत्र में रहते हैं। यह क्षेत्र न केवल अपनी दुर्गमता, बल्कि प्राकृतिक सौंदर्य के लिए भी जाना जाता है।

इसकी सटीक भौगोलिक स्थिति अस्पष्ट है, जो इसके रहस्य को और गहरा करती है। दरअसल, गंधमादन पर्वत क्षेत्र के रहस्यमयी स्वरूप के कई पहलू हैं— पौराणिक, भौगोलिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक।

पुराणों में इसके बारे में क्या लिखा है? गंधमादन पर्वत का जिक्र प्राचीन भारतीय ग्रंथों में बार-बार मिलता है, जो इसके रहस्यमयी स्वरूप को दर्शाता है। रामायण में हनुमान जी लक्ष्मण को बचाने के लिए गंधमादन से संजीवनी बूटी लाते हैं।

यह ऐसा क्षेत्र बताया गया है, जहां सामान्य मनुष्य का पहुंचना असंभव है। महाभारत में भीम का हनुमान जी से मिलन इसी गंधमादन में हुआ था।

पुराणों, जैसे विष्णु पुराण और श्रीमद्भागवत में गंधमादन को कैलाश पर्वत के उत्तर में एक सुगंधित, स्वर्गिक क्षेत्र के रूप में बताया गया है, जहां सिद्ध ऋषि निवास करते हैं। यही वह इलाका भी माना जाता है, जो कुबेर के साम्राज्य का हिस्सा था। पुराणों और ग्रंथों में इससे जुड़ी कई कथाएं मिलती हैं।

भौगोलिक तौर पर स्थिति साफ नहीं

गंधमादन पर्वत की रहस्यमयी प्रकृति का एक प्रमुख कारण इसकी भौगोलिक स्थिति का स्पष्ट न होना है।

कुछ विद्वान इसे तिब्बत में कैलाश-मानसरोवर के उत्तर में मानते हैं, कुछ इसे उत्तराखंड के बद्रीनाथ-केदारनाथ क्षेत्र के पास, जबकि कुछ इसे भारत-चीन सीमा के निकट बताते हैं। आधुनिक मानचित्रों में 'गंधमादन' नाम से कोई विशिष्ट पर्वत चिह्नित नहीं है, जो इसे और रहस्यमयी बनाता है।

‘कमर्शियल एक्टर्स’ पर ऋचा चड्ढा ने उठाए सवाल, बोलीं- कुछ कहानियों के लिए बड़े चेहरों की जरूरत नहीं होती

मुंबई। एक्ट्रेस-प्रोड्यूसर ऋचा चड्ढा अक्सर खुलकर कई मुद्दों पर बात करती और अपनी राय रखती नजर आती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने सवाल उठाया है कि इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स लगातार ‘कमर्शियल’ एक्टर्स को क्यों कास्ट करते हैं? उनका कहना है कि ऐसे एक्टर्स उन कहानियों के लिए न तो बॉक्स-ऑफिस तक दर्शकों को ला पाते हैं और न ही इंडी फिल्म को फेस्टिवल में कोई साख दिला पाते हैं।

ऋचा ने एक बयान में कहा, ‘अगर कोई एक्टर शुक्रवार को आपकी फिल्म को थिएटर में ओपनिंग नहीं दिला पाता और न ही फेस्टिवल्स में कोई खास वजन जोड़ पाता है, तो फिर एक इंडिपेंडेंट फिल्म में उसे कास्ट करने का आखिर फायदा क्या है?’ एक्ट्रेस ने कहा कि वह किसी पर कोई आरोप नहीं लगा रही हैं, लेकिन ‘कम से कम ट्रेंड एक्टर्स के साथ आपको यह भरोसा रहता है कि उनकी परफॉर्मेंस की क्वालिटी बनी रहेगी। इंडी फिल्मों के पीछे भी कमर्शियल सोच होती है, कुछ कहानियों को भीड़ खींचने के लिए हमेशा इतने बड़े चेहरों की जरूरत नहीं होती। ऐसे एक्टर को हायर करना ज्यादा किफायती होता है जो कम बजट में भी फिल्म को साख दिला सके।

उन्होंने आगे कहा, ‘किसी भी एक्टर की काबिलियत या अहमियत को कम न करते हुए, मेरा मकसद यह है कि अगर इंडी फिल्मों को 2026 में सचमुच टिके रहना है, तो हमें यह समझना और सीखना होगा कि दर्शक अच्छी कहानियां देखना चाहते हैं, ऐसे काबिल एक्टर्स के साथ जो बजट पर भारी न पड़ें, क्योंकि उनके साथ आने वाले लोगों का खर्च भी तो उठाना पड़ता है।

ऋचा ने इस बात पर जोर दिया कि इंडिपेंडेंट सिनेमा की बुनियाद हमेशा से ही रिस्क लेने, असलियत और मजबूत कहानी कहने पर टिकी रही है।

उन्होंने कहा, ‘इंडी फिल्मों का मकसद नई आवाजों, एक्टर्स, लेखकों और टेक्नीशियन्स को सामने लाना होता है, जो फिल्म में कुछ नयापन और ईमानदारी ला सकें। जब फिल्म मेकर्स ‘कमर्शियल वैल्यू’ के भ्रम में कास्टिंग के मामले में समझौता करते हैं, तो फिल्म अपनी रूह खो देती है। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि 1980 के दशक में ‘हमारे यहां इंडी सिनेमा का एक जबरदस्त दौर था, और फारूक शेख, अमोल पालेकर, शबाना आजमी जैसे दिग्गज एक्टर्स अपने आप में बड़े सितारे थे। आज वह जगह पूरी तरह से खत्म हो चुकी है। अगर पूरी इंडस्ट्री सिर्फ 5 बड़े मेल एक्टर्स के इशारे का इंतजार करती रहेगी, जो पहले से ही बहुत थके हुए और बिजी हैं और जिनके कंधों पर आप अपनी फिल्में चलाना चाहते हैं तो आपको मेरी तरफ से ‘ऑल द बेस्ट’ क्योंकि इसका सीधा सा मतलब है कि फिल्मों का प्रोडक्शन बहुत कम हो जाएगा।

भक्ति में लीन दिखीं शिल्पा शेट्टी, त्रिपुरा सुंदरी शक्तिपीठ मंदिर में की पूजा-अर्चना

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी अपनी आध्यात्मिक यात्रा को लेकर चर्चा में हैं। शुक्रवार को शिल्पा शेट्टी ने त्रिपुरा में स्थित प्रसिद्ध त्रिपुरा सुंदरी शक्तिपीठ मंदिर के दर्शन किए। यह मंदिर देश के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक माना जाता है, जहां दूर-दूर से श्रद्धालु मां के दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

शिल्पा शेट्टी ने त्रिपुरा सुंदरी शक्तिपीठ मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और मां का आशीर्वाद लिया। इस खास पल को उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर भी साझा किया।

इंस्टाग्राम स्टोरी पर शिल्पा ने वीडियो और फोटो पोस्ट की। वीडियो में वह देवी त्रिपुरासुंदरी की मूर्ति के सामने श्रद्धा भाव से पूजा करती नजर आ रही हैं। इसमें मंदिर के गर्भगृह की सुंदर झलक देखने को मिल रही है।

तस्वीर में शिल्पा अपनी दो करीबी दोस्तों के साथ खड़ी दिखाई दे रही हैं। तीनों पारंपरिक परिधान में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। शिल्पा ने पिंक कलर की साड़ी पहनी हुई है। इसके साथ लाइट ज्वेलरी और माथे पर बिंदी लगाकर अपने लुक को पूरा किया। मंदिर परिसर में दोस्तों के साथ उन्होंने कैमरे के लिए पोज दिया।

अगर शिल्पा शेट्टी के करियर की बात करें तो उन्होंने बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने साल 1993 में आई फिल्म ‘बाजीगर’ से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। इसके बाद वह कई सफल फिल्मों में नजर आई।

शिल्पा ने ‘धड़कन’, ‘मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी’, ‘जानवर’ और ‘इंडियन’ जैसी फिल्मों में काम किया। उन्होंने ‘इंडियन पुलिस फोर्स’ जैसे प्रोजेक्ट्स के जरिए ओटीटी पर भी राज किया।

वह अब जल्द ही फिल्म ‘केडी द डेविल’ में नजर आने वाली हैं। यह 1970 के दशक के बैंगलोर की सच्ची घटनाओं पर आधारित एक पीरियड एक्शन एंटरटेनर ड्रामा है। इस फिल्म में शिल्पा शेट्टी के अलावा, ध्रुव सरजा, संजय दत्त, नोरा फतेही, रमेश अरविंद और वी रविचंद्रन अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। यह फिल्म हिंदी, तमिल, कन्नड़, तेलुगु और मलयालम भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

200 करोड़ मनी लॉन्ड्रिंग केस : सरकारी गवाह बनना चाहती हैं जैकलीन फर्नांडिस, कोर्ट ने ईडी को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस से जुड़े 200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक नया और बड़ा मोड़ सामने आया है। लंबे समय से चल रहे इस हाई-प्रोफाइल केस में अब जैकलीन ने खुद आगे आकर सरकारी गवाह (अप्रूवर) बनने की इच्छा जताई है।

दरअसल, पटियाला हाउस कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान जैकलीन फर्नांडिस ने कहा कि वह इस मामले में जांच एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करना चाहती हैं और सरकारी गवाह बनने के लिए भी तैयार हैं।

इस पर अदालत ने बताया कि इसके लिए उन्हें सीधे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने औपचारिक आवेदन देना होगा। कोर्ट ने साफ किया कि जांच एजेंसी उनके बयान और सहयोग के आधार पर ही तय करेगी कि उन्हें अप्रूवर बनाया जाए या नहीं।

अदालत ने इस मामले में ईडी को नोटिस भी जारी किया है और अगली सुनवाई की तारीख 20 अप्रैल तय की है।

इसके अलावा, जैकलीन को 24 अप्रैल से 25 मई के बीच विदेश यात्रा की अनुमति भी दे दी गई है। हालांकि, इस दौरान उन्हें तय शर्तों का पालन करना होगा और जांच में सहयोग जारी रखना होगा।

बता दें कि पूरा मामला 200 करोड़ रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा है, जिसमें सुकेश चंद्रशेखर को मुख्य आरोपी माना गया है। आरोप है कि उसने जेल के अंदर रहते हुए ही ठगी और रंगदारी का बड़ा नेटवर्क चलाया और कई लोगों से करोड़ों रुपए वसूले। इसी दौरान उसका संपर्क बॉलीवुड से भी जुड़ा, और जैकलीन फर्नांडिस का नाम इस केस में सामने आया।

ईडी की जांच के मुताबिक, सुकेश ने जैकलीन को कई महंगे तोहफे दिए थे, जिनमें लग्जरी घड़ियां, महंगे बैग, जूलरी और अन्य कीमती सामान शामिल हैं। एजेंसी का दावा है कि ये सभी चीजें गैरकानूनी तरीके से कमाए गए पैसों से खरीदी गई थीं। हालांकि, इस पर जैकलीन का कहना है कि उन्हें सुकेश की असली पहचान और उसके अपराधों के बारे में जानकारी नहीं थी। उन्होंने अदालत को बताया कि सुकेश ने खुद को एक बड़ा बिजनेसमैन बताकर उन्हें गुमराह किया था।

अगले साल रिलीज होगी ‘लव एंड वॉर’, भंसाली की प्रेम कहानी में दिखेंगे रणबीर, आलिया और विक्की कौशल

मुंबई। बॉलीवुड में जब भी बड़े पैमाने की फिल्मों की बात होती है, तो संजय लीला भंसाली का नाम अपने आप सामने आ जाता है। अब एक बार फिर वह दर्शकों के लिए एक बड़ी और खास फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम है ‘लव एंड वॉर’... इस फिल्म को लेकर पहले से ही काफी चर्चा हो रही है। इसकी रिलीज डेट सामने आने के बाद दर्शकों का उत्साह और बढ़ गया है।

फिल्म की स्टार कास्ट काफी दमदार है। इसमें रणबीर कपूर, विक्की कौशल और आलिया भट्ट जैसे बड़े कलाकार नजर आएंगे। इस बीच मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है।

दरअसल, मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा कर इसकी रिलीज डेट की घोषणा की। इस तस्वीर में संजय लीला भंसाली के साथ रणबीर, विक्की और आलिया नजर आ रहे है। मेकर्स ने बताया कि यह फिल्म अगले साल गणतंत्र दिवस से पहले आएगी। यह फिल्म 21 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'लव एंड वॉर' एक प्रेम कहानी है। साथ ही इसमें भावनाओं और संघर्ष से भरे सीन्स भी देखने को मिलेंगे। यह फिल्म खास इसलिए भी है क्योंकि इसमें भंसाली पहली बार विक्की कौशल के साथ काम कर रहे हैं। वहीं, रणबीर कपूर के साथ उनकी ये दूसरी फिल्म है, इससे पहले वह फिल्म ‘सांवरिया’ में उनके साथ काम कर चुके हैं। इसके अलावा, आलिया भट्ट के साथ वह ‘गंगूबाई काठियावाड़ी’ के बाद फिर से काम कर रहे हैं। 'लव एंड वॉर' की रिलीज डेट को लेकर चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि उसी समय कुछ और बड़ी फिल्मों के आने की संभावना है। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है।

शाहीन ने बॉयफ्रेंड ईशान मेहरा संग तस्वीरों में फ्लॉन्ट की डायमंड रिंग, बहन आलिया भट्ट ने लुटाया प्यार

मुंबई। अभिनेत्री आलिया भट्ट की बहन और लेखिका शाहीन भट्ट ने सोशल मीडिया पर ईशान मेहरा के साथ तस्वीरें साझा की है, जिसके बाद दोनों की सगाई की अटकलें तेज हो गई हैं। तस्वीर में एक डायमंड रिंग दिखाई दे रही है। शाहीन भट्ट ने रिंग फ्लॉन्ट करते हुए अपने रिश्ते को सार्वजनिक कर दिया है और बॉलीवुड हस्तियों ने सोशल मीडिया पर इस जोड़े को शुभकामनाएं दी हैं।

शाहीन भट्ट ने सोशल मीडिया पर ईशान मेहरा के साथ जो फोटोज पोस्ट की उनमें वे अपनी रिंग फिंगर में सजी डायमंड की रिंग फ्लॉन्ट कर रही हैं, जबकि दूसरी फोटो में दोनों एक साथ क्वाविटी टाइम बिता रहे हैं।

शाहीन ने कैप्शन में लिखा, ‘हमने एक-दूसरे को पसंद करने के मामले में शायद कुछ ज्यादा ही कर दिया।’

पोस्ट के सामने आते ही बॉलीवुड सिलेब्स कपल पर खुलकर प्यार लुटा रहे हैं। खुद आलिया भट्ट ने बहन को रिश्ते के नए पड़ाव पर दिल खोकर बधाई की है। उन्होंने कमेंट कर लिखा, ‘बहुत सारे प्यार से भरे संदेश भेज रही हूं’।

वहीं अभिनेत्री अनन्या पांडे, शनाया कपूर, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरी, डिजाइनर मसाबा गुप्ता, परिणीति चोपड़ा, राइटर नव्या नवेली नंदा, अथिया शेट्टी समेत कई सेलेब्स ने कमेंट कर प्यार लुटाया है। अनन्या पांडे ने कमेंट कर लिखा, शाहीन! आपके लिए बहुत खुश हूं, आपको ढेर सारा प्यार और खुशियां।’ वहीं मसाबा गुप्ता ने लिखा, ‘शाहीन को बहुत-बहुत बधाई , यह बहुत ही खूबसूरत है। आपको ढेर सारा प्यार और खुशी मिले।

बता दें कि ईशान मेहरा एक फिटनेस कोच हैं और सोशल मीडिया पर उन्हें 8 हजार से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं।

मीडिया रिपोर्ट की मानें तो ईशाम पूर्व अंतरराष्ट्रीय तैराक भी रहे हैं और वहीं उन्होंने अपने फिटनेस जर्नी की शुरुआत की थी। ईशान का सोशल मीडिया फिटनेस वीडियो से भरा है। वे जिम में पसीना बहाते हुए दूसरों को भी ट्रेन कर रहे हैं।

शाहीन, आलिया भट्ट की बड़ी बहन हैं और लाइमलाइट से दूर रहती हैं। दोनों बहनों का रिश्ता बहुत गहरा है और आलिया ने शाहीन के डिप्रेशन का जिक्र भी कई बार किया है। शाहीन ने डिप्रेशन को लेकर खुद एक किताब ‘आई हैव नेवर बीन अनहैप्पी’ भी लिखी थी। उसी वक्त उन्होंने अपनी जिंदगी के सबसे डार्क फेस के बारे में दुनिया को बताया था।

मां बनने के बाद बढ़ते वजन पर ट्रोल करने वालों को भड़कीं पत्रलेखा, कहा- अभी-अभी बच्चे को जन्म दिया है

मुंबई। सोशल मीडिया की दुनिया जितनी तेज और चमकदार दिखती है, उतनी ही तनावपूर्ण भी होती है। खासकर फिल्मी सितारों के लिए यह दबाव और भी बढ़ जाता है, जहां हर बदलाव के साथ यूजर्स के कमेंट्स से गुजरना पड़ता है। इस कड़ी में अभिनेत्री पत्रलेखा को भी ऑनलाइन आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। मां बनने के बाद उनके बढ़ते वजन को लेकर लोग लगातार कमेंट्स कर रहे हैं। इस पर पत्रलेखा ने ट्रोलर्स को करार जवाब दिया।पत्रलेखा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने हाल ही में एक बच्चे को जन्म दिया है और यह उनके शरीर में आए बदलाव का सबसे बड़ा कारण है।

पत्रलेखा ने उन लोगों को निशाने पर लिया, जो लगातार उनके बढ़ते हुए वजन पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, ‘ 'मुझे क्या हुआ है, इसका जवाब यही है कि मैंने अभी-अभी एक बच्चे को जन्म दिया है। यह बदलाव पूरी तरह से प्राकृतिक प्रक्रिया का हिस्सा है। लोगों को ऐसा लगता है जैसे मैंने जरूरत से ज्यादा खा लिया हो, जबकि सच्चाई यह है कि मैंने इस दौरान एक नई जिंदगी को जन्म दिया है।पत्रलेखा ने कहा, ‘ 'प्रेग्नेंसी के दौरान और उसके बाद शरीर में बदलाव आना पूरी तरह सामान्य बात है, लेकिन सोशल मीडिया पर लोग बिना समझे तुरंत कमेंट कर देते हैं।

इजरायल-लेबनान सीजफायर का वैश्विक स्तर पर स्वागत, खाड़ी देशों ने उल्लंघन से बचने पर दिया जोर

नई दिल्ली। इजरायल और लेबनान के बीच दस दिनों का सीजफायर हुआ है। सीजफायर की खबर से लेबनान के लोगों में खुशी और जश्न का माहौल है। लोग खुशी से पटाखे जला रहे हैं। वहीं, दुनिया के अन्य देशों के नेताओं ने भी सीजफायर के फैसले का स्वागत किया है।

ईरान ने लेबनान और इजरायल के बीच हुए सीजफायर का स्वागत किया। सरकारी मीडिया तस्नीम के मुताबिक, विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि ईरान लेबनान में सीजफायर का स्वागत करता है।

ईरानी प्रवक्ता ने फिर से दोहराया कि लेबनान ईरान और अमेरिका के बीच हुए सीजफायर का हिस्सा है। हालांकि, अमेरिका ने जोर देकर कहा है कि लेबनान उस समझौते में शामिल नहीं था और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि यह एक गलतफहमी थी।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि वह सीजफायर का पूरा समर्थन करते हैं। हालांकि, मैक्रों ने शुक्रवार को एक्स पोस्ट में यह भी चिंता जताई कि मिलिट्री ऑपरेशन जारी रहने से समझौता पहले ही कमजोर हो सकता है।

उन्होंने कहा, 'मैं लेबनान और इजरायल के बीच बॉर्डर के दोनों तरफ आम लोगों की सुरक्षा की मांग करता हूं। हिज्बुल्लाह को अपने हथियार छोड़ने होंगे। इजरायल को लेबनान की आजादी का सम्मान करना चाहिए और युद्ध रोकना चाहिए।' पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी सीजफायर का स्वागत करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मैं लेबनान में सीजफायर की घोषणा का स्वागत करता हूं, जिसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में हिम्मत और समझदारी भरी डिप्लोमैटिक कोशिशों से आसान बनाया गया है और उम्मीद करता हूं कि इससे पक्की शांति का रास्ता बनेगा।'

पीएम शहबाज ने कहा कि पाकिस्तान लेबनान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए अपने पक्के समर्थन की फिर से पुष्टि करता है और इस इलाके में पक्की शांति के लिए सभी कोशिशों का समर्थन करता रहेगा।

संयुक्त अरब अमीरात ने उम्मीद जताई कि सीजफायर क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अच्छा माहौल बनाने की दिशा में एक अच्छा कदम बनेगा।

जॉर्डन ने लेबनान के शीर्ष नेतृत्व की सकारात्मक भूमिका की सराहना की और लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन, प्रधानमंत्री नवाफ सलाम और लेबनानी पार्लियामेंट के स्पीकर नबीह बेरी का जिक्र किया।

यूक्रेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सचिव उमेरोव ने अजित डोभाल और जयशंकर से की मुलाकात, द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा

नई दिल्ली। यूक्रेन की राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद के सचिव रुस्तम उमेरोव ने शुक्रवार को भारत दौरे के दौरान एनएसए अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों, सहयोग और रूस-यूक्रेन संघर्ष की मौजूदा स्थिति पर चर्चा हुई।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए लिखा, ''यूक्रेन की राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद के सचिव रुस्तम उमेरोव ने 17 अप्रैल 2026 को एनएसए अजीत डोभाल से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष पर चर्चा की। एनएसए ने भारत के सैद्धांतिक रुख को दोहराया और बातचीत तथा कूटनीति के माध्यम से शांतिपूर्ण समाधान पर जोर दिया।''

भारत दौरे के दौरान यूक्रेन की राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद के सचिव रुस्तम उमेरोव ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से भी मुलाकात की।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए लिखा, 'यूक्रेन की राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद के सचिव रुस्तम उमेरोव से मिलकर खुशी हुई। हमने अपने द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की और यूक्रेन संघर्ष पर विचारों का आदान-प्रदान किया।''

वैश्विक तनातनी के हालातों के बीच यूक्रेन की राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद के सचिव रुस्तम उमेरोव का यह दौरा भारत के संबंधों को और बेहतर करने लिहाज से काफी अहम माना जा रहा है।

मिडिल ईस्ट में लंबे तनाव के बाद, पहले ईरान-अमेरिका सीजफायर और अब इजरायल-लेबनान सीजफायर के बाद हालात कुछ बेहतर होते दिख रहे हैं। ईरान ने हालातों को बेहतर बनाते हुए शुक्रवार को एक बड़ा फैसला लिया। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने लेबनान में जारी सीजफायर के संदर्भ में एक अहम घोषणा करते हुए कहा कि होर्मुज स्ट्रेट सभी कमर्शियल जहाजों के लिए पूरी तरह खोल दिया गया है। ईरान के इस फैसले पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी सराहना की। ट्रंप ने होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोलने के लिए ईरान को धन्यवाद किया। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक माना जाता है, जहां से वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। अब सभी कमर्शियल जहाजों के लिए यह रास्ता पूरी तरह खुलने से विश्व व्यापर को बड़ी राहत मिलेगी।

बीएलएफ ने पाक आर्मी कैंप पर किए हमले, हाईवे ब्लॉकेड का दावा

क्वेटा। बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने बलूचिस्तान प्रांत के झाओ इलाके में एक पाकिस्तानी सैन्य शिविर पर हमले और खरान क्षेत्र में एक प्रमुख राजमार्ग को अवरुद्ध करने की जिम्मेदारी ली है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, यह दावा समूह द्वारा जारी एक बयान में किया गया है।

बीएलएफ के प्रवक्ता मेजर ग्वाहराम बलोच ने बताया कि समूह के लड़ाकों ने 12 अप्रैल को झाओ के कोहाडू इलाके में स्थित एक सैन्य शिविर पर हमला किया, जिसमें कई सैनिक मारे गए या घायल हुए। 'द बलूचिस्तान पोस्ट' के अनुसार, उन्होंने कहा कि हमले की शुरुआत शिविर की सुरक्षा में तैनात एक सैन्य कर्मी पर स्नाइपर फायरिंग से हुई, जिसके बाद रॉकेट लॉन्चर और ऑटोमैटिक हथियारों से समन्वित हमला किया गया।

समूह के प्रवक्ता ने कहा, 'इस ऑपरेशन के परिणामस्वरूप शिविर को भारी नुकसान पहुंचा और कई सैन्य कर्मी मारे गए या घायल हुए।'

'एक अलग कार्रवाई में, बीएलएफ ने 14 अप्रैल को खरान के सरावान इलाके में नौरोज़ाबाद रोड को कई घंटों तक अपने नियंत्रण में लेकर अवरुद्ध कर दिया। इस दौरान लड़ाकों ने वाहनों की तलाशी भी ली। बीएलएफ ने परिवहनकर्ताओं को पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के साथ सहयोग न करने की चेतावनी देते हुए कहा कि जो लोग लॉजिस्टिक्स या कर्मियों के आवागमन में मदद करेंगे, उन्हें 'सीधे निशाना बनाया जाएगा।' बयान में समूह ने कहा, 'जो भी दुश्मन की रसद या कर्मियों की आवाजाही में मदद करेगा, उसे सीधे निशाना बनाया जाएगा।'

समूह ने यह भी दोहराया कि वह बलूचिस्तान की 'पूर्ण स्वतंत्रता' हासिल होने तक पाकिस्तानी बलों और उनके 'सहयोगियों' के खिलाफ सशस्त्र हमले जारी रखेगा।

मार्च में भी बीएलएफ ने बलूचिस्तान में दूरसंचार ढांचे और फ्रंटियर कॉर्प्स (एफसी) की चौकी को निशाना बनाकर किए गए कई समन्वित हमलों की जिम्मेदारी ली थी, जिनमें सुरक्षा बलों को नुकसान और बुनियादी ढांचे को भारी क्षति पहुंचने की बात कही गई थी। मीडिया बयान में बीएलएफ के प्रवक्ता मेजर ग्वाहराम बलोच ने बताया कि 26 मार्च को हब चौकी के भावानी इलाके में समूह के लड़ाकों ने एक मोबाइल टावर साइट पर हमला कर मशीनरी को आग के हवाले कर दिया। उनका आरोप था कि इस टावर का इस्तेमाल निगरानी के लिए किया जा रहा था। इसके अलावा, 22 मार्च को केच जिले के शहरक क्षेत्र के चारफनोक इलाके में बीएलएफ के लड़ाकों ने एक एफसी पोस्ट पर रॉकेट से हमला किया।

भारत-चीन ने एससीओ द्विपक्षीय परामर्श का किया आयोजन, आपसी सहयोग जारी रखने पर दिया जोर

नई दिल्ली। भारत और चीन ने 16-17 अप्रैल को नई दिल्ली में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) द्विपक्षीय परामर्श आयोजित किया। भारत के एससीओ के राष्ट्रीय समन्वयक आलोक ए. डिमरी और चीन के राष्ट्रीय समन्वयक राजदूत यान वेनबिन ने संबंधित प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व किया।

दोनों पक्षों ने एससीओ नेताओं के फैसलों को लागू करने और संगठन के भविष्य के बारे में विचारों का आदान-प्रदान किया। दोनों पक्ष एससीओ मामलों में आपसी सहयोग और सलाह-मशविरा जारी रखने और उसे मजबूत करने पर सहमत हुए।

दोनों डेलीगेशन ने मिलकर सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज से एसीसीओ फ्रेमवर्क के अंदर सुरक्षा, व्यापार, कनेक्टिविटी और लोगों के बीच संबंधों के क्षेत्र में सहयोग की समीक्षा करने के लिए मुलाकात की। दोनों पक्ष भविष्य में आपसी सलाह-मशविरा जारी रखने पर सहमत हुए।

सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने इससे पहले ताजिकिस्तान के विदेश मंत्री सिरोजिद्दीन मुहरिद्दीन से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने दोनों देशों के रिश्तों और क्षेत्रीय व वैश्विक मामलों पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय ने बताया था कि दुशांबे की अपनी यात्रा के दौरान, सिबी जॉर्ज ने ताजिकिस्तान के उप विदेश मंत्री इदिबेक कलंदर के साथ मिलकर भारत-ताजिकिस्तान विदेश कार्यालय परामर्श के पांचवें दौर की सह-अध्यक्षता भी की। दोनों पक्षों ने आपसी हित के क्षेत्रों जैसे व्यापार और आर्थिक संबंध, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, फिनटेक, फार्मास्यूटिकल्स, संस्कृति और लोगों से लोगों के बीच संपर्क को कवर करते हुए द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया, 'सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने ताजिकिस्तान गणराज्य के विदेश मंत्री सिरोजिद्दीन मुहरिद्दीन से मुलाकात की। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।' उन्होंने कहा, 'दुशांबे में भारत-ताजिकिस्तान विदेश कार्यालय परामर्श का पांचवां दौर भी आयोजित किया गया, जिसकी सह-अध्यक्षता सचिव (पश्चिम) और उप विदेश मंत्री इदिबेक कलंदर ने की। उन्होंने वर्तमान द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा की, जिसमें व्यापार और आर्थिक संबंध, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, फिनटेक, फार्मास्यूटिकल्स, संस्कृति और लोगों से लोगों के बीच संपर्क जैसे आपसी हित के क्षेत्र शामिल थे।'

तेल रिफाइनरी में लगी आग का ऑस्ट्रेलियाई ईंधन सप्लाई पर बहुत कम असर होगा: पीएम अल्बानीज

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के दो तेल रिफाइनरी में आग लगने की घटना सामने आई। इस मामले में प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने शुक्रवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया की दो तेल रिफाइनरियों में से एक में लगी भीषण आग का फ्यूल प्रोडक्शन पर बहुत कम असर पड़ेगा। पीएम अल्बानीज शुक्रवार को ब्रुनेई और मलेशिया के आधिकारिक दौरे से जल्दी लौट आए। उन्होंने मेलबर्न के दक्षिण-पश्चिम में वीवा एनर्जी की रिफाइनरी में हुए नुकसान का मुआयना किया। बुधवार रात इक्विपमेंट फेल होने से आग लग गई थी, जिसे गुरुवार दोपहर के आसपास बुझा दी गई। रिफाइनरी में मीडिया से बात करते हुए पीएम अल्बानीज ने कहा कि मिडिल ईस्ट में लड़ाई की वजह से तेल सप्लाई में आए संकट के बीच आग लगने का समय अफसोस की बात थी, लेकिन इसका प्रोडक्शन पर बहुत कम असर पड़ेगा।

ऑस्ट्रेलिया : साउथवेस्ट सिडनी में फिर चाकूबाजी की घटना, एक शख्स घायल

सिडनी। दक्षिण-पश्चिम सिडनी में देर रात चाकूबाजी के हमले में एक शख्स घायल हो गया। व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया और पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। वहीं, मंगलवार को हुई एक अलग चाकूबाजी की घटना के सिलसिले में एक किशोर लड़के पर आरोप लगाए गए हैं।

न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) राज्य की पुलिस फोर्स ने शुक्रवार को कहा कि गुरुवार रात 11:50 बजे सेंट्रल सिडनी से 13 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में किंग्सग्रोव में इमरजेंसी सर्विस को बुलाया गया था। इमरजेंसी सेवा जैसे ही वहां पहुंची तो देखा कि एक आदमी के कंधे पर चाकू के घाव थे।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस अधिकारियों को बताया गया कि 44 साल के आदमी ने अपनी गाड़ी रोकी थी, तभी दो अनजान लोग आए और उसे चाकू मारकर मोटरसाइकिल पर मौके से भाग गए।

एम्बुलेंस पैरामेडिक्स ने घायल शख्स का इलाज किया और उसे स्थिर हालत में हॉस्पिटल ले जाया गया। वहीं पुलिस ने क्राइम सीन का पता लगाकर जांच शुरू कर दी।

एक अलग बयान में, एनएसडब्ल्यू पुलिस ने गुरुवार रात को कहा कि मंगलवार रात एक लाइट रेल सर्विस पर चाकू से हमला करने के आरोप में एक 15 साल के लड़के को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने 15 साल के लड़के पर चाकू से हमला किया।

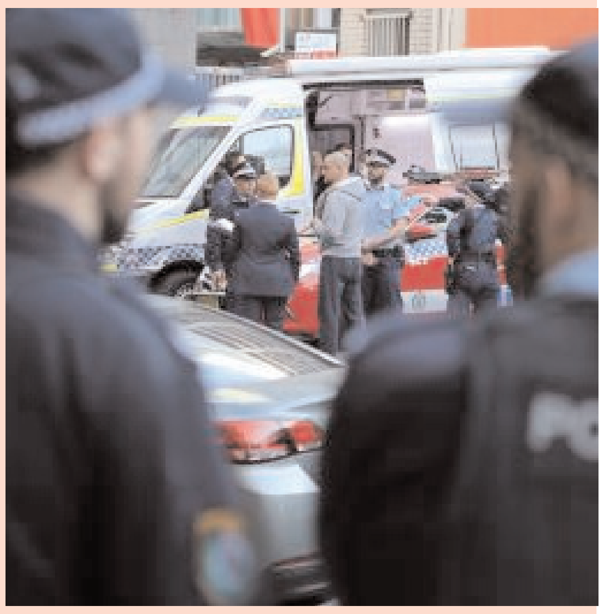

आरोपी उन दो लड़कों में से एक था, जिन्होंने सेंट्रल सिडनी में सर्विस पर एक तीसरे लड़के पर हमला किया था। पीड़ित लड़के की उम्र भी 15 साल थी। पीड़ित को बाएं हाथ में चाकू लगी, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, उसकी हालत अभी स्थिर है।

गुरुवार सुबह सिडनी के इनर-वेस्ट इलाके में एक घर से अधिकारियों ने आरोपी को गिरफ्तार किया और उस पर एक व्यक्ति को गंभीर शारीरिक नुकसान पहुंचाने के इरादे से घायल करने का आरोप लगाया। पुलिस ने कहा कि दूसरे लड़के का पता लगाने के लिए जांच जारी है। फरवरी की शुरुआत में, पश्चिमी सिडनी में चाकू से हमले के बाद एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल होने पर अस्पताल में भर्ती हुए थे। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) राज्य में पुलिस बल ने कहा था कि 17 फरवरी को स्थानीय समय के अनुसार सुबह करीब 10 बजे, सेंट्रल सिडनी से 20 किलोमीटर पश्चिम में, मेरीलैंड्स के उपनगर की एक मुख्य सड़क पर चाकूबाजी की घटना की सूचना पर इमरजेंसी सेवाएं पहुंचीं।

पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्हें बताया गया कि एक आदमी ने कई लोगों को चाकू मारा और फिर पैदल ही इलाके से निकल गया। इस घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका एम्बुलेंस पैरामेडिक्स में इलाज किया गया। हालांकि, इलाज के दौरान एक की मौके पर ही मौत हो गई। बाकी दो को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने क्राइम सीन बनाया और बड़ी तलाशी के बाद पास से एक आदमी को गिरफ्तार किया।

खैबर पख्तूनख्वा में फंड की कमी से कैंसर मरीजों का मुफ्त इलाज प्रभावित

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के तीन प्रमुख मेडिकल शिक्षण संस्थानों में कैंसर मरीजों के मुफ्त इलाज पर फंड की कमी के कारण असर पड़ा है। स्थानीय मीडिया ने शुक्रवार को अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी।

पाकिस्तान के स्वास्थ्य सचिव शाहिदुल्लाह खान ने बताया कि वह कैंसर मरीजों का इलाज फिर से शुरू कराने के लिए योजना एवं विकास विभाग के संपर्क में हैं, ताकि फंड का पुनः आवंटन किया जा सके। 'डॉन' अखबार के अनुसार, हयाताबाद मेडिकल कॉम्प्लेक्स (एचएमसी) और खैबर टीचिंग हॉस्पिटल (केटीएच), पेशावर तथा अयूब टीचिंग हॉस्पिटल (एटीएच), एबटाबाद में पंजीकृत 1,000 से अधिक गरीब मरीज दवाओं के इंतजार में हैं।

सूत्रों के मुताबिक, वर्ष 2025-26 के लिए इस मुफ्त उपचार कार्यक्रम हेतु 1,500 मिलियन पाकिस्तानी रुपये की जरूरत थी, लेकिन अब तक केवल 820 मिलियन रुपये जारी किए गए हैं, जबकि शेष 680 मिलियन रुपये जारी होना बाकी है। अब तक अगस्त 2025 से एटीएच में 347 मरीजों को मुफ्त दवाएं दी गई हैं। अस्पताल को आखिरी बार दिसंबर 2025 में दवाएं मिली थीं और अब स्टॉक खत्म होने की कगार पर है। इसी तरह केटीएच में दवाओं का स्टॉक पूरी तरह समाप्त हो चुका है और वहां 623 पंजीकृत मरीज दवाओं की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

मुफ्त दवा योजना से जुड़े ऑन्कोलॉजिस्ट्स का कहना है कि इस कार्यक्रम से अब तक 10,000 से अधिक मरीज लाभान्वित हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि यह योजना सभी मरीजों के लिए शुरू की गई थी और अस्पताल अंतिम चरण के कैंसर मरीजों को इलाज से मना नहीं कर सकते। डॉक्टरों के अनुसार, मुफ्त दवा बंद होने से कई मरीजों की मौत हो सकती है, क्योंकि कैंसर की दवाएं बेहद महंगी होती हैं। इस बीच, पाकिस्तान के रावलपिंडी स्थित बोहोर बाजार समेत खुले बाजार में दवाओं की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हुई है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, दवाओं के दाम 50 प्रतिशत से लेकर 500 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर की दवाओं, एंटीबायोटिक्स, पेट से जुड़ी बीमारियों और खांसी की दवाओं की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई है। इंसुलिन इंजेक्शन डिवाइस की कीमत 2,200 रुपये से बढ़कर 4,720 रुपये हो गई है। विटामिन-बी सप्लीमेंट की कीमत 500 रुपये से बढ़कर 600 रुपये हो गई है। अपच और एसिडिटी की दवा का पैकेट 530 रुपये से बढ़कर 620 रुपये का हो गया है। न्यूट्रिशनल सप्लीमेंट और विटामिन टैबलेट्स के पैक की कीमत 480 रुपये से बढ़कर 510 रुपये हो गई है। थायरॉयड की दवा की कीमत 85 रुपये से बढ़कर 290 रुपये हो गई है, जबकि टाइफाइड के सामान्य इलाज की दवा 805 रुपये से बढ़कर 930 रुपये हो गई है।

कई अन्य जीवनरक्षक दवाओं के दाम भी बढ़े हैं। आलोचकों ने इस बढ़ोतरी को 'असहनीय' बताया है और कहा है कि 2,000 से 5,000 रुपये तक पहुंच चुकी इंसुलिन डिवाइस जैसी जरूरी चीजें गरीब मरीजों की पहुंच से बाहर हो रही हैं।

'हमें आपसे खूब प्यार मिला...', आर्टेमिस II मिशन को वैश्विक समर्थन पर एस्ट्रोनॉट्स ने जताया आभार

नई दिल्ली। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के आर्टेमिस II के एस्ट्रोनॉट्स रीज वाइजमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसेन धरती पर सुरक्षित लौट आए हैं। उन्होंने मिशन के बाद पहली बार सार्वजनिक बयान देते हुए स्पेस और चांद का रोमांचक अनुभव साझा किया और दुनिया भर से मिले अपार समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

क्रू सदस्यों ने भावुक होते हुए कहा कि पृथ्वी से दूर चांद के आसपास का अनुभव जीवन बदलने वाला था। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह मिशन युवाओं को विज्ञान और अंतरिक्ष की ओर प्रेरित करेगा। मिशन के कमांडर रीड वाइजमैन ने बताया, 'विक्टर, क्रिस्टीना, जेरेमी... आप सबका धन्यवाद। यह एक अविश्वसनीय रोमांच था और यह इस क्रू और पूरी यात्रा के दौरान एक-दूसरे के सहयोग से ही संभव हो पाया। हमारे बीच हमेशा के लिए एक खास रिश्ता बन चुका है। चार इंसान इससे ज्यादा करीब नहीं हो सकते, सिवाय इसके कि वे एक परिवार हों।'

वाइजमैन ने पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने ओरियन स्पेसक्राफ्ट को 'ओटे-इटीग्रेटी' नाम दिया और कहा कि नासा और उसके अंतरराष्ट्रीय साझेदारों ने यह शानदार मशीन तैयार की, जो चार इंसानों को चांद के चारों ओर घुमाकर सुरक्षित वापस ला सकी। उन्होंने मीडिया और दुनियाभर के लोगों का भी आभार जताया, जिन्होंने मिशन पर ध्यान दिया और उससे जुड़े। वाइजमैन ने कहा, 'जब हम घर लौटे तो हम हैरान रह गए कि दुनिया भर से इस मिशन के लिए कितना जबरदस्त समर्थन, गर्व और अपनापन मिला। हम यही चाहते थे कि कुछ ऐसा करें जो दुनिया को एक साथ लाए और एकजुट करे।' मिशन स्पेशलिस्ट क्रिस्टीना कोच भावुक नजर आईं। उन्होंने कहा, 'हमने यह सब मिलकर किया है। हम आपके दिलों को अपने साथ ले गए थे और आपके दिलों ने हमारे दिलों को खुश कर दिया।'

तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनाव के दौरान 865 करोड़ रुपए से ज्यादा की जब्ती की

नई दिल्ली। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चल रहे विधानसभा आम चुनाव और उपचुनावों के दौरान प्रवर्तन एजेंसियों ने 865 करोड़ रुपए से अधिक की सामग्री जब्त की है। भारत निर्वाचन आयोग ने 15 मार्च 2026 को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनावों का कार्यक्रम घोषित किया था। आयोग ने सभी राज्यों को सख्त निर्देश दिए हैं कि आदर्श आचार संहिता का पूरी तरह पालन किया जाए और चुनाव पूरी तरह निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और बिना किसी प्रलोभन के कराए जाएं।

चुनाव को स्वच्छ और भयमुक्त बनाने के लिए दोनों राज्यों में विशेष टीमें तैनात की गई हैं। पश्चिम बंगाल में 2,728 और तमिलनाडु में 2,283 फ्लाइंग स्क्वाड टीमें लगाई गई हैं। इन टीमों का काम है कि किसी भी शिकायत पर 100 मिनट के अंदर कार्रवाई की जाए। इसके अलावा पश्चिम बंगाल में 3,142 और तमिलनाडु में 2,221 स्थिर निगरानी टीमें भी लगाई गई हैं, जो अचानक नाकेबंदी और चेकिंग करती हैं।

26 फरवरी 2026 से अब तक की जब्ती का आंकड़ा काफी चौंकाने वाला है। पश्चिम बंगाल में 427 करोड़ रुपए और तमिलनाडु में 438 करोड़ रुपए की कुल सामग्री जब्त की गई है। दोनों राज्यों में मिलाकर 99 करोड़ रुपए नकद, 32 लाख 91 हजार लीटर से ज्यादा शराब, 174 करोड़ रुपए के नशीले पदार्थ, 159 करोड़ रुपए की कीमती धातु और 350 करोड़ रुपए के अन्य मुफ्त उपहार जब्त किए गए हैं। कुल मिलाकर यह राशि 865 करोड़ रुपए से अधिक हो गई है। निर्वाचन आयोग ने सभी प्रवर्तन अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जांच और छापेमारी के दौरान आम लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो। अगर किसी को कोई दिक्कत हो तो उसके लिए जिला स्तर पर शिकायत समितियां भी बनाई गई हैं। आम नागरिक और राजनीतिक दल अब मोबाइल ऐप के जरिए आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत आसानी से दर्ज करा सकते हैं। चुनाव आयोग का मानना है कि इन सख्त कदमों से चुनावी प्रक्रिया को स्वच्छ और निष्पक्ष बनाया जा सकेगा।

इजरायल-लेबनान युद्धविराम का भारत ने किया स्वागत, शांति की दिशा में हर कदम का समर्थन

नई दिल्ली। भारत ने शुक्रवार को इजरायल और लेबनान के बीच हुए युद्धविराम का स्वागत करते हुए कहा कि वह शांति की दिशा में उठाए गए हर कदम का समर्थन करता है।

नई दिल्ली में साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा, 'हम युद्धविराम का स्वागत करते हैं। हम हर उस कदम का स्वागत करते हैं जो शांति की ओर ले जाता है।'

विदेश मंत्रालय का यह बयान उस घोषणा के बाद आया है, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को इजरायल और लेबनान के बीच युद्धविराम की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य ईरान से जुड़े एक और मोर्चे पर अस्थायी रूप से तनाव कम करना है। लेबनान सीधे तौर पर इज़राइल के साथ औपचारिक युद्ध में शामिल नहीं है, लेकिन दक्षिणी लेबनान के बड़े हिस्सों पर हिजबूल्लाह का नियंत्रण है। इस संगठन ने इजरायल पर कई हमले किए हैं, जिसके जवाब में इजरायल ने भी जवाबी कार्रवाई की है। हिजबूल्लाह पर नियंत्रण करने में असमर्थ रहने के कारण लेबनान को इजरायली जवाबी हमलों का खामियाजा भुगतना पड़ा है। जब इजरायल द्वारा भारत से हमास को आतंकवादी संगठन घोषित करने के अनुरोध और उसे निरस्त्र करने की नीति के बारे में पूछा गया, तो जायसवाल ने कहा, 'हमारे पास एक प्रक्रिया है और ऐसे मुद्दों को उसी प्रक्रिया के तहत संबोधित किया जाता है।' गुरुवार को इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने दुनियाभर के प्रमुख हिंदू नेताओं के एक समूह के साथ बातचीत के दौरान इस बात पर जोर दिया कि भारत को हमास को आतंकवादी संगठन घोषित करना चाहिए। गिदोन सार ने कहा, 'मैंने इस बात के महत्व पर जोर दिया कि भारत हमास को आतंकवादी संगठन घोषित करे। हमास के सभी अन्य कट्टरपंथी इस्लामी आतंकी संगठनों, जिसमें लश्कर ए तैयबा भी शामिल है, से संबंध हैं।' इजरायली विदेश मंत्री ने कहा कि वह इस विशिष्ट समूह को जानकारी देकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने भारत के साथ इजरायल के संबंधों में मजबूती के सकारात्मक रुझानों और इस रिश्ते के महत्व के बारे में बात की। साथ ही मैंने उस ऐतिहासिक अभियान का भी उल्लेख किया, जिसे इजरायल पिछले ढाई वर्षों से कट्टरपंथी इस्लाम के खिलाफ लड़ने के लिए मजबूर हुआ है।'

संक्षिप्त खबर

मौसम का बदला मिजाज, आसमान पर छाए काले बादल, हल्की बूंदाबांदी से मिली लोगों को राहत

नोएडा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में भीषण गर्मी के बीच शुक्रवार को मौसम ने अचानक करवट ली और लोगों को तपती धूप से राहत मिली। दोपहर बाद आसमान में काले बादल छा गए, जिसके साथ तेज हवाएं चलीं और कई इलाकों में हल्की बूंदाबांदी भी दर्ज की गई। मौसम के इस बदलाव से तापमान में गिरावट महसूस की गई और लोगों को गर्मी से अस्थायी राहत मिली। भारतीय मौसम विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से एनसीआर में तापमान लगातार बढ़ रहा था। शुक्रवार से पहले अधिकतम तापमान 37 से 39 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया जा रहा था, जबकि न्यूनतम तापमान 21 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ था।

विभाग ने पहले ही चेतावनी दी थी कि आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। मौसम विभाग की 7 दिनों की भविष्यवाणी के अनुसार, शुरुआत में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना जताई गई थी, जबकि इसके बाद लगातार साफ मौसम रहने का अनुमान है।

आंकड़ों के मुताबिक, अगले कुछ दिनों में अधिकतम तापमान 38, 39 और फिर 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। वहीं, न्यूनतम तापमान भी धीरे-धीरे बढ़कर 24 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। आईएमडी के रिकॉर्ड के अनुसार, 17 अप्रैल को न्यूनतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, लेकिन दिनभर उमस और तेज धूप ने लोगों को परेशान किया। हालांकि, शुक्रवार दोपहर बाद आए मौसम परिवर्तन ने इस स्थिति को कुछ हद तक संतुलित किया।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव प्री-समर वेदर एक्टिविटी का हिस्सा है, जिसमें तेज गर्मी के बीच अचानक बादल, धूल भरी आंधी और हल्की बारिश देखने को मिलती है। हालांकि, यह राहत ज्यादा समय तक नहीं रहने वाली है। आने वाले दिनों में एक बार फिर तेज धूप और गर्म हवाएं लोगों को परेशान कर सकती हैं। शुक्रवार का बदला हुआ मौसम भले ही कुछ समय के लिए राहत लेकर आया हो, लेकिन एनसीआर में गर्मी का प्रकोप अभी जारी रहने की पूरी संभावना है।

कर्नाटक : 'राजनीतिक हत्याओं पर लगेगा विराम' कांग्रेस विधायक की हत्या मामले में भाजपा का बयान

बेंगलुरु। कर्नाटक में भाजपा नेता योगेश गौड़ा हत्या मामले में कांग्रेस नेता और मौजूदा विधायक विनय कुलकर्णी से जुड़े केस में अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए विपक्ष के नेता आर. अशोका ने कहा कि यह फैसला राजनीतिक रूप से प्रेरित हत्याओं पर रोक लगाने में मील का पत्थर साबित होगा। आर. अशोका ने कहा, 'यह इस बात का अच्छा उदाहरण है कि जब राजनीतिक संरक्षण में अपराध किए जाते हैं तो उनका क्या अंजाम होता है। अगर इस मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को नहीं सौंपी जाती, तो यह केस पुलिस द्वारा दबा दिया जाता।

उन्होंने कहा कि अब सभी तथ्य सामने आ चुके हैं और दोषियों की पहचान हो चुकी है। अदालत ने माना है कि विनय कुलकर्णी इस हत्या के पीछे थे। यह फैसला राजनीतिक हत्याओं पर रोक लगाएगा और स्वागत योग्य है।

अशोका ने बताया कि इस मामले में दो गवाहों ने अहम गवाही दी। उल्लेखनीय है कि विधायकों/सांसदों के मामलों की विशेष अदालत ने सजा की अवधि (क्वांटम ऑफ पनिशमेंट) पर अंतिम दलीलें पूरी कर ली थीं और फैसला शुक्रवार के लिए सुरक्षित रखा था। भाषा के मुद्दे पर अशोका ने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि छात्रों के हिंदी पढ़ना शुरू करने से पहले ही सरकार को स्पष्ट नीति बनानी चाहिए थी। उन्होंने कहा, 'परीक्षाओं के दौरान 'तुगलकी' स्थिति पैदा करने की कोई जरूरत नहीं थी। मैं खुद कन्नड़ कार्यकर्ता रहा हूं और गोकाक आंदोलन के दौरान लाठीचार्ज में घायल भी हुआ हूं।' उन्होंने कहा कि होसुर और कासरगोड जैसे इलाकों में कन्नड़ व्यापक रूप से बोली जाती है, लेकिन वहां इसे पर्याप्त महत्व नहीं मिला तो समस्या खड़ी हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि उर्दू स्कूलों में पहले उर्दू, फिर अंग्रेजी और अंत में कन्नड़ पढ़ाई जाती है, जिससे तीन-भाषा फार्मूले की जरूरत और बढ़ जाती है। अशोका ने राज्य सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पद को लेकर अभी भी असमंजस की स्थिति है। उन्होंने कहा, 'सब लोग दिल्ली जा रहे हैं, जिससे सरकार निष्क्रिय हो गई है। हर मंत्री का बेटा अपने पिता को मुख्यमंत्री बता रहा है, जैसे हर घर में एक-एक कैबिनेट बन गई हो।' उन्होंने दावा किया कि दावणगेरे में मुस्लिम नेता भी कांग्रेस से नाराज हैं और मंत्री जमीर अहमद खान को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'पूरी पार्टी और सरकार भ्रम की स्थिति में है।

गोल्डन क्रिसेंट से बढ़ी ड्रग तस्करी, भारत में फैला नेटवर्क, सुरक्षा एजेंसिया अलर्ट

नई दिल्ली। नशीले पदार्थों की तस्करी पर भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की पैनी नजर बनी हुई है। खासकर पाकिस्तान-अफगानिस्तान के गोल्डन क्रिसेंट इलाके से आने वाले पदार्थों पर। एजेंसियों का कहना है कि इस इलाके से तस्करी काफी बढ़ गई है। पाकिस्तान बड़ी मात्रा में ड्रग्स भारत भेजने की कोशिश में लगा हुआ है।

गोल्डन क्रिसेंट में बढ़ती गतिविधियां इस बात का संकेत हैं कि पाकिस्तान से जुड़े लोग आतंकवादी गतिविधियों के लिए पैसे जुटाने की कोशिश कर रहे हैं।सुरक्षा एजेंसियों के अनुमान के मुताबिक, भारत में आने वाले करीब 65 प्रत?शत नशीले पदार्थ गोल्डन क्रिसेंट से आते हैं। बाकी का हिस्सा गोल्डन ट्रायंगल से आता है, जिसमें म्यांमार, लाओस और थाईलैंड शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, पाकिस्तान से जुड़े तस्कर अब ज्यादा ड्रग्स दक्षिण भारत की ओर भेज रहे हैं, जो केरल और तमिलनाडु तक पहुंच रहे हैं।

पहले ये ड्रग्स गुजरात और महाराष्ट्र के रास्ते भारत में आते हैं, फिर देश के अलग-अलग हिस्सों में पहुंचाए जाते हैं। इसके बाद घरेलू जरूरत पूरी होने के बाद इन्हें मालदीव और श्रीलंका तक भी भेजा जाता है। इस तरीके से तस्कर उत्तर और दक्षिण भारत दोनों जगह अपना नेटवर्क मजबूत कर रहे हैं।

एक अधिकारी ने बताया कि पूर्वोत्तर राज्यों में तस्करी का काम गोल्डन ट्रायंगल से जुड़े गिरोह संभालते हैं। खुफिया जानकारी के बाद एक उच्च स्तरीय बैठक हुई, जिसमें नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), नेशनल टेक्निकल रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (एनटीआरओ) और नौसेना के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में फैसला लिया गया कि गोल्डन क्रिसेंट से आने वाले ड्रग्स पर नजर रखने के लिए निगरानी कड़ी की जाएगी। खासकर तेज रफ्तार बोट और छोटी मछली पकड़ने वाली नावों पर नजर रखी जा रही है। हाल के समय में तस्कर बड़े पैमाने पर ड्रग्स लाने के लिए कमर्शियल शिपिंग कंटेनरों का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। गोल्डन क्रिसेंट से आने वाले ड्रग्स में मुख्य रूप से चरस और मेथामफेटामिन होते हैं। ड्रग तस्करी बढ़ने की जानकारी के बाद भारत अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर भी इस समस्या को रोकने की कोशिश कर रहा है। एक अधिकारी ने कहा, 'हमें सिर्फ अपने स्तर पर नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मिलकर काम करना जरूरी है।' भारत इस मामले में नेतृत्व की भूमिका निभाएगा, क्योंकि भौगोलिक रूप से यह गोल्डन क्रिसेंट के काफी करीब है और यहां ड्रग्स सबसे पहले पहुंचते हैं। हालांकि, लगातार तस्करी की कोशिश हो रही है। अधिकारियों का कहना है कि पिछले तीन महीनों में इसमें कुछ कमी आई है। निगरानी बढ़ा दी गई है और कई एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं। साथ ही, गोल्डन क्रिसेंट क्षेत्र में हाल की परिस्थितियों के कारण सप्लाई चेन में भी कुछ रुकावट आई है, जिससे असर पड़ा है।

झारखंड : सरकारी खजाने से 116 करोड़ के गबन मामले में सीआईडी ने मास्टरमाइंड समेत तीन के खिलाफ दाखिल की चार्जशीट

रांची। झारखंड के बहुचर्चित 'जेटीडीसीएल-ऊर्जा घोटाले' में सीआईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने इस महाघोटाले के मास्टरमाइंड अराध्य सेनगुप्ता उर्फ अर्नव गांगुली समेत तीन आरोपियों के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी है।

करीब 116 करोड़ रुपए से अधिक की इस हेराफेरी में सीआईडी ने अब तक की जांच में पाया है कि इन तीनों आरोपियों ने 9 करोड़ रुपए से ज्यादा की रकम का गबन किया। सीआईडी की जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपियों ने बेहद शातिराना तरीके से सरकारी खजाने में सेंध लगाई। इन्होंने झारखंड टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (जेटीडीसीएल) और ऊर्जा उत्पादन निगम जैसे संस्थानों को निशाना बनाया। घोटाले को अंजाम देने के लिए फर्जी लेटरहेड, जाली हस्ताक्षर और नकली आदेशों का सहारा लिया गया। आरोपियों ने बैंकों में सरकारी खातों से मिलते-जुलते नाम वाले 'फर्जी खाते' खुलवाए और सरकारी फंड को उनमें ट्रांसफर कर लिया।

इस गिरोह ने फिक्स्ड डिपॉजिट के नाम पर भी बड़ा खेल किया। विभिन्न बैंकों से कोटेशन मंगाए गए और कागजों में हेरफेर कर अधिक ब्याज दर दिखाई गई, ताकि चयन की प्रक्रिया को प्रभावित किया जा सके। एक बार बैंक फाइनल होने के बाद असली खातों के बजाय रकम को उन फर्जी खातों में डाल दिया गया, जो पहले से जालसाजों के नियंत्रण में थे।

सीआईडी ने इस मामले में दर्ज कांड संख्या 42/2024 में चार्जशीट दाखिल करते हुए बताया कि मास्टरमाइंड अराध्य सेनगुप्ता बीते 12 जनवरी से जेल में है। फिलहाल, दो अन्य आरोपी समीर कुमार और अरुण कुमार पांडेय जमानत पर हैं। इस घोटाले की जड़ें काफी गहरी हैं, जिसमें पर्यटन विभाग और बैंक से जुड़े कई अधिकारियों व बिचौलियों की भूमिका भी संदेह के घेरे में है।

सीआईडी ने संकेत दिए हैं कि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच अभी जारी है और आने वाले दिनों में कुछ और चेहरे बेनकाब हो सकते हैं।

योगी सरकार प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ और कसने जा रही वैज्ञानिक जांच का शिकंजा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ अब तकनीक और वैज्ञानिक जांच का शिकंजा और कसने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राज्य की पुलिसिंग को आधुनिक और परिणाम-उन्मुख बनाने के लिए उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस (यूपीएसआईएफएस) में बड़े स्तर पर क्राइम सीन एक्सपर्ट तैयार किए जा रहे हैं। संस्थान में पांच चरणों में 500 विशेषज्ञों को प्रशिक्षित करने की योजना पर काम तेजी से चल रहा है, जिनमें अब तक 300 एक्सपर्ट तैयार हो चुके हैं और बाकी दो बैच का प्रशिक्षण जल्द पूरा कर लिया जाएगा।

इस पहल की सबसे बड़ी खासियत यह है कि ये प्रशिक्षित अधिकारी केवल अपने तक जानकारी सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि अपने-अपने कमिश्नरेट और जिलों में जाकर अन्य पुलिसकर्मियों को भी प्रशिक्षित करेंगे। यानी यूपीएसआईएफएस में तैयार हो रहे ये एक्सपर्ट आगे पूरे प्रदेश में फॉरेंसिक पुलिसिंग की एक मजबूत श्रृंखला विकसित करेंगे। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में ये अफसर वर्कशॉप आयोजित कर आरक्षी से लेकर निरीक्षक स्तर तक के अफसरों को क्राइम सीन मैनेजमेंट, साइबर फॉरेंसिक, डिजिटल साक्ष्य संरक्षण और वैज्ञानिक जांच की बारीकियां सिखाएंगे, जिससे पुलिस बल की समग्र कार्यक्षमता में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। यूपीएसआईएफएस की यह पहल जांच प्रक्रिया को वैज्ञानिक आधार देने की दिशा में मील का पत्थर मानी जा रही है। प्रेशिक्षण के दौरान अधिकारियों को पारंपरिक जांच के साथ-साथ आधुनिक तकनीकों जैसे डिजिटल एविडेंस प्रिजर्वेशन, साइबर ट्रैकिंग, वैज्ञानिक सैंपलिंग और फॉरेंसिक एनालिसिस की गहन जानकारी दी जा रही है।

नोएडा में श्रम विभाग की बड़ी कार्रवाई, 203 संविदाकारों पर गिरी गाज

गौतमबुद्धनगर.। नोएडा और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों में श्रम कानूनों के उल्लंघन पर श्रम विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की। विभाग ने 24 कारखानों से जुड़े कुल 203 संविदाकारों के खिलाफ लाइसेंस निरस्तीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है, साथ ही संबंधित एजेंसियों को ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई भी की जा रही है।

अपर श्रमायुक्त राकेश द्विवेदी के अनुसार, हाल ही में श्रमिकों के आंदोलन के दौरान हुई तोड़फोड़ की घटनाओं में कुछ संविदाकारों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। जांच में यह भी सामने आया कि कई संविदाकार श्रम कानूनों का पालन नहीं कर रहे थे और श्रमिकों को उनके वैधानिक अधिकारों एवं हितलाभों से वंचित रखा जा रहा था। इसी आधार पर विभाग ने इन संविदाकारों को नोटिस जारी करते हुए लगभग 1 करोड़ 16 लाख 5 हजार रुपए की राशि श्रमिकों को भुगतान करने का आदेश दिया है।

श्रम विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह राशि श्रमिकों के बकाया वेतन और अन्य लाभों के रूप में उन्हें दी जानी है। यदि निर्धारित समय में भुगतान नहीं किया जाता है, तो संबंधित संविदाकारों के खिलाफ वसूली की कार्रवाई के साथ-साथ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। साथ ही अन्य संदिग्ध संविदाकारों की पहचान कर उनके खिलाफ भी कठोर कदम उठाने की तैयारी चल रही है।

वहीं, श्रमिकों की लंबे समय से चल रही वेतन वृद्धि की मांग को लेकर भी अहम निर्णय लिया गया है। शासन स्तर पर गठित उच्च स्तरीय समिति की सिफारिश के बाद गौतमबुद्धनगर और गाजियाबाद में 74 अनुसूचित नियोजनों में कार्यरत श्रमिकों के वेतन में 21 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। यह नई दरें 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी मानी जाएंगी, और इसका भुगतान 7 से 10 मई 2026 के बीच किया जाएगा।

श्रम विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि बढ़ी हुई वेतन दरें संविदा और स्थायी दोनों प्रकार के श्रमिकों पर समान रूप से लागू होंगी। कर्मचारियों के वेतन से केवल ईपीएफ और ईएसआई की ही कटौती मान्य होगी, इसके अलावा किसी भी प्रकार की कटौती गैरकानूनी मानी जाएगी। इसके अतिरिक्त श्रमिकों को ओवरटाइम का भुगतान दोगुनी दर से, साथ ही बोनस और ग्रेच्युटी जैसे लाभ भी दिए जाएंगे।

अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि कोई संविदाकार समय पर वेतन भुगतान नहीं करता या कम भुगतान करता है, तो उसके खिलाफ न केवल लाइसेंस रद्द किया जाएगा बल्कि उसे ब्लैकलिस्ट कर न्यायालय में अभियोजन भी चलाया जाएगा।

'हमें आपसे खूब प्यार मिला...', आर्टेमिस II मिशन को वैश्विक समर्थन पर एस्ट्रोनॉट्स ने जताया आभार

नई दिल्ली। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के आर्टेमिस II के एस्ट्रोनॉट्स रीज वाइजमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसेन धरती पर सुरक्षित लौट आए हैं। उन्होंने मिशन के बाद पहली बार सार्वजनिक बयान देते हुए स्पेस और चांद का रोमांचक अनुभव साझा किया और दुनिया भर से मिले अपार समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

क्रू सदस्यों ने भावुक होते हुए कहा कि पृथ्वी से दूर चांद के आसपास का अनुभव जीवन बदलने वाला था। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह मिशन युवाओं को विज्ञान और अंतरिक्ष की ओर प्रेरित करेगा।

मिशन के कमांडर रीड वाइजमैन ने बताया, 'विक्टर, क्रिस्टीना, जेरेमी... आप सबका धन्यवाद। यह एक अविश्वसनीय रोमांच था और यह इस क्रू और पूरी यात्रा के दौरान एक-दूसरे के सहयोग से ही संभव हो पाया। हमारे बीच हमेशा के लिए एक खास रिश्ता बन चुका है। चार इंसान इससे ज्यादा करीब नहीं हो सकते, सिवाय इसके कि वे एक परिवार हों।'

वाइजमैन ने पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने ओरियन स्पेसक्राफ्ट को 'ओटे-इटीग्रेटी' नाम दिया और कहा कि नासा और उसके अंतरराष्ट्रीय साझेदारों ने यह शानदार मशीन तैयार की, जो चार इंसानों को चांद के चारों ओर घुमाकर सुरक्षित वापस ला सकी। उन्होंने मीडिया और दुनियाभर के लोगों का भी आभार जताया, जिन्होंने मिशन पर ध्यान दिया और उससे जुड़े।

वाइजमैन ने कहा, 'जब हम घर लौटे तो हम हैरान रह गए कि दुनिया भर से इस मिशन के लिए कितना जबरदस्त समर्थन, गर्व और अपनापन मिला। हम यही चाहते थे कि कुछ ऐसा करें जो दुनिया को एक साथ लाए और एकजुट करे।'

मिशन स्पेशलिस्ट क्रिस्टीना कोच भावुक नजर आईं। उन्होंने कहा, 'हमने यह सब मिलकर किया है। हम आपके दिलों को अपने साथ ले गए थे और आपके दिलों ने हमारे दिलों को खुश कर दिया।

क्रिस्टीना ने बताया कि लौटने के बाद उनके पति ने लोगों से बात की और बताया कि मिशन का लोगों पर गहरा सकारात्मक असर पड़ा है। उन्होंने कहा, 'यह असर सिर्फ देखने वालों की संख्या का नहीं था, बल्कि इसने लोगों के बीच की तमाम सीमाओं और पहचानों को पीछे छोड़ दिया था। एस्ट्रोनॉट का मूलमंत्र यही होता है कि वे दोस्तों की तरह उड़ान भरें और दोस्तों की तरह ही जमीन पर उतरें। हमने दोस्तों की तरह उड़ान भरी और सबसे अच्छे दोस्तों की तरह वापस लौटे। क्रू सदस्यों ने बताया कि मिशन के दौरान उन्होंने एक-दूसरे का हौसला बढ़ाया और टीम वर्क की मिसाल पेश की। उन्होंने नासा की पूरी टीम, इंजीनियर्स और दुनिया भर के लोगों को धन्यवाद दिया, जिनके समर्थन से यह मिशन सफल हुआ।

आंवला से पपीता तक, लिवर के लिए 'सुरक्षा कवच' हैं ये फल, रोजाना सेवन से मिलेंगे कई फायदे

नई दिल्ली। लिवर हमारे शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग है, जो न केवल खून को साफ करता, पाचन क्रिया को बेहतर करता बल्कि हानिकारक तत्वों को शरीर से बाहर निकालने में भी मदद करता है। लेकिन आज की भागदौड़ भरी जिंदगी, बाहर का तला-भुना खाना और अनियमित दिनचर्या धीरे-धीरे हमारे लिवर को नुकसान पहुंचा रही है।

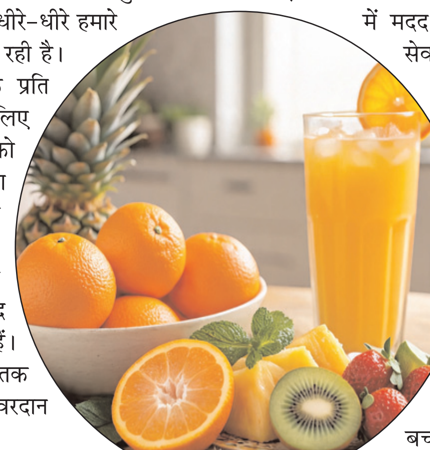

लिवर की सेहत के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए हर साल 19 अप्रैल को विश्व लिवर दिवस मनाया जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ चुनिंदा फल और पत्ते लिवर को स्वस्थ रखने में बेहद फायदेमंद साबित होते हैं। आंवला से लेकर पपीता तक ये फल लिवर के लिए वरदान की तरह काम करते हैं।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, आयुर्वेदिक ज्ञान और माइंडफुल ईटिंग अपनाकर हम लिवर को मजबूत बना सकते हैं। विश्व लिवर दिवस पर आयुष मंत्रालय लोगों को सही आहार और प्राकृतिक चीजों के जरिए लिवर की देखभाल करने की सलाह दे रहा है।

विशेषज्ञों का सुझाव है कि इन फलों और पत्तों को अपनी रोजाना की डाइट में शामिल करें। ताजा फल खाएं, जूस बनाकर पीएं या सलाद में डालकर खाएं। साथ ही तला-भुना, जंक फूड और ज्यादा शराब से बचें। नियमित व्यायाम और अच्छी नींद भी लिवर की सेहत के लिए जरूरी है।

आंवला: लिवर का सबसे बड़ा दोस्त माना जाता है। इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो लिवर को डिटॉक्स करने में मदद करते हैं। रोजाना आंवला का सेवन या आंवला जूस लिवर को स्वस्थ रखता है।

पपीता: यह पाचन शक्ति बढ़ाता है और लिवर में जमा विषाक्त पदार्थों को शरीर से निकालने में सहायक है। यह लिवर की सूजन कम करने में भी मददगार है।

अनार: अनार के रस में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट लिवर की कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं और खून को शुद्ध रखते हैं। अंगूर: अंगूर में मौजूद कंपाउंड लिवर को डिटॉक्स करने और सूजन कम करने में मदद करते हैं।संतरा और नींबू: ये दोनों फल विटामिन सी से भरपूर होते हैं। नींबू पानी सुबह खाली पेट पीने से लिवर अच्छी तरह साफ होता है। फलों के साथ ही लिवर के लिए पत्ते भी फायदेमंद हैं। इनमें माकोय के पत्ते हैं, जो लिवर की सूजन और संबंधित समस्याओं में राहत देते हैं। आयुर्वेद में इन्हें लिवर टॉनिक माना जाता है। वहीं मोरिंगा के पत्तों में पोषक तत्वों की भरमार होती है।

पढ़ाई के नाम पर थका-थका और चिड़चिड़ा महसूस करता है बच्चा, ये हो सकते हैं कारण

नई दिल्ली। आज के समय में माता-पिता के लिए सबसे बड़ा टास्क है बच्चों को पढ़ाना। छोटे बच्चों को पढ़ाते समय बहुत धैर्य और समझदारी से काम लेना होता है क्योंकि बच्चे बहुत संवेदनशील होते हैं।

कई बार बच्चे अचानक ही बहुत चिड़चिड़े हो जाते हैं और पढ़ने के नाम पर सुस्त पड़ जाते हैं। इसके पीछे बहुत सारे कारण हो सकते हैं, लेकिन सबसे बड़ा कारण है पढ़ाई का दबाव महसूस करना।

छोटे बच्चे अपनी भावनाओं को ठीक से बयां नहीं कर पाते हैं और इसी कारण है कि उनके व्यवहार में परिवर्तन देखने को मिलता है। बच्चे पढ़ते समय चिड़चिड़े हो जाते हैं, बहुत ज्यादा गुस्सा करने लगते हैं, पढ़ते वक्त बहाने करते हैं, बार-बार थका हुआ महसूस करते हैं। बहुत से माता-पिता इसे आलस मानते हैं लेकिन यह आलस नहीं बल्कि पढ़ाई का अत्याधिक दबाव है। इसके पीछे बहुत सारे कारण हो सकते हैं, जैसे माता-पिता की बहुत ज्यादा उम्मीदें, बार-बार दूसरे से बच्चे की तुलना करना, बिना ब्रेक लिए पढ़ाई करना, या छोटी गलती पर ज्यादा डांट पड़ना। ऐसे में बच्चा पढ़ाई से भागता नहीं है, बल्कि पढ़ाई के नाम से डरने लगता है।

अब सवाल है कि ऐसे में बच्चे को कैसे समझे। इसके लिए माता-पिता को कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना होगा, जैसे बच्चे के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताना। बच्चे से खुलकर बात करें और ये जानें कि बच्चे के मन में क्या चल रहा है और वह किस चीज से परेशान हैं। दूसरा पढ़ाई के वक्त बच्चे के साथ सख्ती न बरतें। ज्यादा सख्ती बरतने से बच्चा मन से कमजोर और डरा हुआ महसूस करने लगता है। इसलिए बच्चों को प्यार से पढ़ाने और समझाने की कोशिश करें। ऐसा करने से बच्चे का आधा स्ट्रेस अपने-आप ही खत्म हो जाता है।

इसके साथ ही बच्चे की जीवनशैली में थोड़ा बदलाव करना भी जरूरी है। बच्चों को रोज सुबह कुछ बादाम और अखरोट खाने के लिए जरूर दें।

इससे बच्चे का दिमाग तेज होगा और पढ़ाई में मन भी लगेगा। बच्चों को प्रकृति के साथ भी जोड़े और उनकी शारीरिक गतिविधि को भी बढ़ाए। उन्हें वह खेल खेलने दें जिससे बच्चे का शारीरिक विकास तेजी से हो।

आईएसएसएआर 2025 : अंतरिक्ष युग का सबसे व्यस्त वर्ष, स्पेस में मलबे की चुनौती बढ़ी

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष स्थिति जागरूकता रिपोर्ट 2025 (आईएसएसएआर-2025) ने अंतरिक्ष गतिविधियों में अभूतपूर्व वृद्धि का खुलासा किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2025 अंतरिक्ष युग की शुरुआत के बाद सबसे व्यस्त वर्ष रहा।

एक नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 में वैश्विक स्तर पर कुल 328 अंतरिक्ष प्रक्षेपणों का प्रयास किया गया, जिनमें से 315 मिशन सफलतापूर्वक संपन्न हुए। इन अभियानों के माध्यम से 4,198 परिचालन उपग्रहों सहित कुल 4,651 नवीन अंतरिक्ष पिंडों को उनकी निर्धारित कक्षाओं में स्थापित किया गया। अंतरिक्ष गतिविधियों में यह वृद्धि पिछले वर्षों की तुलना में उल्लेखनीय है। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में 254 प्रक्षेपणों द्वारा 2,963 पिंड अंतरिक्ष में भेजे गए थे, जबकि 2023 में 212 प्रक्षेपणों के जरिए यह संख्या 3,135 थी। इस प्रकार, वर्ष 2025 में अंतरिक्ष पिंडों की संख्या में लगभग 74.5 प्रतिशत की अभूतपूर्व वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस रिकॉर्ड वृद्धि का बड़ा कारण राइडशेयर लॉन्च मिशन थे। ट्रांसपोर्टर 12, 13, 14 और 15 मिशनों (14 जनवरी, 15 मार्च, 2 जून और 28 नवंबर) में आमतौर पर 70 से अधिक पेलोड शामिल थे। सबसे ज्यादा 28 नवंबर को 140 पेलोड लॉन्च किए गए। 28 अप्रैल 2025 को स्टारलिंक के दो बैच एक साथ लॉन्च हुए। सोयुज-2.1बी ने 28 दिसंबर को 52 पेलोड भेजे। स्टारलिंक के कुल 10749 सैटेलाइट्स में से 9396 अभी भी कक्षा में हैं, जबकि 1353 फिर से प्रवेश कर चुके हैं।

वही, अंतरिक्ष मलबे की स्थिति पर रिपोर्ट में चिंता व्यक्त की गई है। वर्ष 2025 में कुल 1911 वस्तुएं वायुमंडल में फिर से प्रवेश कर गईं। इनमें 1002 ज्ञात अंतरिक्ष यान, 657 मलबा वस्तुएं, 108 रॉकेट पिंड और 144 अज्ञात वस्तुएं शामिल थीं। अच्छी बात यह है कि 2025 में कक्षा में कोई बड़ी विखंडन घटना नहीं हुई। चंद्र अन्वेषण में निजी कंपनियों की दिलचस्पी बढ़ी। 2025 में चंद्रमा पर चार निजी मिशन लॉन्च किए गए, जिनमें ब्लू घोस्ट मिशन 1 ने चंद्रमा पर पहली निजी सॉफ्ट लैंडिंग का रिकॉर्ड बनाया।

अंतरिक्ष की निचली कक्षा में बढ़ती भीड़भाड़ का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अंतरिक्ष में निकटवर्ती उपग्रहों के लगभग 1,60,000 अलर्ट मिले। विशेषज्ञों का अनुमान है कि भविष्य में सक्रिय उपग्रहों की संख्या अंतरिक्ष मलबे से अधिक हो सकती है,।

मीठी तुलसी: सिर्फ नाम ही नहीं, गुणों में भी मीठा है यह पौधा, गर्मियों में देगा अनगित फायदे

नई दिल्ली। हिंदू धर्म में तुलसी का बहुत महत्व है। यह पौधा सिर्फ आस्था से जुड़ा नहीं, बल्कि स्वास्थ्य की कुंजी है।

तुलसी के बारे में सभी जानते हैं, लेकिन मीठी तुलसी के बारे में लोगों को बहुत कम ही जानकारी है। आयुर्वेद में मीठी तुलसी को शुगर के मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद बताया गया है। इसे शुगर-फ्री प्लांट और स्टीविया के नाम से भी जाना जाता है, जिसके सेवन के बहुत सारे फायदे मिल सकते हैं।

आयुर्वेद में मीठी तुलसी को पित्त शांत करने वाला पौधा माना जाता है, जिसमें चीनी से 30 गुना ज्यादा मिठास होती है। मीठा होने के बाद भी यह रक्त में शर्करा की मात्रा नहीं बढ़ती है। इसमें ग्लूकोज या सुक्रोज नहीं होता, इसलिए डायबिटीज के मरीज सीमित मात्रा में इसे अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

मीठी तुलसी मीठा खाने की तलब को शांत करती है और शरीर को नुकसान भी नहीं पहुंचाती। इसमें कैलोरी बहुत कम होती हैं। इसलिए मीठा खाने का मन करें तो इसे अच्छे से खा सकते हैं और यह वजन को भी संतुलित रखेगा। इसके साथ ही स्टीविया के पत्तों की तासीर ठंडी होती है। गर्मियों में पेट की जलन को शांत करने के लिए मीठी तुलसी के पत्तों का शरबत पी सकते हैं। यह पित्त को संतुलित कर पेट के एसिड को कम करता है।

स्टीविया में एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जो दांतों को सड़न और कैविटी से बचाने में मदद कर सकते हैं। जबकि रिफाइंड शुगर दांतों के लिए हानिकारक मानी जाती है। यही कारण है कि स्टीविया दांतों को सुरक्षित करने में भी मदद करती है। इसके साथ ही गर्मियों में अगर ब्लड प्रेशर कम होने की समस्या रहती है, तो मीठी तुलसी का सेवन ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में भी मदद करता है। यह शरीर को ठंडा रखने में मदद करता है।मीठी तुलसी पाचन को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है। यह पेट को ठंडक देती है और कब्ज जैसी समस्याओं में भी राहत पहुंचा सकती है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा संबंधी विकारों से निजात दिलाने में मदद करते हैं।

शुरुआती लोगों के लिए बेहतर हैं ये तीन आसन, ऐसे शुरू करें योग की यात्रा

नई दिल्ली। अगर आप योग की शुरुआत करना चाहते हैं लेकिन नहीं जानते कि कौन से आसन सबसे आसान और फायदेमंद हैं, तो भारत सरकार के आयुष मंत्रालय की सिफारिश आपके लिए मददगार साबित हो सकती है।

एक्सपर्ट के अनुसार, शुरुआती लोगों के लिए ताड़ासन, वज्रासन और भुजंगासन को सबसे बेहतर माना जाता है। ये तीन आसन घर पर आसानी से किए जा सकते हैं और रोजाना सिर्फ 10 से 15 मिनट का अभ्यास शरीर को लचीला, मांसपेशियों को मजबूत और मन को शांत बनाने में काफी मदद करता है।

योग विशेषज्ञों के अनुसार, इन आसनों से शारीरिक और मानसिक समस्याओं को दूर किया जा सकता है। शुरुआत में धीरे-धीरे अभ्यास करें और सांस पर पूरा ध्यान दें। नियमितता बनाए रखने से जल्दी ही अच्छे परिणाम दिखने लगते हैं। शुरुआती लोगों को योग एक्सपर्ट की देखरेख में ही अभ्यास करना चाहिए।

ताड़ासन :- यह सबसे आसान और बुनियादी आसन है, जो योग की मजबूत नींव रखता है। इसके लिए दोनों पैरों को जोड़कर सीधे खड़े हो जाएं। हाथों को ऊपर उठाकर उंगलियों को आपस में मिलाएं और पूरे शरीर को ऊपर की ओर खींचें। एड़ियों को हल्का सा उठाएं, इस दौरान सांस को सामान्य रखें। यह आसन रीढ़ की हड्डी को सीधा करता है, कद बढ़ाने में सहायक होता है, पूरे शरीर में रक्त संचार सुधारता साथ ही एकाग्रता भी बढ़ाता है। शुरुआती लोगों के लिए ताड़ासन पर 20 से 30 सेकंड तक रहना काफी है। धीरे-धीरे समय बढ़ाकर 1 मिनट तक कर सकते हैं। सुबह खाली पेट इसे करना सबसे अच्छा रहता है।

वज्रासन :- यह आसन भोजन करने के तुरंत बाद भी किया जा सकता है। इसके लिए घुटनों को मोड़कर एड़ियों पर बैठ जाएं। दोनों घुटने साथ रहें, हाथ जांघों पर रखें और पीठ तथा गर्दन को सीधा रखें। आंखें बंद करके शांत बैठें। यह आसन पाचन तंत्र को मजबूत करता है, घुटनों को मजबूत बनाता है, कमर दर्द से राहत देता है और ध्यान लगाने के लिए सबसे अच्छी मुद्रा प्रदान करता है। रोजाना करने से पेट की चर्बी भी कम होती है। शुरुआती लोगों को वज्रासन में 3 से 5 मिनट करना चाहिए। बाद में धीरे-धीरे बढ़ाकर 10-15 मिनट तक किया जा सकता है।

भुजंगासन :- इस आसन के अभ्यास के लिए पेट के बल लेट जाएं और दोनों हाथ जमीन पर रखें। सांस लेते हुए छाती को ऊपर उठाएं, सिर को पीछे झुकाएं और नजरें छत की ओर रखें। इस मुद्रा में 15-20 सेकंड तक रुकें, फिर धीरे से वापस आएं। यह आसन रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है ।

सरकार ने ग्लोबल एक्सपेंशन प्रोग्राम के लिए 10 एआई स्टार्टअप्स का किया चयन

नई दिल्ली । इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के तहत चल रहे इंडियाएआई मिशन ने अपने ग्लोबल एक्सीलरेशन प्रोग्राम के दूसरे बैच के लिए 10 भारतीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) स्टार्टअप्स का चयन किया है। इस पहल का मकसद भारतीय कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने में मदद करना है। सरकार ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

इंडियाएआई स्टार्टअप्स ग्लोबल एक्सीलरेशन प्रोग्राम पेरिस के स्टेशन एफ और एचईसी पेरिस के साथ साझेदारी में चलाया जा रहा है। यह कार्यक्रम भारत को वैश्विक एआई इकोसिस्टम में मजबूत बनाने की सरकार की बड़ी योजना का हिस्सा है।

सरकार के मुताबिक, हर बैच में 10 स्टार्टअप्स को चुना जाता है, जिन्हें इस प्रोग्राम के तहत संसाधन, मेंटरशिप और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्किंग का मौका दिया जाता है, ताकि वे अपने बिजनेस को वैश्विक स्तर पर बढ़ा सकें।

यह प्रोग्राम भारत की नेशनल एआई स्ट्रैटेजी के अनुरूप है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय सहयोग, वैश्विक इनोवेशन इकोसिस्टम से जुड़ाव और विदेशी बाजारों में विस्तार पर जोर दिया गया है।

दूसरे बैच के लिए चुने गए स्टार्टअप्स में एआई हेल्थ हाईवे, अविरोस, कॉग्नेक्टो, फ्लॉन्ट, ग्रीनफाई.एआई, क्लाइमेटफोर्स टेक्नोलॉजीज, इन्फीहील हेल्थटेक, इनलस्ट्रो लर्निंग, प्रेडको, स्काईसर्व (हाइस्पेस टेक्नोलॉजीज) और टेस्टिंग सॉल्यूशंस शामिल हैं।

इन स्टार्टअप्स को बहु-स्तरीय चयन प्रक्रिया के माध्यम से शॉर्टलिस्ट किया गया है। ये सभी चयनित कंपनियां पहले तीन हफ्ते के ऑनलाइन प्रोग्राम में हिस्सा लेंगी, इसके बाद उन्हें पेरिस में तीन महीने की रेजिडेंसी का मौका मिलेगा।

सरकार ने बताया कि इस दौरान स्टार्टअप्स को मेंटरशिप, इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स से मार्गदर्शन और यूरोप के बड़े टेक इकोसिस्टम से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

इससे पहले मार्च में वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने संसद में बताया था कि इंडियाएआई मिशन के तहत 38,000 से ज्यादा जीपीयू जोड़े गए हैं और 190 प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है।

इसके अलावा, सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम के तहत 10 सेमीकंडक्टर यूनिट्स को भी मंजूरी दी गई है, जिससे देश में चिप मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने यह भी बताया कि 38,231 जीपीयू को एक साझा कंप्यूटिंग सुविधा के जरिए स्टार्टअप्स और शैक्षणिक संस्थानों को लगभग 65 रुपए प्रति जीपीयू प्रति घंटे की रियायती दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

यूरोपा लीग: एससी ब्रागा ने बेटिस को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

सेविले । यूरोपा लीग क्वार्टरफाइनल के दूसरे लेग में एससी ब्रागा ने शानदार वापसी करते हुए रियल बेटिस को 4-2 से हराकर कुल स्कोर 5-3 के साथ सेमीफाइनल में जगह बना ली। ब्रागा ने 15 साल बाद इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

मैच की शुरुआत में बेटिस ने जबरदस्त दबाव बनाया। कुचो हर्नांडेज का शुरुआती प्रयास थोड़ा बाहर चला गया, लेकिन जल्द ही टीम ने बढ़त हासिल कर ली। अब्दे एजालजौली ने शानदार क्रॉस दिया, जिस पर एंटोनी ने हेडर के जरिए गोल कर स्कोर 1-0 कर दिया। इसके बाद बेटिस ने तेजी से दूसरा गोल भी दागा। पाब्लो फोर्नल्स ने बेहतरीन मूव बनाते हुए एजालजौली को पास दिया, जिन्होंने मौका बनाकर टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया।

2-0 से पीछे होने के बाद ब्रागा ने अचानक मैच का रुख पलटा। पाउ विक्टर ने डिफेंस की गलती का फायदा उठाकर गोल किया और टीम को वापसी की राह दिखाई। इसके बाद ब्रागा ने दूसरा गोल करते हुए बराबरी की। विटोर कार्वाल्हो ने रिकार्डो होर्टा की फ्री-किक पर शानदार हेडर किया।

इसके बाद ब्रागा पूरी तरह हावी हो गई। चार मिनट के भीतर रिकार्डो होर्टा ने पेनल्टी को गोल में बदलकर टीम को 3-2 की बढ़त दिलाई।

यह पेनल्टी तब मिली जब सोफ्यान अमराबत ने डेमिर एगे टिकनाज को फाउल किया।

मैच के अंतिम चरण में जीन-बैप्टिस्ट गोर्बी ने एक शानदार वॉली के जरिए चौथा गोल दागा और जीत पक्की कर दी। इस शानदार जीत के साथ ब्रागा अब सेमीफाइनल में एससी फ्रीबर्ग का सामना करेगी। 15 साल बाद सेमीफाइनल में पहुंची ब्रागा निश्चित रूप से एससी फ्रीबर्ग को चौंकाने का प्रयास करते हुए फाइनल में जगह बनाने की कोशिश करेगी। फ्रीबर्ग को चौकन्ना रहना होगा।

पहला लेग 30 अप्रैल को पुर्तगाल में और दूसरा 7 मई को जर्मनी में खेला जाएगा। ह्य

आईपीएल 2026: जीटी ने केकेआर को 5 विकेट से हराया

अहमदाबाद। आईपीएल 2026 के 25वें मुकाबले में शुक्रवार को गुजरात टाइटंस (जीटी) ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 5 विकेट से हराया। नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में केकेआर से मिले 181 रनों के लक्ष्य को जीटी ने 5 विकेट खोकर 19.4 ओवर में हासिल किया। यह केकेआर की इस सीजन में पांचवीं हार है।

केकेआर से मिले 181 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस की शुरुआत अच्छी रही। पहले विकेट के लिए साई सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल ने मिलकर 57 रन जोड़े। सुदर्शन 16 गेंदों में 22 रन बनाने के बाद सुनील नरेन का शिकार बने। इसके बाद जोस बटलर और गिल ने दूसरे विकेट के लिए 24 गेंदों में 38 रन जोड़े। बटलर 15 गेंदों में 2 चौके और 2 छक्कों की मदद से 25 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, कप्तान शुभमन गिल ने एक छोर से अपनी शानदार बल्लेबाजी जारी रखी और अपना अर्धशतक पूरा किया।

गिल ने 50 गेंदों का सामना करते हुए 86 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में गिल ने 8 चौके और 4 छक्के लगाए। वॉशिंगटन सुंदर 13 रन ही बना सके। ग्लेन फिलिप्स 16 गेंदों में 19 रन बनाकर आउट हुए। शाहरुख खान 3 और राहुल तेवतिया 7 रन बनाकर नाबाद रहे। केकेआर की ओर से गेंदबाजी में वरुण चक्रवर्ती ने 4 ओवर में 34 रन देकर 2 विकेट चटकाए, जबकि वैभव अरोड़ा और रमनदीप सिंह ने एक-एक विकेट निकाला।

इससे पहले, टॉस जीतने के बाद बल्लेबाजी करते हुए केकेआर की पूरी टीम 180 रन बनाकर सिमटी। टीम की शुरुआत एक बार फिर अच्छी नहीं रही और कप्तान अजिंक्य रहाणे बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। इसके बाद अंगकृष रघुवंशी भी सिर्फ 8 रन बनाकर आउट हुए। टिम सीफर्ट भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 14 गेंदों में 19 रन बनाने के बाद कगिसो रबाडा की गेंद पर ग्लेन फिलिप्स को कैच देकर पवेलियन लौटे।

हालांकि, कैमरून ग्रीन ने एक छोर संभाले रखा और बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए इस सीजन में अपना पहला अर्धशतक लगाया। ग्रीन ने 55 गेंदों का सामना करते हुए 79 रनों की शानदार पारी खेली। अपनी इस पारी में ग्रीन ने 7 चौके और 4 छक्के लगाए। हालांकि, ग्रीन को दूसरे छोर से बाकी बल्लेबाजों का साथ नहीं मिल सका।

अर्शदीप के शुरुआती विकेटों ने मैच को पंजाब किंग्स की तरफ मोड़ दिया था: डेल स्टेन

मुंबई। आईपीएल 2026 में गुरुवार को वानखड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हरा दिया। पंजाब की जीत में तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की बड़ी भूमिका रही। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने अर्शदीप की प्रशंसा की।

जियोहॉटस्टार के 'गूगल सर्च एआई मोड मैच सेंटर लाइव' पर जियोस्टार एक्सपर्ट डेल स्टेन ने कहा कि अर्शदीप सिंह के शुरुआती विकेटों ने मैच का रुख पंजाब की ओर मोड़ दिया।

डेल स्टेन ने कहा, 'अर्शदीप सिंह इस सीजन में अपने श्रेष्ठ फॉर्म में नहीं थे, लेकिन एक बार जब उन्हें वो विकेट मिला, तो आप फर्क देख सकते थे। वो अपनी लय में आ गए, उनके यॉर्कर एकदम सही लगने लगे, और सब कुछ हाथ से अच्छे से निकलने लगा। कभी-कभी, चीजों को बदलने के लिए बस एक पल की जरूरत होती है।

उन्होंने कहा कि इस तरह के खेल में, किस्मत बहुत काम आती है। आप बिना इनाम के भी अच्छी गेंदबाजी कर सकते हैं। एक विकेट आपके लिए सब कुछ बदल सकता है।

मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के मैच पर नजर डालें तो पंजाब ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। क्विंटन डिकॉक के 60 गेंदों पर बनाए नाबाद 112 रन की मदद से मुंबई ने 6 विकेट पर 195 रन बनाए थे।

अर्शदीप ने 4 ओवर में 22 रन देकर 3 विकेट लिए। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने पारी के तीसरे ओवर की लगातार 2 गेंदों पर रयान रिकल्टन और सूर्यकुमार यादव का विकेट लिया। इसके बाद शरफेन रदरफोर्ड को बोल्ड किया। बेहतरीन गेंदबाजी के लिए अर्शदीप को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। पंजाब किंग्स ने प्रभसिमरन सिंह के 39 गेंदों पर नाबाद 80 और कप्तान श्रेयस अय्यर के 35 गेंदों पर 66 रनों की बदौलत 16.3 ओवर में 3 विकेट पर 198 रन बनाकर मैच 7 विकेट से जीता।

आईपीएल 2026: 'दूसरी टीमें हमसे बेहतर खेल रहीं', पंजाब से हार के बाद एमआई के कोच महेला जयवर्धने का बयान

मुंबई । आईपीएल 2026 में गुरुवार को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (एमआई) और पंजाब किंग्स के बीच मैच खेला गया। पंजाब ने मुंबई इंडियंस पर 7 विकेट से जीत दर्ज करते हुए अंकतालिका में पहला स्थान हासिल कर लिया। मुंबई की पांच मैचों में यह चौथी हार थी। मुंबई की हार से बाद हेड कोच महेला जयवर्धने ने कहा कि टीम अभी भी स्पार्क ढूंढने की कोशिश कर रही है।

मैच के बाद जयवर्धने ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हार का बोझ सिर्फ हार्दिक पर है। मुझे लगता है कि जब हम अच्छा नहीं कर रहे होते हैं तो यह हम सभी पर होता है। यह काफी हद तक मुझ पर, मैनेजमेंट में शामिल हर किसी पर और उन सभी पर है कि हम कैसे बेहतर हो सकते हैं।

जयवर्धने ने कहा, 'मुझे पता है कि हम अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं। लेकिन दूसरी टीमें बहुत बेहतर हैं। जब वे इस तरह की शुरुआत करते हैं तो उनका कॉन्फिडेंस भी बहुत ज्यादा होता है। हमें बस उन्हें नियंत्रित करने की जरूरत है, जो हम कर सकते हैं। हमें अपनी लय को पाने के लिए कुछ जीत हासिल करने की जरूरत है।'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हम जो चार गेम हारे—दो बाहर और दो घर पर—वे अलग-अलग तरह के गेम थे। हमने कुछ बदलाव किए और कुछ बदलाव हमें इंजरी की वजह से करने पड़े। कुछ क्षेत्रों में हम बेहतर रहे हैं, लेकिन गेंदबाजी हमारे लिए परेशानी है। हमें इस पर और मेहनत करनी होगी। पिछले 5 मैचों में 1 विकेट हासिल नहीं कर सके बुमराह से जुड़े सवाल पर जयवर्धने ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। हम पावरप्ले में दबाव नहीं डाल रहे हैं। विपक्षी बल्लेबाज जानते हैं कि बुमराह के खिलाफ उन्हें रिस्क नहीं लेना है। मैं उंगली उठाकर नहीं कह सकता कि उसने विकेट क्यों नहीं लिया। हम देख रहे हैं कि क्या कर सकते हैं।'

उन्होंने कहा, 'कभी-कभी आपको थोड़ी किस्मत की भी जरूरत होती है।

वीर चोटरानी हैम्बर्ग स्क्वैश क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, अभय, रमित, जोशना बाहर

हैम्बर्ग । वीर चोटरानी ने पुरुषों के दूसरे राउंड में जर्मनी के आठवें सीड राफेल कंदरा को 3-0 से हराकर हैम्बर्ग ओपन स्क्वैश के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। यह पीएसए कांस्य पदक स्तर का इवेंट है।

भारतीय खिलाड़ी ने शुरू से आखिर तक मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा। उन्हें 11-8, 11-7, 11-7 से जीत हासिल करने और आखिरी आठ में पहुंचने में सिर्फ 30 मिनट लगे। चोटरानी ने कंदरा को सीधे गेम में हराकर बड़ा उलटफेर किया।हालांकि, उनके हमवतन, पांचवें सीड अभय सिंह और सातवें सीड रमित टंडन दूसरे राउंड में बाहर हो गए। सिंह इंग्लैंड के सैम टॉड से 9-11, 11-7, 4-11, और 2-11 हारे। टंडन को हंगरी के बालाज फार्कास ने 10-12, 11-4, 5-11, 9-11 से हराया।सैम टॉड ने सिंह को हराने के लिए बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया।

टॉड ने कहा, 'मुझे पता है कि अभय हाल ही में अच्छी फॉर्म में है, क्योंकि एल गौना में उसके कुछ अच्छे परिणाम आए थे और उसने इंडियन ओपन जीता था। मुझे पता था कि आज का मैच मुश्किल होगा और मैंने उसके साथ पोंटेफ्रैक्ट में, जो मेरा क्लब है, कुछ बार ट्रेनिंग की है, इसलिए मैं उसका गेम अच्छी तरह जानता हूं क्योंकि हम कुछ बार साथ में खेले हैं।'

महिलाओं के वर्ग में पूर्व महिला वर्ल्ड नंबर 10 जोशना चिनप्पा को आठवीं सीड जोएल किंग ने हराया। किंग ने 11-9, 11-7, 9-11, 11-4 से जीत हासिल की।स्पेन की मार्टा डोमिनगेज भी नंबर 6 सीड मैलिफ को हराने के बाद पहली बार कांस्य पदक के आखिरी आठ में खेलेंगी।

डोमिनगेज ने लगातार छह हार का सिलसिला खत्म करते हुए 11-7, 9-11, 11-5, and 11-3 से जीत हासिल करके अपने पहले क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाई।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शेर-ए-कश्मीर क्रिकेट क्लब की जर्सी का किया अनावरण

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को शेर-ए-कश्मीर क्रिकेट क्लब (एससीसी) की जर्सी का अनावरण किया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री सतीश शर्मा और मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर सोगामी भी मौजूद रहे। सीएम उमर अब्दुल्ला ने क्रिकेट को बढ़ावा देने में अहम योगदान देने के लिए एससीसी की तारीफ की। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के कार्यलाय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए बताया, 'मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को जम्मू में 'शेर-ए-कश्मीर क्रिकेट क्लब' (एससीसी) की जर्सी का अनावरण किया और क्रिकेट को बढ़ावा देने में क्लब की भूमिका की सराहना की। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में खेलों को समर्थन देने और युवा प्रतिभाओं को निखारने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। इस अवसर पर सतीश शर्मा और नासिर सोगामी भी उपस्थित रहे।

शेर-ए-कश्मीर क्रिकेट जम्मू-कश्मीर का स्थानीय क्रिकेट क्लब है, जो युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित करने में अहम रोल निभाता है।

आईपीएल 2026: जसप्रीत बुमराह को विकेट क्यूं नहीं मिल रहा? इरफान पठान और आकाश चोपड़ा ने बताई वजह

मुंबई । आईपीएल 2026 किसी खिलाड़ी के लिए अब तक सबसे बुरा साबित हुआ है, तो वो हैं मौजूदा समय में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज माने जाने वाले जसप्रीत बुमराह। मुंबई इंडियंस के जसप्रीत बुमराह न ही रन रोक पाने में सफल हो रहे हैं और न ही उन्हें विकेट मिल रहे हैं। सीजन में एमआई की असफलता का एक बड़ा कारण बुमराह की असफलता को भी माना जा रहा है।

जसप्रीत बुमराह मुंबई इंडियंस की गेंदबाजी का सबसे मजबूत और प्रमुख हथियार हैं। शुरुआती ओवर हों या डेथ ओवर, बुमराह के खिलाफ रन बनाना हमेशा मुश्किल होता है। बल्लेबाज उनके खिलाफ रिस्क नहीं लेते और अपनी विकेट बचाने की कोशिश करते हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी उनके साथ ऐसा ही होता है, लेकिन आईपीएल 2026 बुमराह के लिए बिल्कुल अलग, साधारण और निराशाजनक साबित हुआ है।

यॉर्कर किंग के नाम से मशहूर बुमराह की गेंदों पर आराम से रन बन रहे हैं। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने उनकी पहली गेंद पर छक्का लगा दिया था। सीजन के 5 मैचों में 19 ओवर फेंक कर 164 रन लुटाने वाले बुमराह को 1 भी विकेट हासिल नहीं हो सका है। यह परेशान करने वाला है और एमआई की लगातार हार का एक कारण भी है।

इरफान पठान ने अपने यूट्यूब चैनल पर बुमराह की गेंदबाजी का विश्लेषण करते हुए कहा, 'बुमराह को विकेट मिलना बहुत जरूरी है। उनके फॉर्म में दिक्कत नहीं है। इस सीजन में उनकी औसत गति लगभग 130 किमी/घंटा रही है। वह लगभग 44 प्रतिशत धीमी गेंद का इस्तेमाल कर रहे हैं, लगभग हर दूसरी गेंद धीमी होती है।

पठान ने कहा, 'मुझे लगता है कि अगर वह धीमी गेंदों की तुलना में तेज गेंद ज्यादा करेंगे तो उन्हें परिणाम मिलेंगे। यह आसान हल हो सकता है परेशानी का, बाकी बुमराह को कोचिंग की जरूरत नहीं है।

आईसीसी ने पहली महिला टी20 चैलेंज ट्रॉफी का शेड्यूल जारी किया

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पहली महिला टी20 चैलेंज ट्रॉफी का शेड्यूल जारी कर दिया है। यह टूर्नामेंट 19 अप्रैल से 2 मई तक रवांडा में खेला जाएगा।

मैचों का आयोजन किगाली शहर के गहांगा क्रिकेट स्टेडियम के आस-पास के दो ग्राउंड में होगा।

शेड्यूल के मुताबिक, पांच टीमों के इस टूर्नामेंट के पहले दिन इटली का मुकाबला मेजबान रवांडा से होगा, जबकि नेपाल का मुकाबला यूएसए से होगा। वानुअतु को पहले दिन बाई मिली है, जिसके बाद 19 अप्रैल को उसका मुकाबला रवांडा से होगा।

यह टूर्नामेंट आईसीसी द्वारा शुरू किया गया एक नया इवेंट है, जिसे एसोसिएट मेंबर टीमों को ज्यादा मौका देने के लिए शुरू किया गया है। यह इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी में शामिल हो गया है, जिसका पहला संस्करण पिछले नवंबर में हुआ था, जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मौके बढ़ाने की कोशिशों का हिस्सा है।

इस प्रतियोगिता में आईसीसी के पांचों क्षेत्र की टॉप रैंक वाली टीम शामिल है, जो इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई थी। हिस्सा लेने वाली सभी पांच टीमों ने 2025 क्षेत्रिय महिला टी20 विश्व कप क्वालिफायर में अपने प्रदर्शन के आधार पर जगह बनाई है।

डबल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में खेला जाने वाला यह टूर्नामेंट 2 मई तक चलेगा और इसका मकसद लगातार, हाई-क्वालिटी मैच का अनुभव देना है।

ह्ययह पहल आईसीसी की दुनिया भर में महिला क्रिकेट को मजबूत करने और नई टीमों को मजबूत टीमों के खिलाफ मुकाबला करने के लिए तैयार करने की बड़ी कोशिश का हिस्सा है।

यह इवेंट विमेंस टी20 विश्व कप के विस्तार के साथ भी जुड़ा है, जिसमें 2026 में 12 टीमें होंगी, और 2030 तक इसे 16 टीमों तक बढ़ाने की योजना बनाई जा चुकी है। नेपाल और यूएसए इस टूर्नामेंट में मजबूत दावेदार के तौर पर उतर रहे हैं। दोनों ने इस साल की शुरुआत में सबसे नए वैश्विक क्वालिफायर में हिस्सा लिया था।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415